जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 | वर्षः 17 | संख्याः 56 | प्रभात | हिण्डौन सिटी, रविवार 29 दिसम्बर, 2024 | पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

## ‘डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन-काल में कांग्रेस व गांधी परिवार ने उनकी अवहेलना की व सम्मान नहीं दिया’

### सुधांशु त्रिवेदी ने, भाजपा कार्यालय में प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित कर, कांग्रेस पर दिखावा करने व घड़ियाली आँसू बहाने का आरोप लगाया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। डॉ. मनमोहन सिंह का दाह संस्कार पूरे सैन्य सम्मान से किया गया तथा उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई, वहीं कांग्रेस और भाजपा- दोनों ने ही एक दूसरे पर कटाक्ष किये, जिससे देश का राजनैतिक वातावरण दूषित हो गया। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा पार्टी कार्यालय पर एक प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुये कहा कि कांग्रेस पाखंडी है तथा डॉ. सिंह के लिये घड़ियाली आँसू बहा रही है।

उन्होंने कहा कि उनके जीवन-काल में तो कांग्रेस तथा गांधी परिवार ने उनकी उपेक्षा की, उनका अपमान किया और अब उनकी मृत्यु हो जाने पर, वे उनकी विरासत के सम्मान की बातें कर रहे हैं तथा इससे फायदा लेना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घड़ियाली आँसू बहा रही है।

इस प्रैस कॉन्फैंस का पार्टी मुख्यालय में होना, इस बात को साफ तौर पर दर्शाता है कि सुधांशु त्रिवेदी को पार्टी नेतृत्व तथा उन्हीं नरेन्द्र मोदी का आशीर्वाद प्राप्त था, जिनके रिकॉर्डेड बयान, जिनमें डॉ. मनमोहन सिंह की प्रशंसा के पुल बाँधे गये थे, सभी टी.वी. चैनलों को वितरित किये गये थे। कल भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह डॉ. सिंह के स्मारक को लेकर गंदी राजनीति कर रही है।

कांग्रेस ने उन तौर-तरीकों की भी कड़ी आलोचना की, जो डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के प्रबंध के बारे में सरकार ने अपनाये।

कांग्रेस प्रवक्ता तथा मीडिया चेयरमैन, पवन खेड़ा ने अपने लम्बे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- दूसरी ओर कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह के दाह संस्कार के आयोजन पर सरकार की भारी कमियां-खामिया गिनाईं।
- कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के अनुसार, ''दाह संस्कार के समय डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के लिये तीन कुर्सियाँ ही लगाई गयीं तथा कांग्रेस को डॉ. सिंह की बेटियों व परिवार के अन्य सदस्यों को बैठने की जगह दिलाने के लिये संघर्ष करना पड़ा।''
- ''प्र.मंत्री व अन्य मंत्रीगण उस समय भी खड़े नहीं हुए, जब स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई।''
- ''अमित शाह के मोटर-कारों के काफिले के कारण डॉ. सिंह का परिवार बाहर ही रह गया था तथा उन्हें ढूंढ ढांढ कर अंदर भेजा गया।''
- ''दूर-दर्शन के अलावा किसी अन्य टी.वी. चैनल को कवरेज की अनुमति नहीं दी गई थी तथा सभी चैनल्स को ''फीड'' दूरदर्शन से ही लेनी पड़ी तथा दूरदर्शन का फोकस मोदी व शाह पर ही था सारे समय।''
- कांग्रेस व भाजपा की डॉ. सिंह के दाह संस्कार पर हुई तू-तू, मैं-मैं की यह लड़ाई अभी कुछ दिन और चलेगी।

## ग्राम विकास अधिकारी से रिकवरी पर अंतरिम रोक

जयपुर, 28 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटपूतली की ग्राम पंचायत पाथरेडी के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी से रिकवरी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में एसीएस ग्रामीण व पंचायत राज विभाग, जिला कलेक्टर जयपुर और सीईओ जिला परिषद जयपुर सहित अन्य से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने ये आदेश सुरेश मीणा की याचिका पर दिए।

- याचिकाकर्ता ने कहा कि उक्त कार्य की प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति में उसकी कोई भूमिका नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप ने बताया कि ग्राम पंचायत के तत्कालीन उप सरपंच ने तत्कालीन सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी सहित, पंचायत समिति पावटा के तत्कालीन सहायक अभियंता के खिलाफ साल 2016-17 में किए गए निर्माण कार्यों में अनियमितता व निजी खातेदारी में निर्माण की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर लोकायुक्त के निर्देश पर पंचायत समिति पावटा के स्तर पर तीन सदस्यीय कमेटी ने जांच की। वहीं, इसमें याचिकाकर्ता को सुनवाई का मौका दिए बिना ही उससे 11,10,157 रुपए की रिकवरी निकाल दी। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता खुद भी बतौर उप सरपंच मीटिंग में मौजूद था। तब ही निजी भूमि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## सरकार ने कांग्रेस के आग्रह को स्वीकार किया, पूर्व प्र.मंत्री सिंह के स्मारक के लिए जगह देने का निर्णय लिया

### सरकार का कहना है कि स्मारक बनाने के लिये ट्रस्ट का गठन, स्थान का चयन आदि कई औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी, अतः दाह संस्कार निगम बोध घाट पर करने का निर्णय लिया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। मोदी सरकार ने शुक्रवार रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की डा. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की प्रार्थना पर उन्हें बताया कि स्मारक के लिए जमीन दी जाएगी हालांकि वह यह प्रथा 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल में खत्म हो गई थी।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सिंह का स्मारक बनाने की प्रार्थना पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया। इसके कुछ देर बाद ही सरकार ने यह घोषणा कर दी।

कैबिनेट मीटिंग के तुरंत बाद गृहमंत्री अमित शाह ने खड़गे और डॉ. सिंह के परिवार को बताया कि सरकार स्मारक के लिए जमीन देगी।

गृह मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर होगा अन्य औपचारिकताएं भी होनी है, क्योंकि एक ट्रस्ट बनाया जाएगा और जमीन दी जाएगी।

वर्ष 2013 में यू.पी.ए. सरकार ने पृथक स्मारक बनाने की प्रथा खत्म कर राजघाट में राष्ट्रीय स्मृति स्थल चिन्हित किया था।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र कांग्रेस ने प्रेस को जारी किया जिसमें खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर हुई वार्ता का उल्लेख था। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया था कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार वहीं हो जहां उनका स्मारक बन सके। भारत के इस महान पुत्र की स्मृति में यह स्थान बेहद पवित्र होगा। शुक्रवार देर शाम कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार ने उनकी प्रार्थना नहीं मानी और लिया कि अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया जाएगा।

कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि, ''हमारे देश के लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि डॉ.

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने निर्णय लिया था तथा हर दिवंगत प्र.मंत्री के लिये स्मारक बनाने की प्रथा खत्म की थी तथा राजघाट पर एक राष्ट्रीय स्मृति स्थल बनाने का निर्णय लिया था।
- कांग्रेस के अलावा शिरोमणि अकाली दल, समाजवादी पार्टी व आप ने भी सरकार की आलोचना की, डॉ. मनमोहन सिंह के दाह संस्कार के लिये ऐसा स्थान न चुनने के लिये, जहाँ उनके स्मारक का भी निर्माण हो सकता था।

## पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ पूर्व प्र.मंत्री डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार हुआ

### निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्र.मंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, जिनका गुरुवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया, का शनिवार को पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गांधी परिवार, भूटान के राजा तथा मॉरिशस के विदेश मंत्री ने डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी।

डॉ. सिंह की पार्थिव देह लेकर शवयात्रा करीब 11:30 बजे श्मशान पर पहुँची। इसके पहले, डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार को सुबह ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से शुरु हुई। रवाना होने से पूर्व, कांग्रेस नेताओं ने डॉ. सिंह को अंतिम श्रृद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री की पार्थव देह लेकर फूलों से सजा वाहन जब कांग्रेस मुख्यालय से निकला तो ''मनमोहन सिंह अमर रहें'' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। श्रृद्धांजलि देने के लिए, सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा डॉ. सिंह के परिवार के साथ थे।

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता व सिंह के प्रशंसक शवयात्रा के साथ थे और नारे लगा रहे थे, ''जब तक सूरज चाँद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शवयात्रा में डॉ. परिवार के साथ थे।

डॉ. सिंह की पार्थिव देह को दर्शन के लिए करीब एक घंटे कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया, जहाँ

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- भूटान नरेश, मॉरिशस के विदेश मंत्री और समूचा गांधी परिवार भी डॉ. सिंह को अंतिम विदा देने निगम बोध घाट श्मशान पहुंचा था।
- डॉ. सिंह की शवयात्रा ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से प्रारंभ होकर निगम बोध घाट पहुंची थी।
- सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका ने डॉ. सिंह के परिवार के साथ ए.आई.सी.सी. मुख्यालय जाकर डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि दी।

## निगम बोध घाट पर मोदी के खिलाफ नारे लगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद अंत्येष्टि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने वहाँ पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी तथा सरकार के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की।

- आम लोगों ने कहा, सरकार ने अंतिम संस्कार स्थल पर स्मारक बनाने का झूठा वादा किया है, निगम बोध घाट पर स्मारक बनाने की जगह ही नहीं है।

इन लोगों ने अंत्येष्टि स्थल पर डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की अनुमति नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की।

इन लोगों का कहना था कि सार्वजनिक अंत्येष्टि स्थल, निगम बोध घाट पर स्मारक के लिए कोई जगह नहीं है और वैसे भी स्मारक बनाने का सरकार का आश्वासन शायद क्रियान्वित ही ना हो।

## ‘सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह का तिरस्कार किया है’

### राहुल गांधी ने एक्स पर हिन्दी में लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह देश का सम्मान व समाधि स्थल पाने के हकदार थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट श्मशान में करके उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि उनका अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिये निर्दिष्ट स्थान पर नहीं किया गया। राहुल ने कहा कि सिंह ''देश के सर्वोच्च सम्मान'' एवं स्मारक के हकदार हैं।

उन्होंने ''एक्स'' पर हिन्दी में लिखा, ''वर्तमान सरकार ने आज भारत माता के महान सपूत तथा सिख समुदाय के प्रथम प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर सम्पन्न करके उनका अपमान किया है।

राहुल गांधी ने कहा कि मनमोहन सिंह एक दशक तक भारत के प्रधानमंत्री रहे तथा उनके शासनकाल में देश इकोनॉमिक सुपर पावर बन गया था।

उन्होंने कहा, ''आज तक, सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का सम्मान करते हुये, उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों पर किये गये थे, ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के उन्हें अंतिम श्रृद्धांजलि अर्पित कर सके।''

उन्होंने कहा कि सरकार को कांग्रेस के इस नेता के प्रति सम्मान दर्शाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान तथा समाधि स्थल के हकदार हैं। सरकार को देश के इस महान सपूत तथा उनके गौरवपूर्ण समुदाय के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहिये था।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- राहुल गांधी ने यह भी लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दशक तक भारत के प्रधानमंत्री रहे तथा उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत एक ''इकोनॉमिक सुपर पावर'' के रूप उभरा विश्व में।
- ''अब तक सभी दिवंगत पूर्व प्र.मंत्रियों का जहाँ अंतिम संस्कार किया जाता है, वहाँ उनकी स्मृति में एक समाधि स्थल का निर्माण किया जाता है, जिससे आम नागरिक भी उनको सुविधाजनक तरीके से श्रद्धासुमन अर्पित कर सके।''
- ''इसीलिए कांग्रेस ने यह मांग की थी कि उनका अंतिम संस्कार उसी स्थान पर हो, जहाँ समाधि स्थल का निर्माण होगा।''
- अतः जनता नहीं समझ पा रही कि सरकार ऐसा स्थान क्यों चिन्हित नहीं कर पायी, जहाँ उनका दाह संस्कार हो जाता व कालान्तर में स्मारक भी बन जाता, जो उनके अन्तर्राष्ट्रीय स्तर एवं प्रतिष्ठा के अनुरूप होता।

## अजित पवार ने दिल्ली के प्रत्याशी घोषित किये

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। राजधानी दिल्ली में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करना शुरू कर दिया है। इस बीच, अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। एनसीपी ने शनिवार को अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कुल 11 उम्मीदवारों के नाम हैं।

- उन्होंने 11 उम्मीदवार के नाम तय किये।

पार्टी ने बादली से मुलायम सिंह को दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेन्द्र यादव के खिलाफ टिकट दिया है। इसके अलावा, बुराड़ी से रतन त्यागी, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन और ओखला से इमरान सैफी को मैदान में उतारा है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## दक्षिण तिब्बत पर प्रस्तावित चीन का ''मैगा हाइड्रो पावर प्रोजैक्ट'' पर्यावरणीय विस्फोट व राजनीतिक स्पर्धा का पिटारा खोलेगा

### जवाबी कार्यवाही में भारत ने इस यारलुंग सांगपो नदी, जो भारत में प्रवेश होने पर ब्रह्मपुत्र कहलाती है, पर अरूणाचल में 12 बड़े बांध बनाने की योजना बनाई है। इन बांधों पर एक अरब डॉलर की लागत आयेगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर विशाल हाइड्रोइलैक्ट्रिक बांध बनाने के चीन के निर्णय को लेकर भारी चिंता की लहर दौड़ गई है, क्योंकि इसके न केवल पर्यावरण पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते है, बल्कि भारत और चीन के रिश्ते और ज्यादा बिगड़ सकते है। यह बांध विश्व का सबसे बड़ा हाइड्रो इलैक्ट्रिक बांध होगा, जो कि तिब्बती पठार की हाइड्रोपावर संभावना का लाभ उठाने की चीन की योजना का प्रमख अंग है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इससे पहले से ही तनावग्रस्त क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है।

प्रस्तावित बांध से चीन के ''थ्री गोर्जेस बांध'' से तीन गुना ज्यादा बिजली बनाई जाएगी। यह बांध यारलुंग सांगपो नदी के ग्रेट बैंड पर बन रहा है, जो कि पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, साथ ही भूगर्भीय दृष्टि से भी काफी अस्थिर है। यह नदी जब भारत में प्रवेश करती है तो उसे ब्रह्मपुत्र कहते है। यहां भूकम्पीय गतिविधि बहुत ज्यादा हैं और यह क्षेत्र दुर्लभ जैवविविधता के लिए भी जाना जाता है। विशेषज्ञों को डर है कि बांध बनने से इस नाजुक इकोलॉजिकल सिस्टम को स्थायी रुप से नुकसान पहुंच सकता है, इससे भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है, भूगर्भीय अस्थिरता में भी वृद्धि हो सकती है।

सिचुआन के भूगर्भशास्त्री फैन शियाओ ने चेतावनी दी कि बांध की इंजीनियरिंग चुनौती और पर्यावरण लागतें बहुत बड़ी हो सकती हैं। उसने कहा, ''यारलुंग सांगपो ग्रैंड केन्यन की भूगर्भीय अस्थिरता पश्चिमी क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है।'' उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम चीन में बांधों का जरुरत से ज्यादा निर्माण आर्थिक अक्षमता का कारण बन चुका है। फैन जैसे आलोचकों की दलील है कि पनबिजली को हरित ऊर्जा मानने में अक्सर इसमें छिपे पर्यावरण नुकसान की अनदेखी कर दी जाती है।

इस प्रोजैक्ट को लेकर भारत में गंभीर चिंता जताई जा रही है। इस बांध को राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय संप्रभुता के संदर्भ में देखा जा रहा है। यारलुंग सांगपो अरुणाचल प्रदेश में भी बहती है, जिसे चीन दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा मानता है। भारत की चिंता है कि बांध नदी के प्रवाह में बदलाव लाएगा और भूकम्प के दौरान भारी नुकसान हो सकता है।

पानी के पारगमन प्रबंध में विशेषज्ञता रखने वाले शोधकर्ता सायनांगशू मोदक ने कहा कि ''यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है, ऐसे वे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से खतरा और बढ़ जाता है। वर्ष 2021 में एक ग्लेशियर टूटने से ग्रेट बैंड कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया था, जिससे नदी में जलस्तर बढ़ गया था। ऐसी घटनाएं इस क्षेत्र की संवेदनशीलता और इस परियोजना के संभावित खतरे को उजागर करती हैं।''

इसके जवाब में भारत ने अरुणाचल प्रदेश में बांध निर्माण प्रक्रिया तेज कर दी है तथा 12 हाइड्रोपावर स्टेशन्स में एक अरब डॉलर के निवेश

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- शंघाई के रिवर प्रोजैक्ट विशेषज्ञ नी लिज़िआंग व अमेरिका की यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ पीस, का मानना है कि दोनों देशों, चीन व भारत के बीच सीमान्त पर नदियों पर बांध बनाकर शक्ति परीक्षण हो जाता है। अतः इन नये बांधों के निर्माण से भारत-चीन संबंध जो ठीक होने की दिशा में बढ़ने लगे थे, अब पुनः तनावपूर्ण होने की संभावना है।
- चीन के इस मैगा प्रोजैक्ट से पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके में सैस्मिक डिस्टर्बेन्स होने की पूर्ण आशंका है, जिसमें बहुमूल्य दुर्लभ वनस्पति व जीव जंतु की प्रजातियां लुप्त होने का संकट बहुत बढ़ जाता है।

## सोमवार को अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ेगा भारत

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। भारत इस वर्षांत पर अंतरिक्ष में छोड़े गये दो उपग्रहों को परस्पर जोड़ने का प्रयोग सिद्ध करने की तैयारी में है, जिसे स्पाडेक्स यानी अंतरिक्ष में तैरते उपग्रहों या प्रणालियों को परस्पर जोड़ कर एक करने का प्रयोग कहा जाता है। सोमवार को सिद्ध किये जाने वाली भारतीय अंतरिक्ष डॉकिंग प्रणाली चंद्रयान4 मिशन, देश की अंतरिक्ष केन्द्र स्थापित करने और अंतरिक्ष में मानव भेजने जैसी योजनाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

- यह दुर्लभ उपलब्धि अभी केवल अमेरिका, रुस और चीन ने हासिल की है।

इस जटिल तकनीकी उपलब्धि को प्रदर्शित करने के लिये ‘भारतीय डॉकिंग सिस्टम’ से लैस दो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जायेगा। इसमें से एक ‘चेज़र’ (पीछा करने वाला) और दूसरा जुड़ने

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

रूप की पहुँच आँखों तक है, गुण आत्मा को जीतते हैं। –पोप

# युक्तियुक्त उपवास एक अद्रव्य औषधि है

आयुर्वेद की दृष्टि से लंघन, उपवास, अपतर्पण आदि पर विस्तृत वैज्ञानिक विश्लेषण उपलब्ध है। तथापि, भोजन के समय और आवृत्ति परनिष्कर्ष सूत्र दिये जाना आवश्यक है। पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्य अग्निवेश को सर्वश्रेष्ठ द्रव्यों, भावों और क्रियाओं को समझाते हुये भोजन के सन्दर्भ में कुछ रोचक सूत्र बताते हैं (च.सू.25.40): एकाशनभोजनं सुखपरिणामकराणां श्रेष्ठम्। तात्पर्य यह है कि 24 घंटे में केवल एक बार भोजन तत्समय में सुख देने में श्रेष्ठ है क्योंकि यह सुखपूर्वक पच जाता है। कालभोजनमारोग्यकराणां श्रेष्ठम्। तात्पर्य यह है कि नियत समय पर भोजन आरोग्य देने वालों में श्रेष्ठ है। ध्यान दीजिये आयुर्वेद में भोजन के दो काल बताये गये हैं, न कि दिन भर कुछ न कुछ खाते रहना। शारीरिक श्रम, न कि बौद्धिक श्रम, करने वाले ही तीन बार भोजन ले सकते हैं। पुनर्वसु आत्रेय ने एक अन्य संदर्भ में निर्दिष्ट किया है कि विषम भोजन से उत्पन्न तमाम अति–कष्टकारी रोगों को देखते हुये बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर काबू पाकर हिताशी, मिताशी और कालभोजी होना चाहिये (च.नि.6.11): हिताशीस्यान्मिताशीस्यात्कालभोजीजितेन्द्रियः। पश्यन्रोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात्।। तात्पर्य यह है कि हितकर द्रव्यों का आहार करने वाला, अपनी पाचन–शक्ति को देखते हुये मिताहार या नपा–तुला भोजन करने वाला और समय पर भोजन करने वाला होना चाहिये।

लेकिन उपवास के सन्दर्भ में इस बात पर भी ध्यान देना आवश्यक है कि अति उपवास दुर्बल करता है (च.सू.21.10–11): सेवा रूक्षान्नपानानां लङ्घनं प्रमिताशनम्। क्रियातियोगः शोकश्च वेगनिद्राविनिग्रहः।। रूक्षस्योद्वर्तनं स्नानस्याभ्यासः प्रकृतिर्जरा। विकारानुशयः क्रोधः कुर्वन्त्यतिकृशं नरम्।। तात्पर्य यह है कि रूखा–सूखा व मात्रा से कम खाना और अति उपवास करना, शोधन क्रियाओं की अति, शोक, वेगों व नींद को रोकना, शरीर के रुक्ष रहने पर रुक्ष उबटन व नित्य रुक्ष स्नान, स्वाभाविक कमजोर गुणसूत्र, वृद्धावस्था, रोगों का लग जाना, और गुस्सा इंसान को कमजोर कर देते हैं। बहुत अधिक उपवास वात को प्रकुपित करवात व्याधियों को जन्म देता है।

उपवास के सन्दर्भ मेंयजुर्विद संहिता की कुछ महत्वपूर्ण बातें निम्नानुसार हैं: (1) दोषान्निहन्तिबलमिन्द्रियाणाम्पाच्यंशरीरं स मनोविवृद्धिः। दीर्घायुषेहितकरं सदा वा शान्तिः सदा व्रतमिदंप्रदत्तम्।। उपवास से दोष साम्य होता है, इन्द्रियों की शक्ति बढ़ती है, और शरीर का पाचन तंत्र सुधरता है। यह दीर्घायु के लिए लाभकारी है और मानसिक शांति प्रदान करता है। उपवास के वैज्ञानिक लाभ भी हैं। व्रत से शरीर की पाचन शक्ति बढ़ती है, रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है, और दीर्घायु की संभावना बढ़ती है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्रत मन की शांति प्रदान करता है और दीर्घकालीन शारीरिक व मानसिक संतुलन देता है। (2) मितं च पथ्यं लघु भोजनंवासमयेनसर्वंनियमं च सेवेत्। आहाररूचिंनियतांविधायशरीरमस्यबलवान्भवेत्सः।। व्रत के दौरान हल्का और संतुलित भोजन करना चाहिए। उचित समय पर भोजन करना आवश्यक है, जिससे शरीर की शक्ति बढ़ती है। व्रत के समय सावधानी रखना बहुत जरूरी है। भोजन हल्का, संतुलित और मात्रा में कम होना चाहिए। गलत तरीके से भोजन लेने से शरीर कमजोर हो सकता है। इसलिए व्रत में समय और नियम का पालन करते हुए भोजन करना चाहिए। (3) शाकंफलाद्यं लघु पाचनं तत्तैलेनदूष्यं न हिसेवनीयम्। पथ्यं च सर्वविधिनाऽश्नुवीतदोषाः प्रशान्ताः भवतिस्थिरत्वे।। व्रत के दौरान हल्का और सुपाच्य भोजन, जैसे साग, फल आदि लेना चाहिए। तैलीय भोजन से बचना चाहिए। पथ्य आहार लेने से दोष शांत होते हैं और संतुलन में स्थिर रहते हैं। (4) संयम्यकायंमनसश्चयोगंसमयं च सर्वविधिनाऽनुवर्त्यापथ्यंयथायोग्यविधिं च सेवन्आरोग्यमार्गे सदा व्रतम् तत्।। व्रत के दौरान शरीर और मन को संयम में रखना चाहिए। उचित समय पर नियम का पालन करते हुए यथायोग्य पथ्य आहार लेना चाहिए। यह व्रत सदैव स्वास्थ्य के मार्ग पर ले जाता है। (5) व्रतेसमाप्तेनियमंविधायपेयाहि पथ्या प्रथमंप्रदिष्टा।लघ्वीपचन्तीतनुभूतिकारीशरीरवृद्ध्यैसुकृतिः प्रयुक्ता।। व्रत समाप्त होने पर सबसे पहले पेया (हल्का पतला भोजन) लिया जाता है। यह सुपाच्य होता है और शरीर की शक्ति को पुनः स्थापित करता है। (6) पेयान्नतः स्निग्धमथार्तवश्चिवलेपिकामन्दपचायसाध्यम्। लघ्वी च पथ्या हितकारिका या शरीरवृद्ध्यैप्रददातुशीघ्रम्।। पेया के बाद, थोड़ा गाढ़ा विलेपी लेना चाहिए, जो धीरे–धीरे पचने वाला और शरीर की सेहत को बनाए रखने में सहायक होता है। (7) यवागुमन्दंपरिपाच्ययुक्ताकृताऽकृतंस्निग्धमपिप्रदिष्टम्। विधाययुक्तं लघु पाचनं तत् दोषान्प्रशान्तंमनसोविवृद्धिम्।। इसके बाद बिना मसाले वाली यवागू (जौ की खिचड़ी) और हल्के मसालों के साथ यवागू लेनी चाहिए। यह पाचन के लिए अनुकूल होती है और मन को भी शक्ति प्रदान करती है।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार भोजन में पोषकतत्वों के विविध प्रकार और मात्रा तथा कैलोरी की मात्रा को जीवन के विभिन्न चरणों में समुचित आहार सुनिश्चित करने के लिये मानकों के रूप में उपयोग किया जाता है। वस्तुतः भोजन की मात्रा और आवृत्ति का संयोजन बुढ़ापे की ओर बढ़ने और बुढ़ापा–जन्य बीमारियों की शुरुआत को प्रबंधित करने हेतु एक शक्तिशाली उपाय के रूप में उभरा है। कितना और कब खाने का विषय तो महत्वपूर्ण है ही, इसके साथ ही उपवास की अवधि व आवृत्ति, और उपवास के दौरान लिये जाने वाले भोजन में कैलोरी में कमी भी स्वास्थ्य–लाभ की उत्तम रणनीति हो सकती है। इन लाभों को प्रदान करने वाली अंतर्निहित शारीरिक प्रक्रियाओं में मुख्यतया चयापचय हेतु ईंधन स्त्रोतों अर्थात भोजन में बदलाव, शरीर के टूट–फूट मरम्मत तंत्र की सार–संभाल और उन्नयन, तथा कोशिकीय और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये ऊर्जा–उपयोग का समुचित संयोजन हैं। आयुर्वेद की दृष्टि में युक्तिपूर्वक उपवास स्वस्थव्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमार व्यक्ति के विकारों का प्रशमन, दोनों में ही लाभकारी है। आयुर्वेद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण में समानता होते हुये एक मूल अंतर यह है आयुर्वेद में भोजन निर्धारण के कारक अधिक विस्तृत, बहुकोणीय और व्यापक हैं। इस पर अनेक खण्डों में लम्बी चर्चा होगी। आज का विश्लेषण मूलतः इन प्रश्नों पर केन्द्रित है कि 24 घंटों में भोजन कितनी बार लिया जाये और अच्छे स्वास्थ्य के लिये उपवास का महत्त्व क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर आयुर्वेद, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और अनुभव के आधार पर एकीकृत दृष्टिकोण से दिया जायेगा।

> **भोजन में बदलाव, शरीर के टूट-फूट मरम्मत तंत्र की सार-संभाल और उन्नयन, तथा कोशिकीय और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये ऊर्जा-उपयोग का समुचित संयोजन हैं। आयुर्वेद की दृष्टि में युक्तिपूर्वक उपवास स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमार व्यक्ति के विकारों का प्रशमन, दोनों में ही लाभकारी है।**

समकालीन वैज्ञानिक शोध वस्तुतः भोजन की मात्रा (ऊर्जा या कैलोरी के सेवन के नियंत्रण द्वारा) और भोजन की आवृत्ति (भोजन और उपवास के समय के नियंत्रण द्वारा) में बदलाव के माध्यम से कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, मधुमेह, कैंसर, और डिमेंशिया सहित उम्र–आधारित रोगजनन को रोकने या विलम्ब करने पर केन्द्रित है। इन अध्ययनों से ज्ञात होता है कि हेल्थ–स्पान या रोग–रहित जीवन कालऔर जीवन–काल में विस्तार उन उपायों से प्राप्त किया जा सकता है जिनमें कुल कैलोरी सेवन में कमी की आवश्यकता हो भी सकती है और नहीं भी। किन्तु आयुर्वेद की दृष्टि में देखें तो केवल दीर्घायु नहीं बल्कि हितायु और सुखायु सम्हालना आवश्यक है। यही कारण है कि आयुर्वेद की दृष्टि में केवल ऊर्जा या कैलोरी के सेवन पर नियंत्रण और भोजन व उपवास के समय के नियंत्रण के भरोसे दीर्घायु, हितायु और सुखायु नहीं प्राप्त हो सकते। भोजन में केवल कैलोरी गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं है।

आइये, आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपवास पर विचार करते हैं (देखें, साइंस, 2018, 362:770–775)। पहले हम कैलोरी–रेस्ट्रिक्शन से प्राप्त मॉलिक्यूलर और चयापचय परिवर्तनों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिसमें कैलोरी की मात्रा और उपवास अवधि भी शामिल है। कैलोरी–रेस्ट्रिक्शन अध्ययनों के निष्कर्ष स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि कैलोरी सेवन में कमी मनुष्यों में वृद्धावस्था के दौरान स्वास्थ्य में सुधार और बीमारी को रोकने के लिए एक प्रभावी हस्तक्षेप हो सकती है। लेकिन दुनिया के सर्वोत्कृष्ट जर्नल में प्रकाशित शोध–विश्लेषण अभी भी इस विषय में एक मत नहीं है।

दूसरा, जहाँ तक टाइम–रेस्ट्रिक्टेड फीडिंग (कुल कैलोरी सेवन में कमी लाये बिना, भोजन–सेवन के समय को 4 से 12 घंटों तक की दैनिक सीमाओं में बांधना) का प्रश्न है, अभी भी शोध निष्कर्ष अंतिम पड़ाव पर नहीं पहुंचे हैं। फिर भी टाइम–रेस्ट्रिक्टेड फीडिंग शरीर के वजन में कमी, ऊर्जा व्यय में वृद्धि, बेहतर ग्लाइसेमिक नियंत्रण और कम इंसुलिन के स्तर, हेपेटिक वसा में कमी, हाइपरलिपिडेमिया में कमी और इन्फ्लेमेशन में कमी आदि का लाभ देकर बिगड़े हुये समकालीन पाश्चात्य आहार (खूब वसा और खूब कार्बोहाइड्रेट, और परिष्कृत शर्करा) के कई हानिकारक चयापचय परिणामों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान कर सकता है। चयापचयी–स्वास्थ्य पर परिवर्तित भोजन–काल के प्रभाव की मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म क्या हो सकती है? दरअसल यह लाभ, 24 घंटे के दौरान उपवास और भोजन के समय और सर्केडियन रिदम के बीच सिंक्रनाइज़ेशन, तालमेल या लयबद्धता के कारण से होना माना जाता है।

तीसरा, जहाँ तक आवृत्तिक या बीच बीच में उपवास या इंटरमिटेंट–फास्टिंग का प्रश्न है कई अल्पावधि क्लिनिकल ट्रायल्स से ज्ञात होता है कि बीच–बीच के दिनों में उपवास वजन घटाने और कार्डियोमेटाबोलिक स्वास्थ्य के मामले में कैलोरी–रेस्ट्रिक्शन के समान ही लाभ प्रदान कर सकता है। इनमें शरीर के वजन में कमी और बेहतर लिपिड प्रोफाइल, कम रक्तचाप, और इंसुलिन संवेदनशीलता में वृद्धि शामिल हैं।

और अंत में चौथा, फास्टिंग–मिमिकिंग डाइट या उपवास की तरह लगने वाले भोजन का प्रश्न है, यह उपवास के दौरान भोजन से पूर्ण वंचित होने की बजाय कम कार्बोहाइड्रेट और उच्च वसा वाले आहार की रणनीति है। पांच दिन तक उपवास–जैसा–भोजन कैंसर, डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज जैसे अनेक पचड़ों के संकेतकों को सामान्य करता है। साथ ही इसका एंटी–एजिंग प्रभाव भी देखा गया है। इस प्रकार का उपवास प्रोटीन काइनेज ए और एमटीओआर मार्गों के रेगुलेशन के माध्यम से चूहों में इंसुलिन स्त्राव और ग्लूकोज होमियोस्टेसिस को बहाल करके अग्नाशयी बीटा कोशिकाओं के पुनर्जनन को बढ़ावा देने, इंसुलिन स्त्राव और ग्लूकोज होमियोस्टेसिस को बहाल करके एंटीडाइबेटिक प्रभाव डालता है। इसके साथ ही यह प्रतिरक्षा प्रणाली के रेगुलेशन के माध्यम से ऑटोम्यून्यून बीमारियों के नियंत्रण में मदद करता है। हालांकि इसकी मदद से आयु में वृद्धि के प्रमाण नहीं मिले और जब बहुत बूढ़े चूहों को इस प्रकार की खुराक दी गयी तो उनमें यह हानिकारक पाया गया।

निष्कर्ष यह है कि एक स्वस्थ व्यक्ति के लिये दिन में केवल दो बार किन्तु प्रतिदिन नियत समय पर भोजन करना ही सर्वोत्तम है। पूर्वान्ह में नाश्ते को भोजन की तरह लें और फिर कार्यालय या काम से लौटते ही लगी भूख में दूसरा भोजन लें। भोजन के बाद कुछ अनुपान ले सकते हैं, परन्तु दिन भर कुछ न कुछ खाते रहना या चाय पीते रहना अग्नि, स्वास्थ्य, और आरोग्य को नष्ट कर देता है। यदि आप उपवास रखना चाहते हैं तो अति न करें। अच्छा होगा कि सप्ताह या 15 दिन में कोई एक दिन तय करके पूरी तरह उपवास रखें। उपवास टूटते ही भोजन पर न टूट पड़ें। उपवास और उसके बाद वाले दिन को संसर्जन क्रम में बाँटते हुये लघु पेय से प्रारंभ कर गुरु पेय और खाद्य पदार्थ देते हुये एक समयावधि में अग्नि सम करते हुये नियमित भोजन तक आयें। यह युक्ति, संसर्जन का छोटा रूप है। पूरे दिन सही–सही उपवास रखने से मंद जठराग्नि को क्रमशः समत्व तक लाना आवश्यक है। सीधा नियमित गरिष्ठ भोजन ले लेने से मन्दाग्नि और आमाशय–क्षोभ के कारण ऐसा आहार पच नहीं पाता। इससे अजीर्ण और आम बनना और रोगजनन प्रारंभ हो जाता है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय**
**( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर )**
**( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )**

# विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह - परिपाटी अथवा कोई औचित्य भी; शिक्षा नीति का दृश्य कहां ?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

दीक्षांत समारोह अथवा अंग्रेजी में कनवोकेशन विश्वविद्यालयों में साधारणतः एक दिन एक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है जिसमे स्नातक, अधिस्नातक और शोध किये विषय पर सफलता पाने वाले छात्रों को समुचित उपाधि देकर सम्मानित किया जाता है। बड़ा ही गरिमापूर्ण उत्सव होता है एक ख़ास प्रकार की ड्रेस अथवा चोला और हुड (टोपी) पहनकर वार्षिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण रहे छात्रों को एक छपी हुई सनद दी जाती है जिसमे छात्र का नाम, परीक्षा का नाम और परीक्षा में प्राप्त दक्षता का विवरण दर्शाया जाता है। राज्य के राज्यपाल प्रदेश के सभी विश्व विद्यालयों के कुलाधिपति होते हैं इस नाते वे इस उत्सव की अध्यक्षता करते हैं और विश्वविद्यालय द्वारा घोषित छात्रों को डिग्री प्रदान करते हैं।

वस्तुतः डिग्री प्रदान करने के उपरांत कुलाधिपति सभी पुकारे गए सफल छात्रों को खड़ा कर सामूहिक रूप से ही प्राप्त डिग्री के अनुरूप अपने को समाज में प्रदर्शित करने की दीक्षा की घोषणा करते हैं। डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् दीक्षा प्रदान करना कुलाधिपति का सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है जिसे वर्तमान में तो खानापूरी ही समझना चाहिए। इसलिये कि डिग्री प्राप्त करने के उपरान्त छात्र समारोह से बिमुख हो जाते हैं,उन्हें तो डिग्री से मतलब होता है वह मिलने के बाद उन्हें दीक्षा आदि से कोई सरोकार नहीं। वास्तव में उन्हें, और कुलाधिपति को एक समान डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को खड़ा कर दीक्षा का अर्थ ही कभी नहीं समझाया जाता। असल बात ये है कि हमने हर स्टेप का हिन्दीकरण ही किया है अन्यथा पूरा उत्सव तो अंग्रेजों की देंन है। वैदिक अथवा पौराणिक काल में जब गुरु शिष्य परंपरा से शिक्षा प्रदान की जाती थी, उस समय गुरु शिष्य की योग्यता जांचकर उसे दीक्षा प्रदान करते थे वहां दीक्षा समूह में न होकर व्यक्ति दर व्यक्ति गुरु प्रदान करते थे, और उस दीक्षा का शिष्य जीवन भर उपयोग करता था उसके क्रिया कलापों एवं व्यवहार से भी शिष्य में गुरु की ही झलक प्रतिविम्बित होती दिखती थी।

उस काल के कतिपय ऐसे उदाहरण हैं जब शिष्य और गुरु दोनों ही विशेष अवसरों पर एक दूसरे के नाम लेकर ही अपना आख्यान लोगों को देते थे। एक दृष्टांत है कि जब स्वामी विवेकानंद जी अमेरिका से वापिस आते समय कुछ समय इंग्लॅण्ड में रुक कर अपने टीचर श्री लार्ड मेकॉले को मिलने उनके घर पहुंचे और उनके प्रति अपना आदर प्रदर्शित करना नहीं भूले। दोनों की मुलाकात यद्यपि थोड़े समय की ही थी। लेकिन उनके वृद्ध हो चुके टीचर लार्ड मेकॉले उन्हें पुनः मिलने के लिए लन्दन के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म परहाथ में छाता और छड़ी लिए आ पहुंचे। यह एक अनूठा उदाहरण है गुरु और शिष्य के संबंधों का, स्वामी जी ने कोतुहल से पूंछा कि–गुरुदेव अभी तो मैं चन्द मिनटों पूर्व ही आपसे घर मिल कर आया फिर आपने कष्ट क्यों किया? गुरूजी का उत्तर सभी को आश्चर्य में डालने वाला था। रेलवे प्लेटफॉर्म पर गुरु द्वारा विदाई स्वामी विवेकानंद जी के गुरु जी श्री रामकृष्ण परमहंस को एक सम्मान के लिए था एक गुरु दूसरे गुरु को याद कर उन्हें सम्मान कैसे न दे? अंग्रेजी शासन और ब्रिटिश टीचर द्वारा पढ़ाये गए और दीक्षित दोनों शिष्य नेहले पर दहला थे। यहाँ झलकती है शिक्षा और दीक्षा की तस्वीर।

सब कुछ प्रतिकूल होते हुए भी गुरु का शिष्य के प्रति शिष्टाचार सभी प्रकार की दो देशों की दूरियां घटाने के लिए काफी था। लार्ड मैकॉले द्वारा स्थापित भारत में शिक्षा पद्धति अभी भी वैसी ही चालू है सिवाय कुछ थोड़ा हेर फेर के।

अभी तक भारत सरकार कई शिक्षा नीतियां बना चुकी और वर्तमान में एक और नई शिक्षा नीति सरकार ने फिर लागू की है। कहा नहीं जा सकता कि उसमे क्या कुछ नया होगा? पद्धति लागू होने पर ही सही तस्वीर पता चलेगी। कहीं निति के स्थान पर अनीति न सरकार पेश कर दे? कारण यह है कि इस देश में कोई बड़ा बदलाव करने से पूर्व कोई संवाद, डेस्क वर्क आदि नहीं होता। दूसरी तरफ शिक्षा से सम्बन्ध रखने वाले बौद्धिक रूप से इतने सक्षम नहीं बन पाए कि उनसे किसी नवीन पद्धति पर कार्य संपन्न करा लें।

इसलिए मंत्रालिक वर्ग जो ड्राफ्ट लिख देगा शीर्ष अधिकारी लगभग उसी पर अपनी चिड़िया बिठा देंगे। उससे बड़ी मीटिंग में कोई बदलाव का प्रस्ताव आता ही नहीं अतः जो ड्राफ्ट एक कर्मचारी ने तैयार किया वही अनुमोदित होता जाता है और निति बन जाती है। अभी भी कक्षाओं की पुनः श्रेणीबद्धता के अतिरिक्त सरकार के बस का अधिक कुछ नहीं। मुझे उच्च स्तर की कक्षाओं के पाठ्यक्रम के संशोधन और समानीकरण करने का अनुभव है। ऐसा करते समय यह निर्धारण करना आवश्यक होता है कि विषय वस्तु को किस कक्षा में पढ़ाने के लिए कितना विस्तार वांछित होगा?

एक पढ़ाने वाला किसी विषय को बहुत विस्तार से जानता है परन्तु उसे अमुक कक्षा को कितना परोसना है इसका निश्चय करना महत्वपूर्ण होता है। शिक्षा में वही लोग लिए जायँ जिन्ह शिक्षा से लगाव हो और अपने कर्म को करने में उत्तरोत्तर अच्छा बनाने को प्रयत्नशील रहें। शिक्षा का विषय बहुत बड़ा है कितना भी लिखा जा सकता है लेकिन सैद्धांतिक रूप से समझी जाने वाली भाषा में विषय सामग्री छात्रों को परोसनी होगी जिसे वे चाव से सुनने और उतावलेपन से समझने की उत्कंठा जाग्रत हो।

स्कूली कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों को मेने देखा है वे निश्चय ही मेरे अध्यनकाल की तुलना में बहुत बेहतर बनी हुयी हैं। फिर भी ज्ञान के विस्तार को देखते हुए उनमे बहुत कुछ जोड़ना वांछित होगा। शिक्षा निदेशालय के स्तर पर एक छोटी समिति विद्यालयों में जा–जा कर टीचर और छात्रों की कठिनाईओं को भी जानने की कोशिस करती रहे और उनका निराकरण भी तुरंत वहीँ कर वाना अपेक्षित होगा। क्या विद्यालय और स्कूली स्तर पर भी दीक्षांत उत्सव सदृश्य अवलोकन उत्सव नहीं होने चाहिए ? और क्या वर्तमान दीक्षांत उत्सवों में किसी बड़े बदलाव की जरूरत नहीं? सोचिये। मैं भी देख रहा हूँ कि क्या बदलाव और किस स्तर के होने जा रहे हैं? आप सभी जागरूक नागरिक भी इस बदलाव पर नज़र बनाये रखिये क्योंकि ये विषय आपके बच्चों के भविष्य से जुड़ा है। केवल समारोह की ड्रेस बदलने से क्या समारोह का स्वरुप बदल गया?

अभी बस इतना ही, आगे जरुरत मुताविक फिर उचित समय लिखकर पाठकों को बताएँगे। तब तक आप सभी भी सोचिये और गुनिये।

**–प्रो. वीर बहादुर सिंह,**
**पूर्व कुलपति व खाद्य विज्ञ**
**( सेवानिवृत ) महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि., उदयपुर**

# भीलवाड़ा के गौरी परिवार ने दरगाह के बुलंद दरवाजे पर 813वें उर्स का झंडा चढ़ाया

**■ 813 वें सालाना उर्स की औपचारिक शुरुआत, चांद दिखाई देने पर उर्स दो व तीन जनवरी से**

**अजमेर,** (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स झंडे की रस्म शनिवार को असर की नमाज के बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे पर भीलवाड़ा के गौरी परिवार द्वारा सैकड़ों जायरीनों व खादिमों की मौजूदगी में अदा की गई। इसके साथ उर्स की औपचारिक शुरुआत हो गई। अब चांद दिखाई देने पर आगामी 2 व 3 जनवरी से उर्स की विधिवत धार्मिक रस्में शुरू होंगी। झंडे की रस्म के दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों का हुजूम उमड़ा पड़ा। छह दिवसीय उर्स के दौरान जन्नती दरवाजा आम जायरीन के लिए खोला जाएगा।

अंजुमन सैयदजादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने बताया कि बताया कि सदियों पहले संदेश देने का कोई साधन नहीं हुआ करता था, उस समय झंडे चढ़ाकर संदेश दिया जाता था। उर्स में झंडा चढ़ाने की परम्परा अफगानिस्तान के बादशाह ने शुरू की थी, इसके बाद गौरी परिवार नियमित रूप से झंडे की रस्म निभाता चला आ रहा है। भीलवाड़ा से आए गौरी परिवार के फखरुद्दीन गौरी और सैयद मारूफ अहमद की सदारत में शनिवार शाम को असर की नमाज के बाद दरगाह गेस्ट हाउस से झंडे का जुलूस रवाना हुआ। जुलूस के आगे ढोल ताशे और कव्वाली गाते हुए शाही कव्वाल चल रहे थे। जुलूस में खादिम समुदाय के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। जुलूस में बैंड–बाजे सूफियाना कलाम की मधुर धुनें बजाते चले। जुलूस दरगाह के गेस्ट से शुरू हुआ, जो लंगरखाना गली, नला बाजार होता हुआ दरगाह के निजाम गेट में पहुंचा। झंडे को चूमने और छूने के लिए अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़े पीर की पहाड़ी से तोप चलाई गई। तोपों की आवाज के साथ और शाहजहांनी गेट की छत पर शादियाने बजने के साथ बुलंद दरवाजे पहुंचने पर गौरी परिवार द्वारा परंपरा के अनुरूप झंडे को फहराया। इस दौरान फातिहा ख्वानी हुई।

बड़े पीर की पहाड़ी से तोप चलाई गई। तोपों की आवाज संग जुलूस आगे बढ़ा। शाहजहांनी गेट की छत पर शादियाने बजाए गए। झंडे की रस्म के साथ उर्स की औपचारिक शुरुआत हो गई। अब अकीदतमंद की आवक धीरे–धीरे बढ़ेगी। रजब का चांद दिखाई देने पर 2 व 3 जनवरी से उर्स की विधिवत शुरू होगा। इसके साथ ही दरगाह में अकीदतमंद की संख्या बढ़ती चली जाएगी। उर्स के दौरान विभिन्न रसूमात और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पहली बार दरगाह के विभिन्न भवनों की छतें खाली नजर आई। जिला प्रशासन और पुलिस ने अकीदतमंद को छतों पर नहीं चढ़ने दिया। भवनों की छतों पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

जिला कलेक्टर लोकबंधु, एसपी वंदिता राणा सहित कई प्रशासनिक और पुलिस अफसर मौजूद रहे। ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में बुलंद दरवाजे पर झंडा चढ़ाने की रस्म के साथ ही खिदमत का वक्त भी बदल गया। खादिम अफशन चिश्ती ने बताया कि उर्स के दौरान गरीब नवाज के आस्ताना–ए–आलिया और जन्नती दरवाजा खोलने व बंद करने सहित व्यवस्थाएं में बदलाव किया जाता है, इसके तहत 25 जमादि उस्सानी यानी सुबह से 5 रजब तक खिदमत का वक्त मगरिब की नमाज के बाद होगा।

खादिम कुतुबुद्दीन सकी ने बताया कि 31 दिसंबर को दरगाह में ख्वाजा गरीब नवाज की मजार से सालाना संदल उतारा जाएगा। खादिम चिश्ती ने बताया कि दिल्ली के महरौली से चल कर अजमेर आने वाले कलंदर 1 जनवरी को ख्वाजा साहब की दरगाह पर छड़ी का जुलूस लेकर पहुचेंगे। कलंदर द्वारा हैरतअंगेज कारनामे दिखाएंगे, उर्स में यह पहली रस्म होगी जो कलंदर की ओर से छड़ी पेश करके निभाई जाएगी।

ख्वाजा साहब की दरगाह के बुलंद दरवाजे पर गौरी परिवार ने उर्स का झंडा चढ़ाने की रस्म अदा की।

# सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा जिला मुख्यालयों पर शुरू

## सर्दी के चलते स्वेटर-शूज की इजाजत, सघन जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सीनियर टीचर (संस्कृत शिक्षा विभाग) की भर्ती परीक्षा शनिवार से जिला मुख्यालयों पर शुरू हुई। आयोग ने प्रदेश में शीतलहर और सर्दी के मद्देनजर अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर स्वेटर और शूज पहनने की इजाजत दी है। परीक्षा सेंटर पर एक घंटे पहले तक सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

आयोग के सचिव ने बताया कि अजमेर के 75 केंद्र सहित प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर 1400 परीक्षा केंद्रों पर 31 दिसंबर तक विषयवार परीक्षा आयोजित होगी। छह विषयों के कुल 347 पदों के लिए परीक्षा में 4 लाख 70 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शनिवार को पहली पारी में 52.27 फीसदी उपस्थिति रही। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 1 लाख 74 हजार 577 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए, जिनमें से 91 हजार 255 ने उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि 83 हजार 322 अनुपस्थित रहे परीक्षा का कुल प्रतिशत 52.27 प्रतिशत रही। इसी प्रकार अजमेर में पंजीकृत 10 हजार 795, उपस्थित 4 हजार 766, अनुपस्थित 6 हजार 28 प्रतिशत 44.15 रहा।

आयोग के सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर पहचान के लिए दस्तावेजों की संघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। साथ अभ्यर्थियों से मूल आधार कार्ड रंगीन प्रिंट अनिवार्य था, यदि आधार कार्ड पर फोटो पुरानी या अस्पष्ट है, तो अन्य मूल फोटो युक्त पहचान पत्र जैसे वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस जिसमें रंगीन और नई फोटो हो साथ आवश्यक लेकर आए। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। आयोग ने अभ्यर्थियों से सभी दिशा निर्देशों का पालन करने के निर्देश जारी किए हैं।

## राशिफल रविवार 29 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 11:22 तक, गंड योग रात्रि 9:41 तक, विष्टि करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:22 से धनु राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य–धनु, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–मकर, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 11:22 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:47 तक है। आज मास शिवरात्रि है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 8:36 से 9:54 तक, लाभ–अमृत 9:54 से 12:29 तक, शुभ 1:46 से 3:04 तक।

**राहूकाल:** 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:38

**मेष**
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

**वृष**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

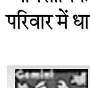

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

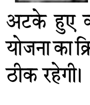

**कर्क**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

**कन्या**
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

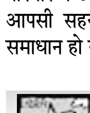

**तुला**
व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

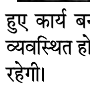

**वृश्चिक**
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

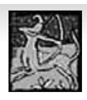

**धनु**
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

**मकर**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

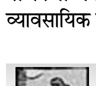

**कुंभ**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

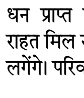

**मीन**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सार-समाचार

## कार्यकारिणी का स्वागत

**हिण्डौन सिटी, (निसं)।** सदभावना फाउंडेशन के बैनर तले आज शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा रकमा प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद,हिंडौन बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर जाटव व उपाध्यक्ष दिलीप मावई का नागरिक अभिनंदन किया गया।सद्भावना फाउंडेशन के संयोजक व पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने बताया कि आज 28 दिसंबर शनिवार को दोपहर 2 बजे तिरुपति नगर स्थित आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में राजस्थान अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन (रकमा) के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर अतीक अहमद, हिंडौन अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर सिंह जाटव व उपाध्यक्ष एडवोकेट दिलीप मोबाइल का शहर की संभ्रांत नागरिकों ने माला और साफा पहनकर स्वागत सत्कार किया। रकमा के प्रदेश अध्यक्ष करौली जिले के मूल निवासी अतीक अहमद ने कहा कि जिले के लोगों द्वारा सम्मान किया जाने से आत्मीय खुशी महसूस होती है। अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर सिंह ने उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंदों को न्याय दिलाने का तथा वकीलों के हितों के लिए हर संभव प्रयास करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। उपाध्यक्ष एडवोकेट दिलीप मावई ने युवाओं को वकालत के क्षेत्र में अवसर तलाशने का आवाहन किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, जाट समाज चौबीस के अध्यक्ष विष्णु डागुर, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षा विद पूरणमल जाटव, प्रमुख व्यवसाय नरेंद्र चतुर्वेदी, शिक्षाविद वीर सिंह बेनीवाल, वरिष्ठ पत्रकार दीनदयाल सारस्वत, जमीयत उलेमा ए हिंद के तहसील सदर हाफिज बाबुद्दीन, रिटायर्ड मैनेजर जमनालाल शर्मा, रामचरण ख़ुर्सटपुरा रहे, जिन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी और अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर प्रयास करते रहने का आव्हान किया। अतिथियों का आयोजन कमेटी की ओर से स्वागत सम्मान किया गया।

## संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति का गठन

**करौली, (निसं)।** मेडिकल कि भर्तियों को लेकर प्रदेश में संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति का गठन किया गया है।पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर में संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से करौली निवासी गिरीश शर्मा को अध्यक्ष चुना गया। संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति राजस्थान के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरीश शर्मा ने बताया कि नई नर्सिंग और पैरामेडिकल भर्ती निकलवाने एवं भर्ती को मेरिट और बोनस अंक के आधार पर करवाने की मांग को लेकर प्रदेश में संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति का गठन किया है। पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर में हुए प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में विभिन्न कैडर और यूनियन के पदाधिकारी शामिल हुए। गिरीश ने बताया कि राजस्थान में नर्सिंग और पैरामेडिकल कर्मचारी नर्सिंग ऑफिसर, एएनएम,फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, लैब सहायक, रेडियोग्राफर जो कि विभिन्न माध्यमों से संविदा पर कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं। इन कर्मचारियों द्वारा नई सीधी नियमित भर्ती करवाने एवं भर्ती को मेरिट और बोनस अंक से करवाने कि मांग को लेकर प्रदेश स्तरीय अधिवेशन का आयोजन हुआ जिसमें संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति का गठन किया गया।

## सेवा से सीखे कार्यक्रम का आयोजन

**करौली, (निसं)।** माइ भारत युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार ने देश के सभी जिलों मे अस्पतालों मे युवाओ को सीखने का अवसर देने के लिए सेवा से सीखे कार्यक्रम की शुरुआत की है। कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओ को 30 दिन के लिए अस्पताल प्रशासन के साथ मिलकर आमजनों व मरीजों को बेहतर इलाज प्रदान करने के लिए सेवा करने का अवसर मिलेगा 30 दिन का कार्यकाल पूरा करने वाले युवा स्वयंसेवकों को माइ भारत का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। करौली जिले मे जिला अस्पताल हिंडौन ने 26 जनवरी 2025 से अनुभव से सीखे कार्यक्रम के लिए 15 से 29 वर्ष के युवाओ के आवेदन मांगे है। कार्यक्रम का अंत 25 जनवरी 2026 को होगा और आवेदन करने कि अंतिम तिथि 27 दिसम्बर 2025 रखी है। जिला युवा अधिकारी शरद त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से युवाओ को अंतरराष्ट्रीय स्तर उत्तम मापदंडों वालों अवसर अपने जिले मे ही प्राप्त हो रहे है। समाजसेवा स्वास्थ्य एवं राजनीति मे रुचि रखने वाले युवा बढ़चढकर रुचि ले रहे है इच्छुक युवा अपनी सुविधानुशार बेवसाईट पर जाकर आवेदन कर सकते है।

## दो स्मैक तस्कर गिरफ्तार

**करौली, (निसं)।** लांगरा थाना पुलिस ने स्मैक आउट ऑपरेशन के तहत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किए गए नशे के सौदागरों से पूछताछ के आधार पर गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से स्मैक की खरीद फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी बासुदेव बसवाल ने बताया कि स्मैक आउट ऑपरेशन के लिए बनाई गई टीम ने महेश सिंह मीणा 25 निवासी चोर खिड़कियां बाहर करौली और उसको स्मैक कि सप्लाई देने वाले तस्कर सीताराम मीणा 24 पुत्र रामदेव मीणा निवासी सीतापुर थाना पचेवर तहसील मालपुरा टोंक को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्मैक तस्कर वॉट्सऐप चैट के माध्यम से खरीद में बिक्री के लिए बातचीत करते थे।महेश मीणा द्वारा स्मैक आने के बाद क्षेत्र में धर्म सिंह माली और अन्य को सप्लाई दी जाती थी। रुपयों का लेन देन खातों में बैंक के बाहर बीसी केंद्र के माध्यम से किया जाता है। आरोपी जयपुर में रहकर स्मैक की सप्लाई करता है। स्मैक तस्करों के तार गंगापुर, हिंडौन,कुड़गांव,जयपुर,कोटा,झालावाड़ के तस्करों से जुड़े हुए हैं। पुलिस आरोपियों से स्मैक की खरीद,बिक्री को लेकर पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पूर्व में पकड़े गए तस्करों से पूछताछ के आधार पर कड़ी से कड़ी जोड़कर गिरफ्तार किया है।

## प्रतिभा सम्मान समारोह आज

**करौली, (निसं)।** राजस्थान नाथ समाज करौली के सहयोग से गोरख सेना सेवा संस्थान करौली के तत्वावधान में संभाग स्तरीय करौली, धौलपुर,गंगापुर सिटी,सवाई माधोपुर, अलवर, दौसा का पांचवां नाथ संप्रदाय योगी, जोगी, जंगम, गिरी, पुरी, स्वामी, गोस्वामी, उपाध्याय का प्रतिभा सम्मान समारोह आज रविवार को राजरानी पैलेस तीन बड़ करौली में होगा। गोरख सेना सेवा संस्थान के संस्थापक योगी ईश्वर सिंह बैंसला एवं राजस्थान नाथ समाज के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार योगी ने बताया कि कार्यक्रम में 10वीं, 12वीं कक्षा, स्नातक, डिग्री, डिप्लोमा में 65प्रति'ात किसी भी क्षेत्र में किसी भी वर्ग में नवनियुक्त,राज्य,राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाथ संप्रदाय के विद्यार्थियों,नौजवान पुरुष-महिला अंक तालिका, नियुक्ति पत्र, खेल जगत संबंधित प्रमाण पत्र प्रार्थी का आधार कार्ड एक नवीनतम फोटो कार्यक्रम में लेकर आए।

## कारण बताओ नोटिस जारी

**करौली, (निसं)।** जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना के द्वारा शुक्रवार को जिला रसद अधिकारी कार्यालय करौली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कार्यरत कुल 8 अधिकारी व कर्मचारियों में से जिला रसद अधिकारी करौली सहित 6 कार्मिक अनुपस्थित पाये गये। अनुपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों को जिला कलेक्टर द्वारा कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। ज्ञात रहे कि जिला रसद अधिकारी कार्यालय करौली कलेक्ट्रेट परिसर मे ही संचालित है।

## लक्षिता पाण्डेय ने जीता कांस्य पदक

**भुसावर/भरतपुर, (निसं)।** यूएई के आबू धाबी इन्डोर स्टेडियम में आयोजित की गई 20वीं वरिष्ठ विश्व पेनकाक सिलाट चैंपियनशिप 2024-25 में लक्षिता पाण्डेय ने कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रौशन किया। उन्होने बताया कि यूएई के आबू धाबी में आयोजित हुई विश्व पेनकाक सिलाट चौंपियनशिप 2024-25 की मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति खेल मंत्रालय के बैनर तले यूएई पेंकाक सिलाट फेडरेशन द्वारा विधिवत रूप से की गई थी। भारत के विभिन्न हिस्सों के 38 एथलीट, 4 अधिकारी शामिल हुए। इसस पूर्व श्रीनगर में चयन परीक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें राजस्थान की एथलीट लक्षिता पाण्डेय को राष्ट्रीय टीम में चुना गया। लक्षिता ने उक्त प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता।

# प्रतियोगिताओं से बच्चों में पैदा होती है स्पर्धा की भावना : आर्य

**भरतपुर (निस)।** विवेकानन्द पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, आर्य समाज रोड, भरतपुर में शनिवार को विवेकानन्द युवा सप्ताह के अन्तर्गत चल रहे "स्पोर्टस मीट 2024-25" के अंतिम दिवस नृत्य एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का शानदार आगाज हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष अनन्तराम आर्य ने की। सर्वप्रथम विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष अनन्तराम आर्य ने स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा के समक्ष द्वीप

■ **नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में मन्नत खण्डेलवाल प्रथम**

विवेकानन्द पब्लिक सीनियर सैकण्डरी विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सरस्वती वन्दना से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज हुआ। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के जूनियर गुरप में नर्सरी व एलकेजी तथा द्वितीय ग्रुप में यूकेजी से द्वितीय कक्षा तथा सीनियर ग्रुप में कक्षा तीसरी व चौथी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। फैन्सी ड्रेस में बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण, शिवजी, हनुमान जी, शेर, भालू, वृक्ष, सब्जी, स्पाइडरमैन आदि की प्रस्तुति दी जो कि अत्यन्त आकर्षक एवं मनोहारी थीं। जोकर व भील ने बच्चों को खूब हंसाया, शिवजी ने बच्चों को वरदान दिया, टीचर ने बच्चों को डांटा, हनुमानजी ने लंका पर चढ़ाई की, सेण्टा क्लॉज ने बच्चों को गिफ्ट बांटे। नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में कक्षा नर्सरी व एलकेजी, द्वितीय ग्रुप में यूकेजी से द्वितीय कक्षा तक एवं तृतीय ठ्ठुप में तीसरी से पाँचवी तक, चतुर्थ ग्रुप में कक्षा छठीं से आठवीं तक तथा पंचम गुरप में नवी से बारहवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों के नृत्य को दर्शकों ने खूब सराहा। नृत्य प्रतियोगिता में बंजारा, कालबेलिया, राजस्थानी, भरतनाट्ययम्, वेस्टर्न, पॉप, फॉक एवं मलयालम आदि गानों पर बच्चों ने बेहद आकर्षक प्रस्तुति दी। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में मन्नत खण्डेलवाल प्रथम, कृष्णदेव शर्मा व आन्या बिंदल द्वितीय, आस्था अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही एवं वैभव अग्रवाल व उदित गर्ग को सांत्वना पुरूस्कार के लिए चुना गया। द्वितीय ग्रुप में दिशिजा व दृश्य दिवाकर प्रथम, नित्या अठावाल व सोम्या द्वितीय तथा प्रियांशी व रूद्र अग्रवाल तृतीय रहे एवं केयांश व खुशी अछरा को सांत्वना पुरूस्कार के लिए चुना गया। तृतीय ग्रुप में धैर्य मित्तल व रिद्धम गोयल प्रथम, अनन्त मित्तल द्वितीय तथा भूमि गुप्ता व ईशिता गर्ग तृतीय रही एवं सांत्वना पुरस्कार के लिए कीर्ति चौधरी व पूर्वी गुर्जर को चुना गया। नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में मन्नत खण्डेलवाल प्रथम, आस्था अग्रवाल व उदित गर्ग द्वितीय तथा कृष्णदेव शर्मा तृतीय रहे तथा सांत्वना पुरूस्कार के लिए कार्तिक खण्डेलवाल को चुना गया। द्वितीय ग्रुप में दिशिजा खण्डेलवाल व खुशी अछरा प्रथम, दृश्य दिवाकर व पूर्वी द्वितीय व नित्या अग्रवाल व दिशा गोयल तृतीय रहे तथा सोम्या को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया।

नृत्य प्रतियोगिता के तृतीय ग्रुप में जान्हवी भारद्वाज व शिफा कुरैशी प्रथम, छवि व इषिता गर्ग द्वितीय तथा नैतिक गोयल व आदित्य शर्मा तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार के लिए प्रयांश खन्ना व शिवाय शर्मा को चुना गया। इसी के अंतिम ग्रुप में मिताली सिंह व मालिया शर्मा प्रथम, हर्षिता खण्डेलवाल व गुंजन महावर द्वितीय तथा तनुष्का चौधरी व तन्वी अग्रवाल तृतीय रहीं एवं उन्नित चौहान को सांत्वना पुरूस्कार के लिए चुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष अनन्तराम आर्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की बाल प्रतिभा आश्चर्यजनक है, साथ ही कहा कि बच्चों ने जिस उत्साह से इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया है एवं जो उन्होंने प्रतिभा दिखलाई है इससे साफ जाहिर होता है कि यदि बच्चों की शुरू से खेलों और कला के प्रति रूचि जागृत करें तो ये बच्चे बड़े होकर इन क्षेत्रों में राष्ट्र का नाम जरूर ऊँचा उठा सकते हैं। इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में स्पर्धा की भावना का जन्म होता है।

# समाज सेवी दामोदर शुक्ला की पुण्यतिथि पर बांटे वस्त्र

भिंडपुरा के विद्यालय में शुक्ला परिवार की ओर से बच्चों को गर्म वस्त्र वितरित किए।

**करौली, (निसं)।** करौली के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भिंडपुरा पाटोरन में समाजसेवी दामोदर शुक्ला कि पुण्यतिथि एक सादा समारोह के तहत मनाई गई।

कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा शुक्ला के द्वारा चलाये गए अभियानों और कार्यक्रमो को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा चलाये गए टोंटी लगाओ अभियान,पॉलीथीन हटाओ अभियान, सघन वृक्षारोपण अभियान, आदि के बारे में लोगों को बताया। एडवोकेट ऊद्यौसिंह ने कहा की करौली मोक्षधाम सेवा समिति के आधार स्तंभ, मदनमोहन कारसेवक संघ,पर्यावरण चेतना समिति आदि को बखूबी आगे बढाने वाले शुक्ला हमारे प्रेरणा स्त्रोत है जिनकी स्मृतियां आज भी हृदय पटल पर अंकित है जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओ में वरिष्ठ पत्रकार एव दामोदर शुक्ला के छोटे भाई कृष्ण गोपाल शुक्ला,पूर्व पार्षद राजेंद्र सारस्वत,विनोद शर्मा मेडिकल,वीरेंद्र शर्मा सिद्धि विनायक,प्रमोद महेरा,महेंद्र सुरोठिया ,पप्पू भुसवारिया, मनोज व्यास, कृपाल मीना,मयंक शुक्ला, बृजेश शुक्ला,अंकुश शुक्ला सहित गांव के पंच पटेल उपस्थित थे। सभी लोगो द्वारा विद्यालय के बच्चों को गर्म वस्त्र एव बिस्कुट व नमकीन के पैकेट वितरित किये गए। सभी के द्वारा दामोदर शुक्ला के चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली प्रदान की। मंच संचालन राजेंद्र सारस्वत द्वारा किया गया। अंत में शुक्ला परिवार द्वारा उपस्थित लोगो का आभार व्यक्त किया।

## पूर्व सांसद पंडित रामकिशन का किया सम्मान

**भरतपुर, (निसं)।** पत्थर की टाल, भरतपुर स्थित, पूर्व सांसद पंडित रामकिशन के निज निवास पर, श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं राजस्थान सरकार द्वारा समाजवादी शताब्दी पुरस्कार से सम्मानित, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद पंडित रामकिशन का माला, दुपट्टा पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा ने बताया कि पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने पूर्वी राजस्थान के पानी की समस्या को लेकर जयपुर में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा ईआरसीपी और पीकेसी के उद्घाटन और घोषणा करने को लेकर राजस्थान की भजनलाल सरकार व केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया है। इस अवसर पर पूर्व सांसद ने कहा कि हम जिस पानी के लिए वर्ष 2007 से लगातार संघर्ष कर रहे थे वह संघर्ष आज जनता के हित में मूर्त रूप लेने जा रहा है जिसका लाभ पूर्वी राजस्थान की जनता को पीने के पानी, सिंचाई एवं खेती के लिए पानी इस समस्या से निजात मिलेगी। ईआरसीपी योजना पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार में प्रारंभ हुई थी जिसको लेकर इसके लिए योजना भी तैयार की गई थी।

# गाय और मां की सेवा से बड़ा पुण्य कार्य और कोई नहीं : गोविंद भैया

**गंगापुर सिटी, (निसं)।**विजय पैलेस में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को भागवताचार्य परम पूज्य गोविंद भैया द्वारा कृष्ण बाल लीलाओं का वर्णन किया। आचार्य द्वारा महा रास लीला की कथा भजनों के माध्यम से दृष्टांत देते हुए कही आचार्य बोले भगवान कृष्ण योगेश्वर हैं। जब इंद्र को यह महसूस हुआ कि मेरे से गलती हुई है तब इंद्र द्वारा भगवान की स्तुति की गई। गाय माता की स्तुति पर भगवान का नाम गोपाल हुआ क्योंकि कृष्ण भगवान सुबह गायों को लेकर जाते और सांझ पडे घर आते।

आचार्य ने कहा की गाय और मां की सेवा से बडा पुण्य कार्य और कोई नहीं गाय से हमें दूध घी मक्खन सब कुछ मिलता है जो अमृत के समान है। आचार्य ने कहा कि गौशालायों को दान देना चाहिए सहायता करनी चाहिए। लेकिन गौशालाओं के भरोसे ही गायों का पालन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में प्रत्येक हिंदू धर्म सनातनी को प्रत्येक घर में एक-एक गाय का पालन अवश्य करना चाहिए। लेकिन आज लोग गाय माता की महता को भूलकर अपने घर में अन्य पशुओं को स्थान देते हैं। आचार्य ने कहा के मंदिर का पैसा कार्यक्रमों का पैसा शादी का पैसा दान का पैसा कई कार्यो में लगाया जा सकता है। लेकिन गोदान का पैसा सिर्फ गाय माता के पालने में ही लगता है। अगर ऐसा नहीं हो तो वह व्यक्ति सबसे बडा पाप का भागी होता है। आज हम लोग जो समार्थवान है वह एक शादी में लाखों रुपए खर्च

पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर व सभापति शिवरतन अग्रवाल का सम्मान करते कथा व्यास गोपाल भैयाजी।

करता है लेकिन उसे शादी समारोह के खर्च के साथ उसे एक प्रतिशत गौ माता के पालन में गौशालाओं को अवश्य दान करना चाहिए। आचार्य ने एकादशी व्रत का बखान करते हुए कहा के प्रत्येक नागरिक को एकादशी का व्रत करना चाहिए जो की विज्ञान के हिसाब से भी स्वास्थ्य वर्धक है। महा रास की कथा में सुखदेव जी द्वारा भगवान के बारे में परीक्षित को बताया कि रासलीला काम वासना नहीं उपासना का प्रतीक थी। भगवान से जो लगन लगाता है उसकी वह परीक्षा अवश्य लेते हैं। महा रासलीला में भगवान ने जब बंसी बजाई तो गोपियों सब काम छोडकर दौडी दौडी चली आई तब भगवान ने कहा कि आपका कुछ छूट तो नहीं गया तो गोपियों ने कहा कि भगवान आप में मन लगाने के बाद हमारे पीछे कुछ भी नहीं छूटा। भजनों के माध्यम से रासलीला का वृतांत सुनाया तो दर्शक भाव विभोर हो उठे। भगवान कृष्ण द्वारा कंस वध का वृतांत सुनाया। कंस का वध किया और किस प्रकार अपने हाथों से माता-पिता की वेडिया खोली विस्तार से समझाया। रुक्मणी विवाह में रुक्मणी ने भगवान को पत्र भेज कर कहा कि भगवान में ने आपका वरण कर लिया है। तब भगवान रथ लेकर रुक्मणी जी को मंदिर से द्वारका ले आए जहां विवाह संपन्न हुआ। इस मौके पर संजीव कृष्ण और रुक्मणी की झांकी सजाकर वरमाला कार्यक्रम हुआ बधाइयां गाई। कृष्ण रुक्मणी का विवाह धूमधाम से मनाया। दर्शकों से खचाखच भरे पंडाल में श्रद्धालुओं भगवान के दर्शन किए और कृष्ण रुक्मणी विवाह में जमकर दान दहेज दिया। भगवान की आरती उतारी इससे पूर्व कथा के मध्य आचार्य द्वारा मीडिया कर्मियों का स्वागत कर आशीर्वाद प्रदान किया। पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, राधा कृष्ण मंडल, कर्मचारी विकास परिषद, आदि गोयल परिवार के रिश्तेदारों ने आचार्य महाराज का स्वागत व सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया कथा आयोजक मोतीलाल गोयल पीलोदा द्वारा सभी का शाल उडाकर सम्मान किया।

सार-समाचार

## म्यूजिकल चेयर में पलक प्रथम

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** क्लब-91 की ओर से रावत गार्डन में स्थापना दिवस व नववर्ष मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वन्दना से हुई। कार्यक्रम के शुरु में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। म्यूजिकल चेयर में दीपा गुप्ता, उमेश कुमार गुप्ता, सुनील भण्डारी ने संयोजक की भूमिका निभाई। म्यूजिकल चेयर में पलक ने प्रथम व आयुषि ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिलाओं में म्यूजिकल चेयर में स्वाति शर्मा व लक्ष्मी गुप्ता ने बाजी मारी। इसके बाद राउण्डर बल्ला गेम हुआ, जिसमें अशोक मंगल व रमेश चन्द गर्ग ने तथा कपल गेम में डॉ. अनिल टोडवाल व स्मिता टोडवाल ने संयोजक की भूमिका निभाई। कैटवॉक संयोजक रेखा गर्ग, स्वाति शर्मा के सयोजन में महिलाओं ने शानदार कैटवॉक किया। विनोद खण्डेलवाल व पूजा खण्डेलवाल, डॉ. मुकेश गर्ग व रेखा गर्ग, मयंक शर्मा व स्वाति शर्मा, अशोक सोनी व डिम्पल सोनी ने कपल डांस कर खूब तालियां बटोरी। नन्दिनी सोनी, डॉ. मुकेश गर्ग, नरेन्द्र गुप्ता, पूजा खण्डेलवाल व विनोद खण्डेलवाल ने कविता पाठ किया। क्लब सदस्य वासुदेव बंसल, वीरेन्द्र आर्य, संजय गुप्ता, देवेन्द्र सिंघल, शिवकुमार, मुकेश लेक्चरर, गोविन्द प्रसाद गुप्ता, मुकेश मेडी, भूपेश गर्ग, मुकेश गुप्ता, दिनेश डांस, अनुराग जिन्दल, धीरज वशिष्ठ आदि सदस्यों ने भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी। मंच संचालन डॉ. मुकेश गर्ग, नरेन्द्र गुप्ता व पवन गुप्ता ने किया। क्लब कोर्डिनेटर डॉ. अनिल टोडवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष दिनेश चन्द गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्लब सदस्य डॉ. दिनेश चन्द गुप्ता को डाक्टरेट की उपाधि मिलने पर फूलमाला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रमेश भोड, सतीश चन्द गुप्ता, राजेन्द्र खादी, विजेन्द्र धाकड, ताराचन्द गुप्ता, दिलीप हलवाई आदि सदस्य मौजूद थे।

## वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा शुरू

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2024 संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से गंगापुर सिटी सहित जिले में बनाए गए 22 केन्द्रों पर शनिवार से शुरू हो गई। परीक्षा में कुल 6 हजार 432 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। पांच सेंटर सरकारी और 17 निजी स्कूलों में बनाए गए हैं। राजस्थान लोक सेवा आयोग की वर्ष 2024 की वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा शनिवार को दो पारियों में शुरू हुई। पहली पारी में सुबह 9.30 बजे से शुरू हुई। इसके बाद दूसरी पारी 2.30 बजे से शुरू हुई। परीक्षा देने के लिए परीक्षार्थी निर्धारित समय से काफी समय पहले ही पहुंचना शुरू हो गए। एक घंटे पहले तो परीक्षा केन्द्र के अंदर प्रवेश दिया गया। केन्द्र पर परीक्षार्थी को कडे सुरक्षा के बीच और पूरी जांच के बाद अंदर प्रवेश दिया गया। परीक्षा केन्द्र पर पुलिस के जवानों के द्वारा पहले मेटल डिटेक्टर से परीक्षार्थी कीजांच की गई। दूसरे अन्य जवानों ने भी बारिकी से जांच कर आगे जाने दिया। महिला परीक्षार्थियों की महिला पुलिस के द्वारा जांच की गई। यहां तक की परीक्षार्थी द्वारा पहने गए ऊनी कपडों को खुलवा दिया और जांच करने के बाद फिर अंदर जाने दिया। इसके अलावा परीक्षा के मूल आधार कार्ड, प्रवेश पत्र देकर ही प्रवेश दिया गया। वहीं, केन्द्र पर वीडियोग्राफी की गई। उडन दस्ते में शामिल उपखंड अधिकारी बिजेन्द्र कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी केन्द्रों पर जांच करने के लिए पहुंचे और परीक्षा का जायजा लिया। साथ ही परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता से करवाने के लिए सख्त निर्देश दिए।

## कुशालगढ़ महोत्सव को लेकर की चर्चा

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** गंगापुर सिटी की मंगलम होटल में कुशालगढ क्लब द्वारा आगामी कुशालगढ महोत्सव 2025 को लेकर बैठक का आयोजन किया साथ की नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता क्लब वरिष्ठ सदस्य राधामोहन अग्रवाल द्वारा की गई। क्लब के चेयर मैन लक्ष्मी कांत शर्मा ने 2024 में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। क्लब द्वारा गंगापुर सिटी ओर हिंडौन सिटी उपजिला कारागृह में लगभग 250 कैदियों को नशा मुक्ति ओर अपराध मुक्ति की शपथ दिलवाई गई। साथ की वृक्षारोपण,मेडिकल कैंप सहित कई सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका हैं। आगामी 2०25 के कुशाल गढ महोत्सव पर होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। क्लब के संरक्षक कैलाश चंद गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य गुलशन नागी द्वारा कुशालगढ महोत्सव पर नारी शक्ति के सम्मान का प्रस्ताव रखा। सभी सदस्यों ने अपनी सहमति जाहिर की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। क्लब के नवीन सदस्य समाज सेवी महेश पट्टीवाले ने क्लब का तम मन धन से सहयोग करने के लिए कहा। इस अवसर पर कुशाल गढ क्लब के लिए मंदिर परिसर में एक कमरे की मांग सदस्यों ने रखी। विचार भी किया। एक ऑफिस का हक तो क्लब सदस्यों का बनता है। क्यों कि 2०18 से क्लब सदस्य गढ पर झंडारोहन कर रहे हैं । जो कि लगातार जारी हैं। सभी के हस्ताक्षर का एक पत्र श्री श्याम कमेटी के पदाधिकारी यो को देने की सहमति बनी। 15 मार्च भजन संध्या में प्रसादी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी ली। इसी क्रम में जाकिर हुसैन ने 15 मार्च को भजन संध्या के दिन इतिहास का बोर्ड स्थाई बनवाने की जिम्मेदारी ली। क्लब के सभी सदस्यों ने उनका अभिनंदन किया। अंत में बैठक अध्यक्ष राधामोहन अग्रवाल ने मीटिंग समाप्ति की घोषणा की। इस अवसर पर कुशालगढ क्लब चेयर मैन लक्ष्मी कांत शर्मा, वरिष्ठ सदस्य राधामोहन अग्रवाल, गुलशन नागी, संरक्षक कैलाश चंद गुप्ता, मीडिया प्रभारी पुरूषोतम प्रजापत, विरेंद्र जंगम, सलाहकार नितिन गर्ग, सुदीप चांदना, विवेक खंडेलवाल, राहुल शर्मा, सतीश चंद गुप्ता, राकेश योगी, महेश चंद पट्टीवाले, गजानंद प्रजापत, कपिल शर्मा, अनिल कुमार गुर्जर, जाकिर कुरैश, बसंत कुमार, महेंद्र कुमार, निर्मल कुमार, ओम प्रकाश सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

## गंगापुर सिटी जिले को किया रद्द

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** भजनलाल सरकार ने गहलोत राज में बने 17 नए जिलों में से गंगापुर सिटी सहित 9 जिलों और 3 संभागों (पाली, सीकर, बांसवाडा) को खत्म कर दिया है। शनिवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया है। इससे शहर के लोगों को फिर 82 किमी दूर सवाई माधोपुर जिले में काम के लिए जाना पडेगा। इसके साथ ही लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने गंगापुर सिटी जिले की मान्यता दी थी, लेकिन शनिवार को कैबिनेट की बैठक में इसे खत्म कर दिया गया। इसके बाद से स्थानीय लोगों ने जिले के रद्द होने को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। गंगापुर सिटी जिले को कांग्रेस सरकार ने मंजूरी दी थी, लेकिन सरकार बदलने के बाद भाजपा सरकार ने नए जिलों के गठन के लिए एक कमेटी का गठन किया था। इसके बाद से जिले के रद्द होने की संभावना जताई जा रही थी। इसी बीच भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने एक कार्यक्रम में सांचौर सहित अन्य जिलों को रद्द करने का बयान दिया था। इसके बाद पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अनशन किया था। नए जिले में 5 उपखंड, 7 तहसील, आबादी करीब 12 लाख। गंगापुर जिले में पांच उपखंड और सात तहसीलों को शामिल किया गया था। नए गंगापुर जिले की अब कुल आबादी लगभग 12 लाख थी। मतदाताओं की संख्या देखी जाए तो करीब 8.25 लाख मतदाता थे।

## पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को दी श्रद्धांजलि

**नदबई, (निसं)।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर ब्लॉक कांठोस कमेटी नदबई ने शोक सभा का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष हर स्वरुप शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शोक सभा में मनमोहन सिंह को दी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौक़े पर डॉ मनमोहन सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की देश को मनरेगा, भारत अमेरिका परमाणु समझौता, सूचना का अधिकार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, शिक्षा का अधिकार, आधार कार्ड, भूमि अधिठाहण और वन अधिकार कानून आदि कई महत्वपूर्ण अनेको कानून जो देश के गरीब वर्ग के लिए मील का पत्थर साबित हुए एंव विश्व की डूबती हुई अर्थव्यवस्था के बीच देश की आर्थिक नीति को संभाले रखने के लिए सराहना की। साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष हरस्वरूप शर्मा ने कहा कि मनमोहन सिंह ने जब देश की बागडोर प्रधानमंत्री के रूप में संभाली तो, देश बहुत ही विकट परिस्थितियों से गुजर रहा था। लेकिन उन्होंने अपनी संजीदगी और काबिलियत का परिणाम देते हुए देश को आर्थिक संकट से निकला। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस पार्टी को गहरा आघात पहुंचा है जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। इसके साथ ही देश विदेश के प्रिय नेता थे जिन्होंने अपने चेहरे पर शिकन लिये बिना देश के तमाम मुद्दों एवं चुनौतियां का सफलतापूर्वक सामना किया। जिसके लिए देश उन्हें चिरकाल तक स्मरण रखेगा। इस मौके पर शहरकांग्रेस अध्यक्ष अनुभव शर्मा, युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष प्रभाव चौधरी, पूर्व पार्षद मदन लाल बहरिया, डॉ केपी सिंह, दिलीप बहरामदा रवि वर्मा मनोहर लाल लवानिया राम प्रसाद सैनी समय सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मैथनॉल कैमिकल से भरा टैंकर पलटा

## कैमिकल के रिसाव से अफरा-तफरी मची, पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूले

- गुजरात के कांडला से भिवाड़ी जा रहा था टैंकर, मानपुरा माचेड़ी के सेवड़ माता मंदिर के पास हादसा हुआ
- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाईवे के यातायात को सर्विसलेंन पर डायवर्ट किया, रेंग-रेंग कर चले वाहन
- जिला कलेक्टर सहित प्रशासन के अधिकारी पहुंचे, दमकलों से पानी डालकर क्रेन से टैंकर को सीधा किया

**मानपुरा माचेड़ी, (निसं)।** दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचेड़ी के सेवड़ माता मंदिर के पास शनिवार को गुजरात से भिवाड़ी जा रहा ज्वलनशील मैथनॉल कैमिकल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना पर मौके पर दमकल की गाड़ियां व बड़ी क्रेन मशीनें पहुंची। बाद में दमकल से पानी डालते हुए क्रेन की सहायता से टैंकर को सीधा किया गया। इस दौरान हाइवे के यातायात को सर्विस लेन पर डायवर्ट किया गया, लेकिन वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे व कई बार जाम की स्थिति नजर आई। मौके पर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे।

जानकारी के अनुसार गुजरात के कांडला से मैथनॉल कैमिकल भरकर एक टैंकर भिवाड़ी के लिए जा रहा था कि दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचेड़ी के पास सेवड़ माता मंदिर के पास टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना मिलते ही चंदवाजी पुलिस मौके पर पहुंची। टैंकर से कैमिकल का रिसाव हो रहा था। यह देखकर पुलिस के हाथ-पांव फूल गए व हाइवे पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पुलिस ने आनन-फानन में हाइवे के यातयात को सर्विसलेंन पर डायवर्ट कर दिया। बाद में मौके पर क्रेन व दमकल की गाड़ियां पहुंची। दमकल से टैंकर पर पानी डाला गया व सड़क पर बिखरे केमिकल पर भी पानी डाला गया। मौके पर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी, आमेर तहसीलदार सौरभ गुर्जर, जमवारामगढ़ सीओ प्रदीप, गिरदावर पवन बुनकर, पटवारी मोहन मीणा सहित दौलतपुरा, मनोहरपुर थाना प्रभारी सहित पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। टैंकर पर पानी डालते हुए टैंकर को हाइड्रो क्रेन से सीधा किया गया। टैंकर चालक मोतीराम निवासी बाड़मेर मौके से फरार हो गया। टैंकर को सीधा कर सर्विसलेन पर एक तरफ खड़ा कर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं एहतियात के तौर पर टैंकर के पास दमकल की गाड़ियां भी खड़ी की गई व यातायात को हाइवे पर सुचारू किया गया।

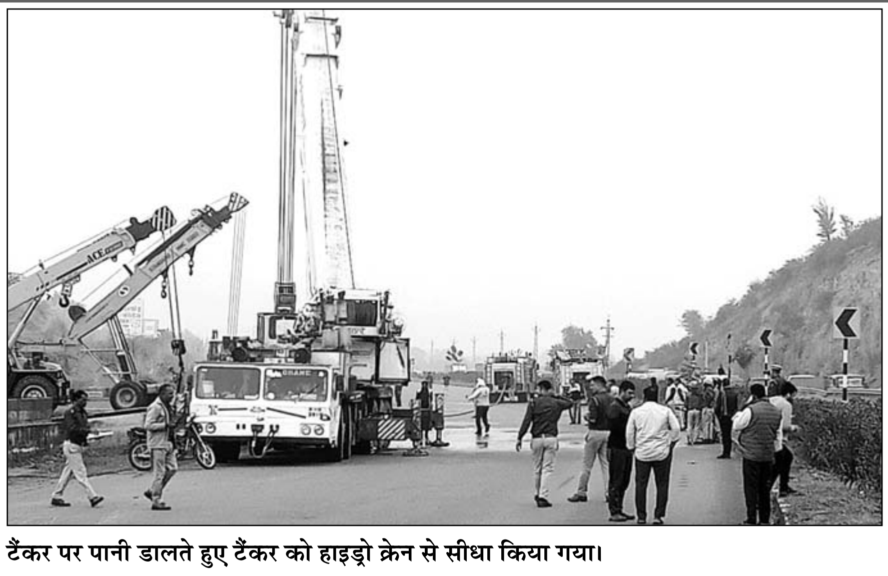

टैंकर पर पानी डालते हुए टैंकर को हाइड्रो क्रेन से सीधा किया गया।

# देसूरी नाल में 40 फीट खाई में ट्रक गिरा, चालक की मौत

- सुरक्षा के लिए लगी रेलिंग टूटी, चालक ने छलांग लगाई, बाल-बाल बचा

**राजसमंद, (निसं)।** देसूरी नाल में शुक्रवार आधी रात बेकाबू ट्रक पंजाब मोड़ से 200 मीटर पहले 40 फीट गहरी खाई में पलट गया। दुर्घटना में चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि खलासी घायल हो गया। सूचना के बाद चारभुजा थाने से पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। चालक को रात को ही रेस्क्यू कर निकाल लिया, जबकि शनिवार सुबह मिनी ट्रक को निकाला गया।

चारभुजा थाना प्रभारी गोवर्धनसिंह ने बताया कि देसूरी नाल में रात करीब साढ़े बारह बजे राजसमंद से पाली की तरफ जा रहा मिनी ट्रक देसूरी नाल में पंजाब मोड़ के पास बेकाबू हो गया। मिनी ट्रक में खाद भरा हुआ था, जो अनियंत्रित होकर पंजाब मोड़ से करीब 40 फीट गहरी खाई में पलट गया। सुरक्षा के लिए लगी लोहे के रेलिंग भी टूट गई, मगर उसी वक्त चालक ने छलांग लगा दी, जिससे वह भी घायल हो गया, मगर उसकी जान बच गई। दुर्घटना में मिनी ट्रक चालक वार्ड 1, हिम्मतनगर, जिला बीकानेर निवासी जगदीशप्रसाद (40) पुत्र लाभुराम प्रजापत की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दासुन, नोखा जिला बीकानेर निवासी खलासी प्रेम (22) पुत्र नारायण ढोली घायल हो गया। हादसे के बाद अन्य वाहन चालकों की सूचना पर चारभुजा थाने से पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल खलासी को तत्काल चारभुजा अस्पताल पहुंचा दिया, जबकि चालक ने दम तोड़ दिया। वहीं मृतक का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। शनिवार सुबह बीकानेर से मृतक के परिजन पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

राजसमंद में देसूरी नाल में पंजाब मोड़ पर मिनी ट्रक खाई में गिर गया।

# नकबजन गैंग का खुलासा, चार चोर व एक खरीददार गिरफ्तार

- बदमाशों से पुलिस ने चांदी के चार बिस्किट व 13 सिक्के बरामद किए
- आरोपी बंद हवेलियों में से गहने व बर्तन चुराकर बेचने से मिले रुपयों से नशा करते थे

**जोधपुर, (कासं)।** सूनी हवेलियों में रात्रि में नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का फलोदी पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए चार शातिर चोर व एक खरीदार को गिरफ्तार किया है। बदमाशों से पुलिस ने चांदी के चार बिस्किट व 13 सिक्के बरामद किए हैं। आरोपी बंद हवेलियों में से गहने व बर्तन चुराकर उसके बेचने से मिले रुपयों से नशा करते थे।

फलोदी पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि जिला स्पेशल टीम फलोदी व थाना फलोदी ने बंद हवेली में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा कर चार शातिर चोर कमलकिशोर माली, अरूण वैष्णव, अशोक जैन, बजरंग कुमावत व चुराई गई चांदी के खरीददार विजय कुमार सोनी को गिरफ्तार किया है। एसपी पूजा अवाना ने बताया कि परिवादी फलोदी निवासी राकेश जैन ने रिपोर्ट पेश की थी कि भैरुलाल महाराष्ट्र रहते हैं, उनकी बंद पड़ी हवेली में अज्ञात चोरों ने नकबजनी की वारदात की है, जिस पर मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश प्रारम्भ की गई। कस्बा फलोदी व आसपास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ती चोरियों की वारदातों को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण व वृताधिकारी फलोदी अचलसिंह देवड़ा के निर्देशन में सीआई रामेश्वर दयाल मय जाब्ता मुखबिर आसूचना व तकनीकी डाटाबेस संकलित कर चार संदिग्ध व्यक्तियों को दस्तयाब कर पूछताछ की।

दस्तयाबशुदा अशोक जैन, कमलकिशोर, अरूण कुमार, बजरंग द्वारा प्रकरण की वारदात करना स्वीकार किया गया, जिस पर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराए गए 148 ग्राम के चांदी के 13 सिक्के बरामद किए गए। पूछताछ अनुसार आरोपियों द्वारा हवेली में से चुराई गई चांदी फलोदी निवासी विजय कुमार सोनी को बेचना बताया, जिस पर आरोपी विजय कुमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 983 ग्राम वजनी चांदी के चार बिस्किट बरामद किए गए।

# दस हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

- फाइनेंस कंपनियों द्वारा फाइनेंस किए गए वाहनों को खुर्द-बुर्द करने में माहिर है आरोपी
- आरोपी कुख्यात गैंग 0029 का सदस्य है

**जोधपुर, (कासं)।** फलोदी पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपए के एक इनामी अपराधी हबीब खां को गिरफ्तार किया है। हबीब खां कुख्यात गैंग-0029 का सक्रिय सदस्य है और अप्रैल 2023 से फरार चल रहा था। हबीब खां फाइनेंस कंपनियों द्वारा फाइनेंस किए गए वाहनों को खुर्द-बुर्द करने में माहिर है। उसके खिलाफ इस मामले में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज थी।

एसपी पूजा अवाना ने बताया कि हबीब खां के खिलाफ थाना देचू में तीन मामले दर्ज हैं। पहला मामला एसके फाइनेंस बालेसर द्वारा फाइनेंस किए गए ट्रैक्टर की किश्तें न भरने और उसे खुर्द-बुर्द करने का है। वहीं दूसरा और तीसरा मामला फाइनेंस किए गए ट्रैक्टर को खरीदने के बाद किश्तें नहीं भरकर आगे बेच देने का है। इन मामलों के तहत हबीब खां पर दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एएसपी ब्रजराज सिंह चारण और वृताधिकारी संग्राम सिंह भाटी के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने हबीब खां को फलोदी कस्बे से गिरफ्तार किया। आरोपी को देचू थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। हबीब खां 2018 से लगातार अपराधों में लिप्त रहा है। उसके खिलाफ लोहावट, चाखू, फलोदी, देचू, औसियां और बागोड़ा (जालोर) सहित विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट, हत्या का प्रयास, अपहरण, आर्म्स एक्ट, चोरी, नकबजनी और धोखाधड़ी शामिल है।

# बाइक की टक्कर से युवक की मौत

**डूंगरपुर, (निसं)।** वरदा थाना क्षेत्र में एक युवक की बाइक की टक्कर से मौत का मामला सामने आया है। आंतरी के पास गोलआम्बा बस स्टैंड से थैयाता पुल पर युवक को बाइक ने रात के समय टक्कर मार दी, जिससे गंभीर घायल युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक के परिवारजनों के मेहमान जाने के कारण 24 घंटे बाद सूचना मिली। इसके कारण मृतक के पोस्टमार्टम की कार्रवाई आज शुरू हुई।

वरदा थाना क्षेत्र थैयाता फला रंगोता निवासी रामलाल पुत्र हलिया रोत ने पुलिस को रिपोर्ट देते हुए बताया कि 26 दिसंबर की शाम को उसका पुत्र बंसतलाल रोत (22) डूंगरपुर से रोडवेज बस में बैठकर अपने घर आ रहा था। बस से उसने गोलआम्बा बस स्टैंड पर उतरा। इसके बाद पैदल-पैदल थैयाता पुल से होते हुए रंगौतफला आ रहा था। तभी आतरी की तरफ से एक मोटरसाइकिल तेज गति से आते हुए बसंत को जोर से टक्कर मार दी, जिससे बसंत नीचे गिरकर गंभीर घायल हो गया। घटना स्थल पर लोग एकत्रित हुए, जहां पर उसे 108 एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वरदा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

# जन्मदिन के दिन ही शहीद हुआ जवान हरिकृष्ण

**हनुमानगढ़, (निसं)।** जम्मू कश्मीर के लेह में ड्यूटी के दौरान हनुमानगढ़ के पल्लू तहसील के हमीरदेसर गांव का जवान शहीद हो गया। शहीद जवान हरिकृष्ण का 25वां जन्मदिन था। जवान 12 दिन पहले ही घर से छुट्टी पूरी कर अपनी ड्यूटी पर लेह पहुंचा था। सैनिक का पार्थिव देह गांव पहुंचने पर पूरे गांव में मातम छा गया। जवान हरिकृष्ण 6 साल से जाट रेजीमेंट में तैनात थे। जवान ने कल ही अपनी उम्र के 25 वर्ष पूरे किए थे। जवान हरिकृष्ण अविवाहित थे। आज उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सेना के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने शहीद के पार्थिव देह पर फूल चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान भारत माता की जय और शहीद हरिकृष्ण अमर रहे के नारों से गूंज उठा।

शहीद जवान हरिकृष्ण के चचेरे भाई अनिल खीचड़ ने बताया कि जवान के पिता बुधराम किसान हैं, जिन्होंने खेती करके बेटे को पढ़ाया और देश सेवा में भेजा। शहीद की मां गुड्डी देवी ग्रहणी है। बड़ी बहन सुनीता विवाहिता है, जो अपने ससुराल में रहती है। एक बड़ा भाई ओमप्रकाश खेती करता है और अपने पिता का हाथ बंटाता है। चचेरे भाई अनिल खीचड़ ने बताया कि हरिकृष्ण साल 2018 में भर्ती हुए थे। अब तक जवान ने लेह के अलावा सियाचिन में भी अपनी ड्यूटी निभाई है। खीचड़ ने बताया कि भाई हरिकृष्ण पिछले कुछ समय से ड्यूटी के दौरान ही बीमार हो गए थे, जिसके बाद से बीमार चल रहे थे। 27 दिसंबर को उसके शहीद होने की दुखद सूचना प्राप्त हुई।

चचेरे भाई अनिल ने बताया कि लेह में ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने के चलते भाई हरिकृष्ण को भारतीय सेना ने एयरलिफ्ट के जरिए चंडीगढ़ अस्पताल में रखा और फिर दिल्ली भी इलाज के लिए लेकर गए, लेकिन हमारा भाई बच न सका और शहीद हो गया। अनिल ने कहा कि जिले और इलाके के लिए गौरव और शौर्य का पल है, लेकिन एक भाई खोया है, इसका हमें दुख भी है। साथी सैनिक मुकेश ने बताया कि हरिकृष्ण जाट रेजिमेंट में सैनिक थे। जिसकी सर्विस 6 साल 12 दिन की थी। मुकेश ने बताया कि अच्छे एथलीट के रूप में हरिकृष्ण की रेजिमेंट में पहचान थी, जो क्रॉस कंट्री गेम में पार्टिसिपेट करते थे। हरी कृष्ण बटालियन में सबके लाडले थे। जन्मदिन के दिन हमने साथी खो दिया। जो सबसे बड़े दुख की बात है।

# कोहरे का असर : सड़क पर खड़ी पिकअप से टकराई बस

- हादसे के कारण बस में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया
- पिकअप के परखच्चे उड़ गए, बस में बैठी सवारियों को चोट नहीं लगी

**जोधपुर, (कासं)।** निकटवर्ती स्टेट हाईवे-67 कल्याणपुर के पास ढाणी सांखला गांव में रोड पर शनिवार सुबह खड़ी पिकअप से बस टकरा गई। बस जोधपुर से सिवाना की तरफ जा रही थी। हादसे के कारण बस में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसे में पिकअप के परखच्चे उड़ गए। गनीमत यह रही कि बस में बैठी सवारियों को चोट नहीं लगी। सूचना मिलने पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे का कारण घना कोहरा बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि स्टेट हाईवे-67 पर बालोतरा से सब्जी से भरी पिकअप जा रही थी। तब उसका डीजल खत्म हो गया। ड्राइवर पिकअप को वहीं हाईवे के किनारे खड़ी कर डीजल लेने के लिए चला गया। वहीं जोधपुर से सिवाना की तरफ जा रही बस चालक को धुंध की वजह से पिकअप नजर नहीं आई। बस एक तरफ से पिकअप से टकरा गई। इससे पिकअप गाड़ी पलट गई। गनीमत यह रही कि पिकअप गाड़ी में कोई नहीं था। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पिकअप में रखी सारी सब्जियां सड़क पर बिखर गई। हादसे में बस में सवार एक यात्री कल्याणपुर निवासी देमाराम घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। बस में सवार अन्य पैसेंजर को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

# बीकानेर जेल से फरार बंदी नौ साल बाद गिरफ्तार

## हरियाणा में साधु बनकर फरारी काट रहा था आरोपी

**बीकानेर, (निसं)।** कार लूट और हत्या करने के मामले बीकानेर सेंट्रल जेल से फरार आरोपी को बीकानेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी करीब नौ साल पहले जेल से भागा था। पुलिस ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

बीकानेर पुलिस की टीम ने सतनाली (हरियाणा) जिला भिवाणी में प्रभातनाथ आश्रम से अभियुक्त राजेश कुमार जाट को गिरफ्तार किया है। 55 साल का राजेश मूल रूप से भिवानी हरियाणा का रहने वाला था। ये इस आश्रम में साधु सज्जननाथ बनकर फरारी काट रहा था। उसे एसटीएफ सतनाली हरियाणा के सहयोग से बीकानेर पुलिस ने धर दबोचा है। बीकानेर पुलिस को इनपुट मिला था कि राजेश अब हरियाणा में साधु बनकर फरारी काट रहा है। साल 2005 में मण्डावर के पास माग गुर्जर नामक युवक की हत्या कर उसकी कार लूटकर ले गया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ। उसे गिरफ्तार कर आरोप पत्र थाना किशनगढ़ बास अलवर ने पेश किया था।

एडीजे फास्ट ट्रेक नं.01 जयपुर से उसे आजीवन कारावास की सजा मिली, जिसके बाद केन्द्रीय कारागृह बीकानेर में सजा काट रहा था। केन्द्रीय कारागृह बीकानेर से पैरोल पर वर्ष 2015 में रिहा हुआ। तय तारीख पर वो वापस जेल नहीं पहुंचा। इस पर पैरोल से फरार होने का मामला यहां बीछवाल थाने में दर्ज कराया गया। बीकानेर सेंट्रल जेल अधीक्षक के निर्देशन में उसकी तलाश बीछवाल पुलिस ने की लेकिन वो नहीं मिला।

फरारी में नहीं मिलने पर आरोपी राजेश कुमार के विरुद्ध धारा 299 दंड प्रक्रिया संहिता में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया था। अब वापस उसके बारे में पुलिस को इनपुट मिला कि वो हरियाणा के किसी आश्रम में साधु बनकर रह रहा है। इस पर बीकानेर पुलिस ने हरियाणा पुलिस से सहयोग लेकर उसे गिरफ्तार कर लिया।


राजस्थान सरकार का उपक्रम

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

नव वर्ष पर करें नए उद्यम की शुरुआत रीको के साथ

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

| कुल भूखण्ड | औद्योगिक भूखण्ड | व्यावसायिक भूखण्ड | आवासीय | अस्पताल (1), दुकानें (62), होटल (2), वे-ब्रिज (1) एवं कियोस्क (2) |
|---|---|---|---|---|
| 326 | 231 | 10 | 17 | 68 |

| ईएमडी | ऑनलाईन बिड |
|---|---|
| प्रारम्भ तिथि : 30 दिसम्बर, 2024 (प्रातः 10:00 बजे) | प्रारम्भ तिथि : 14 जनवरी, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) |
| अंतिम तिथि : 13 जनवरी, 2025 (सायं 06:00 बजे) | अंतिम तिथि : 16 जनवरी, 2025 (सायं 05:00 बजे) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 25 अजमेर | 04 बालोतरा | 07 बांसवाड़ा | 09 भरतपुर | 11 भीलवाड़ा |
| 11 भिवाड़ी-I | 13 भिवाड़ी-II | 04 बीकानेर | 05 बोरानाड़ा | 03 आबूरोड़ |
| 16 जयपुर (उत्तर) | 10 जयपुर (ग्रामीण) | 10 जयपुर (दक्षिण) | 02 ईपीआईपी सीतापुरा (जयपुर) | 05 झालावाड़ |
| 05 जोधपुर | 16 उदयपुर | 28 किशनगढ़ | 09 मण्डोर | 01 नीमराना |
| 17 राजसमंद | 21 सवाईमाधोपुर | 03 सीकर | 28 श्रीगंगानगर | 08 घिलोठ |

08 चूरू | 01 दौसा | 11 पाली | 05 नागौर | 06 अलवर | 05 जालोर | 04 झुन्झुनू | 15 कोटा

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान या टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ*

*T&C Apply

सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें

राज.संवाद/सी/24/9650

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें www.riico.co.in


# बुजुर्ग का अपहरण करने वाले सात आरोपी गिरफ्तार

- एक आरोपी पीड़ित का पड़ौसी और रिश्तेदार ही निकला
- छह आरोपियों को बापर्दा रखा, 50 लाख की फिरौती मांगी थी

**अजमेर, (कासं)।** जिले के रूपनगढ़ थाना क्षेत्र में गत दिनों एक बुजुर्ग का अपहरण करने वाले सात आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को मामले का खुलासा एसपी वंदिता राणा ने किया। मामले में छह अपहरणकर्ताओं को बापर्दा रखा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल वाहन भी जब्त किया है। आरोपियों ने 50 लाख की फिरौती की मांग की थी, पकड़े गए आरोपियों में मुख्य आरोपी रिश्तेदार ही है।

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि जिले के रूपनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पालड़ी भोपतान निवासी भंवरलाल जाट ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि 16 दिसंबर शाम जब वह अपनी कार से रूपनगढ़ घर जा रहा था, तभी रास्ते में घात लगाकर बैठे अपहरणकर्ताओं ने उसकी कार को रुकवाया और अपहरण कर लिया। उन्होंने आंखों पर पट्टी बांधकर उसे अज्ञात स्थान पर ले गए और 50 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। पीड़ित ने अपहरणकर्ताओं को बताया कि वह गरीब है और उसके पास इतनी रकम नहीं है, तो उन्होंने 10 लाख रुपए की मांग कर दी। इस पर पीड़ित ने कहा कि उसके पास एक लाख रुपए ही हैं, जिसे लाने के लिए उन्होंने अपने पुत्र को फोन किया।

**पुलिस की भनक लगते हुए फरार :-** एसपी राणा ने बताया कि घटना की सूचना बुजुर्ग के पुत्र ने पुलिस को दी। आरोपियों को पुलिस की भनक लगने पर भंवरलाल और उसकी कार को ग्राम मरवा से हबसपुरा जाने वाली सड़क पर जंगल में छोड़कर फरार हो गए। जाते-जाते आरोपी कार की सीट के नीचे रखे एक लाख 55 हजार रुपए और डेस्कबोर्ड में रखे कार के कागजात भी ले लिए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी राणा ने पुलिस टीम का गठन किया। टीम ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले और संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल निकालकर विश्लेषण किया। पुलिस ने राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में वारदात में शामिल सभी आरोपियों को डिटेन किया और उनसे गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना कबूल लिया।

**रिश्तेदार ही मुख्य आरोपी :-** पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि एक आरोपी हेमराज पीड़ित का पड़ौसी और रिश्तेदार ही है, जिसने इस योजना को बनाया था। हेमराज के साथ गिरफ्तार शेष मुल्जिमों को बापर्दा रखा गया है।

पुलिस ने बुजुर्ग का अपहरण करने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार कर छह को बापर्दा रखा।

# समान पात्रता परीक्षा स्कोर की वैधता अब तीन वर्ष तक रहेगी

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ युवाओं के हित, प्रदेश में सुशासन और समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण फैसले किए गए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के नियम 14 की अनुसूची-1 में संशोधन, राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिक वर्गीय सेवा (समान पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में सीईटी स्कोर की वैधता 3 वर्ष करने, पशुधन सहायक को पदोन्नति का तीसरा अवसर उपलब्ध करवाने एवं इस संवर्ग के पदनामों में परिवर्तन के लिए सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी।**

गोदारा ने बताया कि कार्मिकों के हित को ध्यान में रखते हुए मिनिमम एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन (एमएसीपी) के तहत देय वित्तीय उन्नयन में राजस्थान सिविल सेवा (सी.सी.ए.) नियम, 1958 के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाहियों में अधिरोपित परिनिंदा के दण्ड के प्रभाव को समाप्त करने का अनुमोदन किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परिनिन्दा से दण्डित कार्मिक को 9, 18 एवं 27 वर्ष की नियमित सेवा पर देय वित्तीय उन्नयन का लाभ एमएसीपी की निर्धारित तिथि के एक वर्ष बाद मिल पाता है।

उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमण्डल ने कार्मिकों को होने वाले आर्थिक नुकसान को ध्यान में रखते हुए परिनिंदा के दण्ड के एमएएसपी पर प्रभाव को समाप्त करने के लिए राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के नियम 14 की अनुसूची-1 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे पहले राज्य सरकार द्वारा सीसीए नियमों के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाहियों में अधिरोपित परिनिंदा के दण्ड का पदोन्नित पर प्रभाव भी समाप्त किया जा चुका है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिक वर्गीय सेवा (समान पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में सीईटी स्कोर की वैधता अब 1 वर्ष के बजाय 3 वर्ष के लिए रहेगी। इसके लिए नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि सीईटी स्कोर की वैधता एक वर्ष होने के कारण हर साल होने वाली अगली सीईटी परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ती चली जा रही थी। अत्यधिक संख्या में आवेदन आने पर बोर्ड को वित्तीय भार और कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसलिए सीईटी स्कोर की वैधता अवधि 3 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है, जिससे अभ्यर्थियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

गोदारा ने बताया कि राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्य एवं अधीनस्थ सेवा नियम, 2001 के अंतर्गत आने वाले छात्रावास अधीक्षक (पुरुष) ग्रेड-2 एवं छात्रावास अधीक्षक (महिला) ग्रेड-2 को समान पात्रता परीक्षा की अनुसूची-1 (स्नातक स्तर) में शामिल किया जा रहा है। इस संशोधन के फलस्वरूप जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के पद सीईटी में शामिल किए जा सकेंगे, जिससे परीक्षार्थियों को अधिक पदों पर चयन का अवसर प्राप्त होगा।

- **पशुधन सहायक के पदनामों में परिवर्तन के साथ पदोन्नति का मार्ग हुआ प्रशस्त**

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि राजस्थान पशुपालन अधीनस्थ सेवा नियम, 1977 के तकनीकी संवर्ग में पशुधन सहायक को पदोन्नित का तीसरा अवसर उपलब्ध करवाने और इस संवर्ग के पदनामों में परिवर्तन के लिए सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इस संशोधन के अनुसार तीसरी पदोन्नति का अवसर देने के लिए मुख्य पशुधन प्रसार अधिकारी का नवीन पद सृजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पशुधन सहायक का पदनाम अब पशुधन निरीक्षक, पशुचिकित्सा सहायक का पदनाम पशुधन प्रसार अधिकारी, सहायक सूचना अधिकारी का पदनाम वरिष्ठ पशुधन प्रसार अधिकारी किया जाएगा। इससे इस संवर्ग के कर्मचारियों के आत्मसम्मान एवं कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

गोदारा ने बताया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दानदाता के सम्मान व अन्य दानदाताओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से चुरू के राजकीय महाविद्यालय सिद्धमुख का नामकरण 'श्रीमती शकुन्तला देवी राजकीय महाविद्यालय, सिद्धमुख करने की स्वीकृति प्रदान की।

# सरकार के निर्णय के खिलाफ कांग्रेस करेगी आंदोलन

- **जिले और संभाग खत्म करने का कांग्रेस ने किया विरोध**
- **डोटासरा और जूली बोले, ''सड़क से सदन तक घेरेंगे सरकार को''**

**जयपुर, (का.प्र.)।** भजनलाल सरकार के पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय बनाए गए नये जिलों में से 9 जिलों को निरस्त करने के साथ ही तीनों नए संभागों को समाप्त करने के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार को सड़क से सदन तक घेरने की रणनीति तैयार की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस निर्णय को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। डोटासरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान राजस्थान सरकार ने यह फैसला लिया, जो अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ, मनमोहन सिंह को भारत सरकार ने 7 दिन के राजकीय शोक के तहत श्रद्धांजलि दी, जबकि दूसरी ओर राजस्थान सरकार ने यह जनविरोधी निर्णय लिया, जो किसी के भी विचार से परे है।

डोटासरा ने कहा कि गहलोत सरकार के दौरान जिन जिलों और संभागों का गठन किया गया था, वह एक रिटायर्ड अधिकारी की अध्यक्षता में बनी कमेटी की सिफारिशों के बाद किए गए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने मात्र 12 महीनों में यह पहला निर्णय लिया, जो पूरी तरह से जनता विरोधी है। कांग्रेस ने इस निर्णय के खिलाफ आंदोलन करने की घोषणा की है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने जनगणना के समय और कोर्ट में किसी भी जनहित याचिका को चुनौती देने से बचने के लिए जल्दबाजी में यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस फैसले को इस तरह लिया, जिससे कोई कोर्ट में जनहित याचिका न दाखिल कर सके। इस फैसले से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने क्षेत्र का जिला बचाने में सफल रहे। वहीं डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के जिले को समाप्त कर दिया गया है, जिस पर डोटासरा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अब प्रेमचंद बैरवा जनता के बीच क्या मुंह लेकर जाएंगे, जबकि मुख्यमंत्री ने अपने क्षेत्र के जिलों को बचा लिया। कांग्रेस ने घोषणा की है कि 1 जनवरी से प्रदेशभर में इस निर्णय के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी भाजपा सरकार के फैसले पर कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि कांग्रेस ने जिलों का गठन सही तरीके से नहीं किया, तो भाजपा को और जिलों का गठन करना चाहिए था। जूली ने यह भी कहा कि कुछ छोटे राज्यों में राजस्थान से अधिक जिले हैं। राजस्थान सरकार का यह निर्णय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने 1 जनवरी से पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है और विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाने का संकेत दिया है।

**बादल छाने से सर्दी बढ़ने पर कनकपुरा डिपो के पास उमराव गार्डन में तिब्बतियों द्वारा लगी गर्म कपड़ों की दुकानों पर भीड़ नजर आई।**

# कैबिनेट फैसलों के बाद विपक्षी नेता दे रहे हैं बचकाना और बेतुके बयान : अविनाश गहलोत

- **'आजादी के बाद 67 साल में 7 नए जिले, गहलोत ने चुनावी साल के आखिर में राजनीतिक लाभ के लिए बनाए 17 जिले'**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का फोकस घोषणाओं के क्रियान्वयन पर, पहले ही साल में 50 फीसदी वादों को किया पूरा : सुमित गोदारा**

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद विपक्ष की ओर से की गई अनर्गल बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत और सुमित गोदारा ने विपक्ष के बयान को बचकाना और बेतुका बताया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार ने कभी सोचा तक नहीं कि आजादी के 67 साल में केवल 7 नए जिले बनाए गए, जबकि इन्होंने राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के चलते चुनावी साल के अंतिम 6 माह में 17 नए जिले और 3 संभाग बनाने की घोषणा कर दी। कांग्रेसी नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए आनन-फानन में उठाए गए फैसले से यह स्पष्ट हो गया था कि उनकी सोच एक थी कि ''हम तो डूबेंगे ही सनम, तुम्हें भी डुबाएंगे''।

अविनाश गहलोत ने कहा कि सरकार के निर्णयों पर प्रतिक्रिया नेता प्रतिपक्ष को देनी चाहिए थी, लेकिन डोटासरा ने यहां भी अतिक्रमण करते हुए पहले प्रेसवार्ता की। डोटासरा, जूली और गहलोत विपक्ष की भूमिका में रहते हुए भी बेतुके बयानबाजी दे रहे हैं, उन्हें भाजपा सरकार के फैसलों का स्वागत करना चाहिए था। मंत्री गहलोत ने डोटासरा से सवाल किया कि वे सर्वदलीय बैठक करने के लिए बोल रहे थे, लेकिन क्या उन्होंने 17 नए जिले बनाते समय बैठक की थी। प्रदेश में विपक्ष के पास अब धरने, प्रदर्शन के अलावा कुछ नहीं बचा। कांग्रेसी नेताओं के पास धरने-प्रदर्शन करने के लिए भी कोई विषय नहीं बचा, ऐसे में वो इस तरह के बचकाने बयान जारी कर रहे हैं। विपक्ष के नेताओं की उम्र हो रही है, ऐसे में वो राजनीति में जिंदा रहने के लिए इस तरह के बयानबाजी कर रहे हैं। अब कांग्रेस विपक्ष में ही रहने वाली है।

गोदारा ने डोटासरा के बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के पहले ही साल में भाजपा संकल्प पत्र के 50 फीसदी से अधिक वादों को पूरा करने का ऐतिहासिक कार्य किया है, ऐसे में विपक्ष सरकार के कार्यों को देखकर बौखला गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों की आय बढ़ाने का कार्य किया, एमएसपी बढाई, उज्जवला रसोई गैस के दाम 450 रुपए किए, बिजली के क्षेत्र में दूर दराज तक जीएसएस बनाए जा रहे हैं, सड़कों का कार्य किया जा रहा है, शिक्षा-चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में भाजपा सरकार कार्य कर रही है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का माइक्रो मॉनिटरिंग की बदौलत संभव हो पा रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा का फोकस घोषणाओं के क्रियान्वयन पर है। ऐसे में यह ही कहा जा सकता है कि गतिशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रगतिशील राजस्थान के लिए कार्य कर रहे है।

सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार का उद्देश्य प्रदेश की 8 करोड़ जनता को लाभ पहुंचाना है। इस दिशा में लगातार जनहितैषी कार्य किए जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान बनाया जाएगा। गोदारा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की मंशा जनता के हित में नहीं थी, अगर जनता के हितों को ध्यान में रखकर जिले बनाए जाते तो गहलोत 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे है, उन्होंने 14 साल तक जिलों के बारे में चर्चा तक नहीं की और जब सरकार जाने वाली थी, उस दौर में चुनाव से कुछ माह पूर्व बिना किसी योजना के 17 नए जिले बना दिए। प्रदेश की जनता है सब जानती है और सब समझती है, जनता ने कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में आइना दिखा दिया। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का फैसला राजनीतिक स्वार्थ था, जबकि भजनलाल सरकार का फैसला जनहितार्थ है।

## दुष्कर्मी फलाहारी को भेजा ओपन जेल

**जयपुर।** आश्रम में शिष्या से दुष्कर्म करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे प्रपन्नाचार्य उर्फ फलाहारी को हाईकोर्ट की ओर से अवमानना के नोटिस जारी करने के बाद ओपन जेल में भेजा गया है।

फलाहारी के वकील विश्राम प्रजापति ने बताया कि याचिकाकर्ता को अलवर के एडीजे कोर्ट ने सितंबर, 2018 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। करीब साल सात की सजा काटने पर उसकी ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर उसे ओपन जेल में शिफ्ट करने की गुहार की गई, लेकिन ओपन जेल सलाहकार कमेटी ने गत 14 फरवरी को उसका प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। इस पर उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कमेटी के आदेश को चुनौती दी गई। जिसे स्वीकार करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार को आदेश दिए कि अभियुक्त याचिकाकर्ता को ओपन जेल में शिफ्ट किया जाए। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने अपने आदेश में कहा था कि ओपन जेल की स्थापना इसलिए हुई है कि कैदी हुनर सीखकर सजा पूरी होने के बाद समाज में स्थापित हो सके। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि अदालती आदेश के बाद भी अधिकारियों से याचिकाकर्ता को ओपन जेल में शिफ्ट नहीं किया।

# बेटी शादी का खर्चा मांगने के लिए सक्षम, मां का प्रार्थना पत्र खारिज

- **शहर की फैमिली कोर्ट-2 ने बालिग बेटी की शादी पर हुए 15 लाख रुपए खर्चे को पिता से दिलवाए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र खारिज किया**

**जयपुर।** शहर की फैमिली कोर्ट-2 ने बालिग बेटी की शादी पर हुए 15 लाख रुपए खर्चे को पिता से दिलवाए जाने के संबंध में मां की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी तसनीम खान ने कहा कि बेटी बालिग है और वह खुद ही अपनी शादी पर हुए खर्चे को पिता से मांगने के लिए सक्षम है। ऐसे में एक मां अपनी बालिग बेटी के भरण-पोषण का खर्चा प्राप्त करने की हकदार नहीं है। वहीं भरण-पोषण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अविवाहित बेटी वयस्कता की उम्र प्राप्त कर लेने के बाद भी विवाह होने तक भरण-पोषण प्राप्त करने की हकदार है। प्रार्थिया की बेटी बालिग है और उसकी शादी भी हो चुकी है। प्रार्थिया ने अपने प्रार्थना पत्र में यह नहीं बताया कि बेटी की शादी पर किस चीज में कितना खर्च हुआ था।

दरअसल प्रार्थिया पत्नी ने कोर्ट में साल 2017 में प्रार्थना पत्र दायर कर कहा था कि उसकी शादी अप्रार्थी से 1991 में हुई थी और इससे उन्हें 1994 में एक बेटी हुई। बेटी उसके पास ही रही और उसने ही 25 नवंबर 2013 को उसकी शादी करवाई। इस शादी का खर्चा पति ने उसे नहीं दिया। ऐसे में उसने दूसरे लोगों से रुपए उधार लेकर बेटी का विवाह किया है। ऐसे में उसे विवाह में खर्च हुए पन्द्रह लाख रुपए दिलाए जाए। मामले में जुडे अधिवक्ता डीएस शेखावत ने बताया कि एक बालिग बेटी अपने पिता से शादी पर हुए खर्चे को मांगने की अधिकारी है। वह चाहती तो शादी से पहले ही कोर्ट में इसके लिए प्रार्थना पत्र दायर कर सकती थी, लेकिन उसकी मां ने शादी के चार साल बाद पति से खर्चा दिलवाने का प्रार्थना पत्र लगाया है, जो खारिज किए जाने योग्य है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि प्रार्थना पत्र लंबित रहने के दौरान मानसिक क्रूरता के आधार पर 2019 में मां का तलाक भी हो गया।

# मूंग की खरीद अवधि को बढ़ाने की मांग

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के किसानों के हित में मूंग के खरीद लक्ष्य को बढ़ाने सहित खरीद अवधि को भी पांच फरवरी तक बढ़ाने के संबंध में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर अनुरोध किया है।

शर्मा ने राज्य में असमय हुई वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मूंग खरीद के लिए गुणवत्ता मापदण्डों में शिथिलता प्रदान करने के लिए भी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को पत्र लिखा है। इससे अधिकाधिक किसानों से मूंग की खरीद सुनिश्चित होने के साथ ही उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी।

# कारोबारी का अपहरण कर बदमाशों ने वसूली 25 लाख रु. फिरौती

- **पीड़ित ने रामनगरिया थाने में आरोपी युवती समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया**

**जयपुर।** राजधानी जयपुर के रामनगरिया इलाके में एक कारोबारी का अपहरण कर 25 लाख रुपए की फिरौती वसूलने का मामला सामने आया है। पीड़ित कारोबारी ने युवती सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

जांच अधिकारी एएसआई सुरेन्द्र मीना ने बताया कि रामनगरिया के जगतपुरा निवासी 44 साल के कारोबारी ने मामला दर्ज करवाया कि करीब 4 महीने पहले उसकी रेशमा (बदला हुआ नाम) से जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान दोस्ती होने पर मिलना-जुलना होने लगा। 23 दिसम्बर को शाम करीब 7 बजे जगतपुरा पुलिया के नीचे दोनों मिले। मिलने आने के बाद वह युवती उसकी कार में बैठ गई। बातचीत करते दोनों आगरा रोड की तरफ निकल गए।

वापस लौटते समय रेशमा ने एक लड़के को कॉल किया। कॉल कर उसके साथ जबरदस्ती करने की बताकर लोकेशन भेज दी। जगतपुरा पुलिया के नीचे आने पर लड़के के आने पर रेशमा उसके साथ चली गई। इसके बाद जगतपुरा स्थित 7 नाइट होटल के सामने वह खरीदारी करने लगा। खरीददारी करने के बाद गाड़ी में बैठते ही तीन लड़के जबरन अंदर घुस गए। दो लड़कों ने उसको पकड़ लिया, तीसरे ने उसके ऊपर पिस्तौल तान दी। पिस्तौल के दम पर किडनैप कर आरोपी उसे बॉम्बे हॉस्पिटल जगतपुरा की तरफ ले गए। रास्ते में हाथ बांधकर गाड़ी में पीछे की तरफ पटक दिया। इसके बाद बदमाश उसे अलवर ले गए और गाड़ी में जमकर मारपीट की। उनमें से एक ने रेशमा से बात कर कहा कि तू थाने में मत जाना। हम इससे बातचीत कर रहे है। झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए मांगे। रुपए की व्यवस्था नहीं होने की कहने पर जमकर पीटा। जान से मारने के लिए उतारु होने पर परिचित-रिश्तेदारों से कैश दिलाने की हामी भर दी।

आरोपियों ने पीड़ित को अलवर में बंधक बनाकर रखा। एक बदमाश जयपुर आकर घर से 15 लाख और परिचित से 10 लाख रुपए लेकर गया। बैंक अकाउंट से 10 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। उसके बाद गाड़ी के पास छोड़कर चले गए। बदमाश जाते समय गाड़ी की चाबी अपने साथ ले गए। दूसरी चाबी मंगवाकर गाड़ी लेकर वापस घर लौटकर मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़ित का मेडिकल करवाया है। उसके पैर-हाथ पर डंडे से पीटने के निशान भी हैं। सिर-आंख पर भी चोट लगी मिली है। इस मामले में कार्रवाई कर फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

# भाजपा सरकार जनहितैषी योजनाओं को दे रही है मूर्तरूप : मदन राठौड़

**भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को भाजपा कार्यालय में आमजन से की मुलाकात कर समस्याएं सुनी।**

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को भाजपा कार्यालय में आमजन के परिवादों को सुना और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं दूसरी ओर कार्यालय में आने वाले आमजन की समस्याओं का भी समाधान किया गया।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार आमजन के कल्याण के लिए योजनाओं को मूर्त रूप देने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जहां युवा, महिला, गरीब और किसान के साथ हर वर्ग और हर समुदाय के लिए जनहितैषी कार्य कर रहे है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सभी विधायकों के साथ संवाद कर उनके क्षेत्र की मुख्य समस्याओं पर भी चर्चा कर रहे है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अच्छी पहल है।

# वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता : देवनानी

- **लिविंग वेद पर संगोष्ठी में बोले विधानसभाध्यक्ष, ''मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में''**

**जयपुर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेदों की शिक्षाओं को सरल भाषा में बताया जाना आज की जरूरत है। देवनानी का कहना था कि हम कितने भी आधुनिक बन जाएं, वेदों की शिक्षाओं की आवश्यकता हमारे जीवन में सदैव बनी रहेगी।

**विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी का शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वागत किया गया।**

देवनानी ने कहा कि वेद प्राचीनतम ग्रंथ हैं लेकिन यह आज भी सामायिक है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरल भाषा में वेदों को समझाना आवश्यक है। देवनानी ने विद्वानों का आव्हान किया कि वे वेदों का सरलीकरण से विवेचन करें ताकि लोगों को वेदों की अनुभूति हो सके और वे समझ सके कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में है। देवनानी का मानना था कि जीवन जीने की शैली वेदों से समझी जा सकती है। देवनानी शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा कि वेद अतीत नहीं वर्तमान है। आमजन को उनकी अनुभूति करने की आवश्यकता है। यह केवल आध्यात्मिक अनुष्ठान ही नहीं है बल्कि चेतना की गहरी परतो तक पहुंचने वाला अथाह ज्ञान है। देवनानी ने कहा कि पारिस्थितिकी संतुलन को वेदों से समझा जा सकता है। वेद राष्ट्रीय जागरण को नई दिशा देते हैं। मानवता का सबसे बड़ा दर्शन भी वेदों में मिलता है। प्रकृति के प्रति सम्मान वेदों से समझा जा सकता है और भारत के नैतिक ढांचे को भी यह आकार प्रदान करते हैं।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक सुदेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। संगोष्ठी को डॉ अजीत सबनीस और डॉ आलोक पांडे ने भी संबोधित किया। वैदिक मंत्र उच्चारण डॉ सुधाकर पांडे ने किया। समारोह में पहुंचने पर देवनानी की केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वाई एस रमेश और अरविंदो सोसाइटी के सूर्य प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय, साक्षी ट्रस्ट और सोसायटी के अधिकारियों ने अगवानी की।

# अलवर में ओले गिरे, सरसों की फसल को 70 प्रतिशत नुकसान

## राजगढ़ में शनिवार सुबह नौ बजे तक भी खेतों में ओलों की परत दिखी

**अलवर,** (निसं)। अलवर जिले में शुक्रवार रात करीब एक बजे के आसपास राजगढ़, रामगढ़, मालाखेड़ा, तिजारा व किशनगढ़बास क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई। राजगढ़ क्षेत्र में तो शनिवार सुबह नौ बजे तक भी खेतों में ओलों की परत मिली। यहां ओलावृष्टि से राजगढ़ के कलेसियान सहित आसपास के क्षेत्र की सरसों की फसल में करीब 70 प्रतिशत तक नुकसान हो गया। कुछ जगहों पर नुकसान कम है। सरसों की तुलना में गेहूं व चने की फसल में नुकसान कम हुआ है।

किसानों ने बताया कि हमारे खेतों में भी ओलावृष्टि से ज्यादा नुकसान है। नवलपुरा राजगढ़ के कलेसियान गांव के किसान महेंद्र ने बताया कि रात करीब एक बजे बारिश के साथ ओले गिरे हैं। ओले करीब 4 से 5 मिनट ही गिरे, लेकिन इतनी देर में पूरी धरती सफेद हो गई। खेतों में अगले दिन शनिवार सुबह भी ओलों की चादर बिछी मिली। यहां पूरी सरसों की फसल चौपट हो गई। असल में सरसों की फसल में फली आना शुरू हो गई थी। ऐसे समय में ओले गिरने से कच्ची फसल पूरी तरह बिखर गई। अब सरसों में दुबारा से ग्रोथ नहीं हो सकेगी, जहां कम ओले गिरे हैं वहां अधिक नुकसान नहीं है।

ओलावृष्टि से सरसों की फसल में नुकसान हो गया।

## मसूदा में बरसात के बाद कोहरा छाया

**मसूदा,** (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में लंबे इंतजार के बाद शनिवार दोपहर सूर्य देव ने दर्शन दिए। धूप निकलने के साथ ही पिछले दो दिनों से बरसात, गलन व ठंडी हवा से ठिठूराए लोगों को काफी राहत मिली।

मसूदा कस्बे के बाजार में दोपहर बाद काफी रौनक देखने को मिली। बरसात से पिछले दो दिनों से लोगों के अटके काम शनिवार को पूरा करते नजर आए। शनिवार सुबह उपखंड क्षेत्र की कोहरे से मुलाकात हुई अल सुबह कोहरा छाया रहा। गुरुवार को शुक्रवार को सूर्य देव के दर्शन नहीं हो रहे थे दोनों दिन बरसात व बादल छाए रहे ऐसे में सर्दी का अहसास ज्यादा रहा दिन भर बरसात के चलते लोग घरों में दुबके रहे। सर्दी से बचाव के लिए लोग अलाव के पास बैठे नजर आए वही मौसम के बदलने से कई तो सर्दी जुखाम, बुखार व सिर दर्द की बीमारी की चपेट में आ गए हैं। चाय पकौड़ी की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही बरसात से खासकर पशुओं को खास परेशानी में देखा गया।

# पशुपालकों के साथ की ठगी करने वाला इनामी आरोपी गिरफ्तार

## आरोपी के खिलाफ दोवडा, आसपुर, साबला, गढी बांसवाड़ा में प्रकरण दर्ज हैं

**डूंगरपुर,** (निसं)। पांच थानों में तीन दर्जन से अधिक पशुपालकों के साथ भैस खरीदने के नाम से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाला 10 हजार का इनामी शातिर को दोवड़ा पुलिस ने रात के समय उसके घर गढी से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ दोवडा, आसपुर, साबला, गढी बांसवाड़ा में अलग-अलग प्रकरण दर्ज है।

दोवडा पुलिस ने भैसों की खरीद-फरोख्त के नाम से पशुपालकों के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले शातिर ठग को गिरफतार करने में सफलता प्राप्त् की है। दोवडा थानाधिकारी मदनलाल खटीक ने बताया कि वर्ष 2023 में खेरमाल गांव के मुकेश पुत्र गौतम पटेल ने पुलिस को रिपोर्ट देते हुए बताया कि उसके गांव के वालेंग देवजी पाटीदार, देवेंद्र दलजी पटेल, घनश्याम दलजी पटेल, अमरजी मानजी पटेल खेड़ा सामोर के रहने वाले हैं। उसके पास शातिर ठग अभियुक्त प्रकाश पुत्र जीतमल लबाना निवासी मोरफला टाडा डूंगरी पुलिस थाना गढी जिला बांसवाड़ा आया। उसने क्षेत्र में पशुपालकों से भैस खरीदने की बात कही। उसने अपनी बातों में उलझाते हुए बताया कि इस क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से पशुपालकों से भैस खरीदकर अच्छी कीमत देता है। इस पर एक दर्जन से अधिक पशुपालकों ने प्रकाश लबाना के लालच में आकर अपने पशुओं को दे दिया। इसके बाद प्रकाश ने पशुपालक को एडवांस के तौर पर छोटी रकम दी। वहीं शेष राशि पद्रह दिन बाद गांव में आकर देने की बात कही।

इस पर पशुपालकों ने अपने पशु उसके वाहन में भर दिए। कुछ दिनों बाद प्रकाश लबाना का मोबाइल बंद मिला। वहीं उसके घर संपर्क करने पर मौके पर नहीं मिला। जिस पर एक दर्जन से अधिक पशुपालकों को घोखाधड़ी की जानकारी हुई। उन्होंने दोवडा पुलिस में शिकायत दर्ज की। इसके बाद दोवडा पुलिस ने उसे गढी पुलिस थाने के टाडा डूंगरी मोरफला में तलाश शुरू की, जहां पर हमेशा प्रकाश लबाना फरार मिला। इसके बाद पुलिस को 27 दिसंबर को अभियुक्त के घर पर रात के समय दबिश देने पर प्रकाश मौके पर मिला, जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर दोवडा थाने लेकर आई। प्रकाश लबाना पर गढी बांसवाड़ा, साबला, आसपुर, दोवडा में दो प्रकरण दर्ज है। इस अभियुक्त के 18 माह से फरार चलने के कारण इस पर 10 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा है।

## करौली में झमाझम बारिश के बाद कोहरा छाया

**करौली,** (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित क्षेत्र में पिछले पांच दिन से बादल छाए रहने के बाद शुक्रवार शाम मावठ का दौर शुरू हुआ, जो रुक-रुक कर आधी रात तक चलता रहा। शनिवार प्रात: से ही क्षेत्र में बादल छाए रहे कुछ स्थानों पर हल्का कोहरा नजर आया। मावठ के कारण किसानों के चेहरे खिल उठे। बादल छाए रहने और ठंडी हवाएं चलने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। क्षेत्र के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है।

बीते 24 घंटे में सर्वाधिक 14 एमएम बारिश सपोटरा में दर्ज हुई है। शनिवार को भी क्षेत्र में शीतलहर का दौर जारी है, जिससे सर्दी का एहसास हो रहा है। ऐसे में कई जगह लोग अलाव जलाकर सर्दी से बचने का जतन करते हुए नजर आए। वहीं लोगों ने सर्दी से बचने के लिए गर्म खाद्य पदार्थों का लुत्फ उठाया। हिंडौन सिटी ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन और कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी एमके नायक ने बताया कि बुधवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री और अधिकतम 21.1 डिग्री, गुरुवार को न्यूनतम 8.2 और अधिकतम 21.3, शुक्रवार को न्यूनतम 13.1 और अधिकतम 23 डिग्री और शनिवार को न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। जिले में औसत न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 19 डिग्री रहने कि संभावना है। क्षेत्र में 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक बीडी शर्मा ने बताया कि बीते 24 घंटे में करौली में 2 एमएम, मासलपुर में 3 एमएम, सपोटरा में 14 एमएम, मंडरायल में 1 एमएम, हिंडौन में 4 एमएम, सूरौठ में 3 एमएम, श्रीमहावीरजी में 2 एमएम, करणपुर में 6 एमएम और कुड़गांव में 10 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

# मावठ से किसानों के चेहरे खिले, ठिठुरन बढ़ी

- मावठ से गेहूं, चना और सरसों की फसल में उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जगी
- सर्दी से बचने के लिए अलाव तापते नजर आए लोग, न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट

**गंगापुर सिटी,** (निसं)। गंगापुर सिटी जिला मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदल गया। इस साल जिले में सीजन की पहली मावठ शुक्रवार को पड़ी। बारिश के बाद ठिठुरन बढ़ गई और तापमान में भी तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। सीजन की पहली मावठ के चलते किसानों के चेहरे खिल गए। दूसरे दिन शनिवार को सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे और सूरज के दर्शन नहीं होने से दिन में ही अंधेरा सा छाया रहा। साथ ही सर्द हवाओं से गलन का एहसास हुआ।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह से दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और सूरज बादलों की ओट में छिपा रहा। शाम करीब साढे छह बजे से बूंदाबांदी शुरू हो गई। रात करीब 10 बजे तक बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। बारिश और सर्द हवाएं चलने से गलन और ठिठुरन बढ़ने लगी। बूंदाबांदी के दौरान आसमान में बिजली कड़कने लगी और बादल भी गरजते रहे। कई जगह लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। बारिश के कारण किसानों के चेहरों पर खुशी दौड़ गई। मावठ होने से किसानों को गेहूं, चना और सरसों की फसल में उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जगी है।

किसानों का कहना है कि मावठ न केवल फसलों के लिए अमृत है, बल्कि इससे किसानों को भी लाभ होगा। शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहने और रात को मावठ के बाद तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 3 डिग्री गिरकर 9 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। इससे लोगों को गलन का अहसास हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार अभी आसमान में बादल छाए हुए हैं। जैसे ही बादल छंटेंगे, गलन और ज्यादा बढ़ेगी। दूसरी ओर मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले तीन दिन तक हल्की बारिश और इसी तरह का मौसम रहने की उम्मीद है।

## सूने मकान में चोरी

**अजमेर।** क्रिश्चयनगंज पुलिस थाना क्षेत्र मे स्थित मान सरोवर कॉलोनी के सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरो ने यहां ऊपरी मंजिल स्थित किराएदार व ग्राउंड फ्लोर पर मकान मालिक के कमरो से जेवरात व नकदी चुरा कर ले गए। मकान के ताले तोड़कर चोरों ने वारदात अंजाम दी। किराएदार व मकान मालिक बाहर गए थे। जब काम करने वाले महिला घर पर आई तो पता चला। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस को शिकायत दी गई है। किराएदार रानू जैन ने बताया कि वह कमल शर्मा के मकान में किराए पर रहती है। वह 22 दिसम्बर को दिल्ली चली गई थी और इसी दिन मकान मालिक अर्चना शर्मा भी बाहर चली गई। जब 23 दिसम्बर को यहां काम करने वाली महिला आई तो चोरी का पता चला।

# शाईन इंडिया के प्रयास से हाड़ौती में तीन नेत्रदान हुए

**कोटा,** (निसं)। शाईन इंडिया फाउंडेशन के जागरूकता अभियान से हाड़ौती संभाग में तीन मृतकों के नेत्रदान संपन्न हुए। शनिवार सुबह भवानीमंडी निवासी एवं संस्था के ज्योति मित्र विवेक जैन की माताजी विमला जैन के आकस्मिक निधन की सूचना डॉ. कुलवंत गौड़ को भवानीमंडी के शहर संयोजक कमलेश दलाल एवं ज्योति मित्र राजेश नाहर से प्राप्त हुई।

सूचना मिलने ही कोटा से 120 किलोमीटर जाकर डॉ. गौड़ ने परिवार के सदस्यों के बीच विमला के नेत्र संकलित किये। इसी क्रम में आनंद विहार बजरंग नगर निवासी सतीश दयानी के पिता वीरूमल दयानी का आकस्मिक निधन हुआ। उनकी अंतिम इच्छा अनुसार माँ पुष्पा दयानी और तीनों बहनों रानी, शोभा, हेमांगी से सहमति लेकर सतीश ने पिता के नेत्रदान का कार्य संपन्न कराया।

नेत्रदान के ठीक उपरांत महावीर नगर प्रथम निवासी जे. एन. खंडेलवाल (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की माता ललिता देवी का आकस्मिक निधन हुआ। 11 वर्ष पहले भाई राजेश के बेटे शिवेश खंडेलवाल का भी नेत्रदान शाइन इंडिया के सहयोग से हुआ था। इसीलिए भाई राजेश और संजय से सहमति लेकर माता का नेत्रदान शहर के निजी अस्पताल में संपन्न हुआ नेत्रदान कि पुनीत कार्य में कुलदीप माथुर और प्रदीप दाधीच का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

# स्थाई लोक अदालत : लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस पर चार हजार का हर्जाना

**जोधपुर,** (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने व्यवस्था दी है कि बीमाधारक द्वारा वाहन चोरी के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराए जाने के आधार पर बीमा कंपनी दावा अदायगी के वास्ते इनकार नहीं कर सकती है। अदालत के अध्यक्ष सुकेश कुमार जैन और सदस्य जेठमल पुरोहित तथा माणकलाल चांडक ने परिवाद मंजूर करते हुए लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस पर चार हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए दो माह में कार की कीमत 9 लाख 68 हजार 50 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज अदा करने के आदेश दिए हैं।

करण धनकानी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद पेश कर कहा कि उनकी बहन दिव्या स्काडा रेपिड कार लेकर एक होटल में प्रदर्शनी में 10 अक्टूबर 2019 को गई थी और वहां के स्टाफ को वैलेट पार्किंग वास्ते चाबी सुपुर्द कर दी लेकिन रात में उन्हें बताया गया कि कार चोरी हो गई है जिसकी प्रथम सूचना रपट भी दर्ज करवा दी गई। बीमा कंपनी ने दावे की अदायगी यह कहते हुए मना कर दी कि बीमाधारी ने मांगने के बावजूद सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराए हैं।

अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि होटल और पुलिस ने उन्हें फुटेज उपलब्ध नहीं कराए और बीमा कंपनी अपने स्तर पर सीसीटीवी फुटेज ले सकती थी, इसके वास्ते प्रार्थी जवाबदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि कार चोरी में किसी को भी संदेह या संशय नहीं था और उनकी कार का पैकेज बीमा होने से बीमा कंपनी नुकसान भरपाई वास्ते जवाबदेह है। होटल की ओर से कहा गया कि कार पार्किंग व्यवस्था प्रदर्शनी आयोजक की थी। बीमा कंपनी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराए बिना वे दावे की अदायगी नहीं कर सकते हैं।

स्थाई लोक अदालत ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि बीमा कंपनी चाहती तो पुलिस से फुटेज ले सकती थी और प्रार्थी कतई सीसीटीवी फुटेज बीमा कंपनी को उपलब्ध कराने वास्ते जवाबदेह नहीं है और चोरी पर किसी को शक नहीं है। उन्होंने बीमा कंपनी पर चार हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए दो माह में दावा राशि 9 लाख 68 हजार 50 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज अदा करने के आदेश दिए।

## धूप खिलने से सर्दी से राहत मिली

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर शहर में शनिवार को दो दिन बाद अच्छी धूप खिली। जिससे सर्दी से कुछ राहत महसूस हुई। सुबह कोहरा भी छंटा हुआ नजर आया। धूप निकलने से सर्दी से मामूली राहत मिली। हालांकि यहां तापमान आज भी बरकरार रहा। इस बीच ठंडी हवाओं का चलना भी जारी रहा।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से शहर में शनिवार को भी ठंडी हवाओं का दौर जारी रहा। हालांकि सूर्यदेव के दर्शन हो गए और धूप खिलने से लोगों ने सर्दी से मामूली राहत महसूस की। इस दौरान लोग धूप सेंकते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार अब धीरे-धीरे मौसम खुलने लगेगा। देश के पश्चिमी हिस्सों से एक पश्चिमी विक्षोभ गुजर रहा है। इसके असर से शहर में पिछले तीन दिनों से बादलों की आवाजाही रही। इसके असर की वजह से अलसुबह शहर में धुंध व कोहरा भी छाया रहता है।

मौसम विभाग की मानें तो शहर में केवल बादलों की आवाजाही है, लेकिन शेष प्रदेश में कई जगह अच्छी बारिश दर्ज हुई। बादलों के साथ नमी आने से शहर में धुंध व कोहरा भी दिखाई दे रहा है। शनिवार को शहर के अधिकतम व न्यूनतम तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं आया। अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार बादल छंटने से पारा लुढ़कने की संभावना है, जिससे जाड़ा तेज हो जाएगा।

## चिड़ावा में 18 एम.एम. बारिश दर्ज

**चिड़ावा,** (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ और हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के चलते बारिश का मौसम अभी भी बना हुआ है।

बादलवाही के बीच रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। देर रात्रि से लेकर अलसुबह तक बारिश होती रही। वहीं आसपास के ग्रामीण इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई है। हालांकि बारिश से किसान निहाल हो गए हैं। इस बारिश से फसलों की जड़ों तक पानी जाने से फसलों की अच्छी ग्रोथ होगी। इधर मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अब सर्दी बढ़ने की संभावना जताई है।

## बुलेट पर पिस्टल लहराते हुए युवक की वीडियो पोस्ट

**अजमेर** (कासं)।आजकल के युवाओं में सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए अजीब हरकते कर रहे है। ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें बुलेट पर सवार 3 युवकों जा रहे है, जिसमें सबसे पीछे बैठे युवक के हाथ में पिस्टल दिखाई दे रही है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए आजकल के युवा कई हरकतें कर रहे हैं, जो उन्हें कानून के शिकंजे में भी फंसा सकती हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो के तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हथियारों के साथ युवक का वीडियो वैशाली नगर स्थित सेवन वंडर्स के आसपास का बताया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि तीन युवक एक बुलेट पर सवार हैं और उनमें से एक के हाथ में पिस्टल है।

इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई और जांच शुरू कर दी गई है। क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो में दिखाई दे रहा हथियार असली है या नकली। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो पाएगा।

**ऐसे हरकतें न करे युवा :-** एसपी वंदिता राणा ने कहा कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है और नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में युवाओं को सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि सोशल मीडिया पर फेमस होने के चक्कर में की गई हरकतें के गंभीर कानूनी परिणामों भी भुगतने पड़ सकते हैं।

# शिल्पग्राम में सुर-ताल थमे, लेकिन मेलार्थियों का उत्साह यथावत

**उदयपुर,** (कासं)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से हवाला शिल्पग्राम में चल रहे शिल्पग्राम उत्सव में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के शोक में सुर-ताल तो थमे हैं, लेकिन मेलार्थियों का उत्साह यथावत है। सर्दी-कोहरा भी इसमें कमी नहीं ला सके हैं। शिल्प बाजार में 26 राज्यों के हस्तशिल्पी महिला-पुरुषों के 400 से अधिक स्टाल उत्सवार्थियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कई उत्पाद यहां पहली बार आए हैं, जो लोगों को खूब लुभा रही है। ऐसे उत्पादों में खासतौर से यूपी के हाथरस की रेजिन-हार्डवुड की मूर्तियों का जिक्र जरूरी है।

- 26 राज्यों के हस्तशिल्पी के 400 से अधिक स्टाल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं

गोवा हट से सटी हुई स्टाल पर हाथरस के सिद्धहस्त दस्तकार भगवान स्वरूप बताते हैं कि वे जो मूर्तियां बनाते हैं, उनमें लकड़ी, पत्थर और रेजिन का उपयोग होता है। एक आठ इंच की मूर्ति बनाने में ढाई से तीन घंटे लगते हैं। वस्त्र संसार में सजी स्टाल पर निर्मल परमार बताते हैं कि उनकी रजाई सहित सभी उत्पादों में हैंडलूम के कपड़े और रुई का प्रयोग होता है। सिंथेटिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होता। जहां माइनस में तापमान हो वहां हमारी रजाइयां और फुल्ट बेडशीट भरपूर गरमाहट देती है। इनमें भी कॉटन लीलन की रजाइयां और भी अधिक गरम होती हैं। हमारे उत्पाद की खास बात यह है कि सभी को वाशिंग मशीन में धो सकते हैं। धोने से इनकी गरमाहट में कमी नहीं आती और ये कम से कम पांच साल तक चलते हैं।

निदेशक फुरकान खान ने बताया कि हालांकि शिल्पग्राम उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बंद हैं, फिर भी शिल्पबाजार और प्रदर्शनियों के प्रति मेलार्थियों का उत्साह यथावत है। शुक्रवार तक उत्सव में लगभग 78 हजार लोग आ चुके हैं। इनमें से शुक्रवार को 13 हजार मेलार्थी आए। मेलार्थियों के उत्साह के चलते शिल्पबाजार के शिल्पकारों का उत्साह बरकरार है।

शिल्पग्राम में शिल्प बाजार और प्रदर्शनियों में शहरवासी उमड़ रहे हैं।

# एनेस्थीसिया की ओवरडोज से दिव्यांग हुआ महेश एम्स में पढ़कर बनेगा डॉक्टर

- 75 प्रतिशत दिव्यांग महेश दीघा का एम्स भोपाल में एमबीबीएस के लिए चयन
- महेश के पैर शरीर का बोझ नहीं उठा सकते, जिंदगी बैसाखी और व्हीलचेयर पर है

**कोटा,** (निसं)। एलन स्टूडेंट महेश कुमार दीगा, जो शारीरिक रूप से दुर्बल है लेकिन मानसिक रूप से इतना मजबूत है कि अपनी मंजिल की ओर लगातार बढ़ रहा है। महेश ऐसा विद्यार्थी है जिसने 75 प्रतिशत शारीरिक दुर्बलता के बावजूद नीट क्रेक करने की चुनौती को स्वीकार किया और जीत हासिल की। वर्ष 2024 नीट के नतीजों में सफल होने के बाद अब एम्स भोपाल से एमबीबीएस करेगा।

महेश के पैर शरीर का बोझ नहीं उठा सकते, जिंदगी बैसाखी और व्हीलचेयर पर है। परिवार कोटा के दीनदयाल नगर निवासी है। पिता रामप्रताप मीणा सरकारी नौकरी में हैं जबकि मां सुनीता गृहिणी हैं। महेश की बड़ी बहिन भी नीट की तैयारी कर रही है, छोटी बहिन अभी स्कूल में है। महेश के पिता दीनदयाल ने बताया कि जन्म से ही उसकी खाने की नली में कुछ विकार था। सर्जरी के अलावा अन्य कोई उपचार नहीं था। जब वो महज 11 महीने का था तो दिल्ली में सर्जरी के लिए कहा गया। हम वहां पहुंचे और सर्जरी हुई। इस दौरान डॉक्टरों ने उसे एनेस्थीसिया का ओवरडोज दे दिया था। उसे मात्र पांच एमएल एनेस्थीसिया दिया जाना था लेकिन डॉक्टरों ने उसे 50 एमएल एनेस्थीसिया दे दिया था। इसके बाद शरीर में नीचे का हिस्सा सुन्न हो गया। जिस समस्या के लिए सर्जरी की गई थी वो तो सही हो गई लेकिन एक नई समस्या हो गई कि पैरों ने शरीर का भार झेलना बंद कर दिया, जिंदगी बैसाखी पर आ गई। ईलाज चला, कोशिश भी खूब हुई, करीब पांच साल तक हाथ में कैनुला लगा रहा। इस दौरान बार-बार यूरीन इंफेक्शन होता रहता था। उस समय जीवन में इतनी दौड़ भाग हुई जो भुलाए नहीं भूल सकते।

महेश ने बताया कि बैसाखी के सहारे ही उसने स्कूलिंग पूरी की। उसने 12वीं कक्षा 76 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। जबकि पीसीबी में उसने 86 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके बाद उसने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में एडमिशन लिया। पूरे साल वो बैसाखी के सहारे ही कोचिंग आता और पढ़ाई करता रहा। पहले अटैम्प्ट नीट 2023 में मार्क्स नहीं आने से मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं मिला लेकिन, महेश ने हिम्मत नहीं हारी। दोगुने जोश व उत्साह के साथ फिर तैयारी प्रारंभ की और नीट 2024 की परीक्षा को क्रेक कर दिखाया। उसने पीडब्ल्यूडी कैटेगिरी में 715 रैंक हासिल की है। महेश ने बताया कि डॉक्टर बनने का सपना देखा था जोकि एलन के सहयोग से साकार होने जा रहा है। अब एमबीबीएस पूरी करने के बाद मैं उन लोगों की मदद करना चाहता हूं जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं। एमबीबीएस के बाद स्पेशलाइजेशन के बारे में फिलहाल कुछ सोचा नहीं है।

एलन कोचिंग के निदेशक डॉ.नवीन माहेश्वरी का कहना है अभाव और विपरीत हालातों में स्वयं को साबित करने वाले ये विद्यार्थी ही दूसरे विद्यार्थियों के लिए असली प्रेरणा हैं। ये सिखाता है कि परिस्थितियां कुछ भी हो हमें आगे बढ़ने की सोचनी है। लगातार अपने लक्ष्य को लेकर मेहनत करनी है। महेश को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

कोटा का दिव्यांग महेश का एम्स में पढ़ ाई के लिए चयन हुआ है।

**सुमित** नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जनवरी-फरवरी में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए इस्लामाबाद जाने से भी इनकार कर दिया था। **- सुमित नागल**

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने फिर राष्ट्रीय टीम में खेलने से किया इनकार।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## सुनील गावस्कर

**भारतीय** टीम के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर सुनील गावस्कर ने मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन ऋषभ पंत के ख़राब शॉट चयन की कड़ी आलोचना की है। पंत आज सुबह खेल के पहले सत्र में स्कॉट बोलैंड की गेंद को स्कूप करने के प्रयास में कैच आउट हो गए थे। पंत 37 गेंदों में 28 रन बनाकर अच्छी लय में दिख रहे थे और जडेजा के साथ उन्होने दिन के खेल की शुरुआत सधे ढंग से की थी । जैसे ही पंत आउट हुए, गावस्कर ने कहा बेवकूफ़ी, बेवकूफ़ी, बेवकूफ़ी। इसके बाद उन्होंने कहा, आपके पास वहां दो फ़ील्डर हैं, और फिर भी आप वही शॉट खेलते हैं।

**क्या आप जानते हैं ?...** टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

## मैग्नस कार्लसन ड्रेस कोड का उल्लंघन करने पर विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। पांच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद पहले जुर्माना लगाया गया और बाद में उन्हें विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर कर दिया गया। गत चैम्पियन कार्लसन पर जींस पहनने के कारण 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया।टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैम्पियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया। फिडे ने एक बयान में कहा कि ड्रेस कोड के नियम खिलाड़ियों को भली भांति बता दिये गए थे। महानतम शतरंज खिलाड़ियों में शुमार कार्लसन ने अगले दिन ड्रेस कोड का पालन करने पर रजामंदी जताई लेकिन कहा कि वह तुरंत नहीं बदलेंगे। पिछले दो बार के चैम्पियन कार्लसन ने इस घटनाक्रम पर कहा ,'' मैं ऐसी किसी जगह पर रहना चाहूंगा जहां मौसम बेहतर हो।' फिडे ने एक्स पर साझा किये गए बयान में कहा ,'' ड्रेस कोड के नियम फिडे खिलाड़ियों के आयोग के सदस्यों ने बनाये हैं जिसमें पेशेवर खिलाड़ी और विशेषज्ञ हैं। ये नियम बरसों से हैं और सभी प्रतिभागियों को इसके बारे में भली भांति पता है। हर टूर्नामेंट से पहले उन्हें इसकी जानकारी दी जाती है।''इसमें कहा गया ,'' फिडे यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों के रहने का स्थान आयोजन स्थल के बहुत पांस हो ताकि उन्हें नियमों का पालन करने में सुविधा हो।'' इसमें कहा गया ,'' आज मैग्नस कार्लसन ने जींस पहनकर ड्रेस कोड के नियम का उल्लंघन किया। इतने लंबे समय से चले आ रहे नियमों में यह साफ है कि जींस पहनना निषिद्ध है। मुख्य पंचाट ने कार्लसन को इसके बारे में बताया और 200 डॉलर का जुर्माना लगाया। उनसे कपड़े बदलने का अनुरोध किया गया जो उन्होंने नहीं माना। इस वजह से उन्हें अयोग्य करार देना पड़ा।'' इससे पहले रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोम्नियाश्चि ने भी इस नियम का उल्लंघन किया था लेकिन वह कपड़े बदलकर लौट आये जिससे उन्हें बाहर नहीं किया गया। इस बीच कार्लसन ने कहा कि वह ब्लिट्ज वर्ग में भाग नहीं लेंगे क्योंकि फिडे की ड्रेस कोड नीति से वह तंग आ चुके हैं। उन्होंने नॉर्वे के मीडिया से कहा ,'' मैं फिडे से आजिज आ चुका हूं और अब और नहीं सह सकता। मैं सभी से माफी मांगना चाहता हूं। यह बेहद हास्यास्पद नियम है। मैं कल कपड़े बदल सकता था लेकिन वे सुनने को ही तैयार नहीं है।''

## 35 साल की उम्र में इस वर्ल्ड चैंपियन मुक्केबाज ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। वर्ल्ड कप चैंपियन मुक्केबाज पॉल बाम्बा का 35 साल की उम्र में निधन हो गया। पॉल बाम्बा पिछले हफ्ते न्यू जर्सी में रोजेलियो मेडिना को हराकर गोल्ड क्रूजरवेट वर्ल्ड चैंपियन बने थे। ये जीत 2024 में नॉकआउट से उनकी 14वीं जीत थी। इस जीत ने उन्हें दिग्गज हैवीवेट माइक टायसन के बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया। प्यूर्टो रिको में जन्में अमेरिका में रहने वाले पॉल बॉम्बा ने अपने करियर के दौरान 19-3 का रिकॉर्ड बनाया था।पॉल बाम्बा के निधन से अमेरिकी मुक्केबाजी समुदाय को गहरा सदमा लगा है। पॉल बॉम्बा की मृत्यु पर रोजेलियो मेडिना ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## डफी ने न्यूजीलैंड को श्रीलंका पर दिलाई शानदार जीत

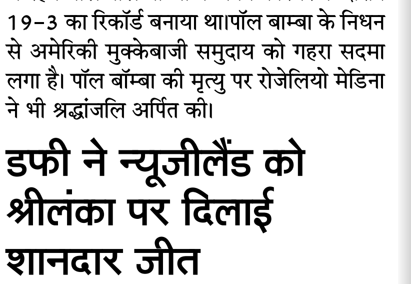

माउंट माउंगानुई, 28 दिसंबर। डैरिल मिचेल (62) और माइकल ब्रेसवेल (59) के बीच छठे विकेट के लिये 105 रन की रिकार्ड साझीदारी के बाद तेज गेंदबाज जैकब डफी के एक ओवर में तीन विकेट झटकने की बदौलत न्यूजीलैंड ने सीरीज के पहले टी20 मुकाबले में शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ आठ रन से जीत हासिल की। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुये आठ विकेट पर 171 रन बनाये जिसके जवाब में श्रीलंका निर्धारित 20 ओवरो में आठ विकेट पर 164 रन ही बना सकी। एक समय पथुम निसंका (90) और कुसल मेंडिस (46) के बीच एक बड़ी भागीदारी की बदौलत 13 ओवर की समाप्ति पर श्रीलंका बगैर नुकसान के 121 रन बना चुका था और आसान जीत के करीब जाता दिखायी दे रहा था मगर पारी के 14वें ओवर में डफी ने एक के बाद एक तीन विकेट (कुसल मेंडिस ,कुसल परेरा (0) और कामिंडु मेंडिस (0)) झटक कर श्रीलंका को बैकफुट पर ढकेल दिया। पथुम निसांका ने 60 गेंदों में 90 रनों की शानदार पारी खेली मगर उनकी साहसिक पारी न्यूजीलैंड द्वारा निर्धारित 172/8 के लक्ष्य को भेदने में असफल रही। इससे पहले डेरिल मिशेल (42 गेंद पर 62 रन) और माइकल ब्रेसवेल (33 गेंद पर 59 रन) के बीच मजबूत साझेदारी की बदौलत कीवी टीम ने पांच विकेट पर 65 रन के मुश्किल स्कोर से उबरते हुए प्रतिस्पर्धी कुल स्कोर खड़ा किया था। दोनो के बीच 105 रन की साझीदारी की मदद से न्यूजीलैंड बचाव योग्य स्कोर बनाने में सफल रहा। श्रीलंका के गेंदबाज शुरू में हावी रहे और जिसमें महीशा थीक्षाना (2/29) के अलावा वानिंदु हसरंगा (2/33) ने महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाई।

# नीतीश कुमार रेड्डी ने रचा इतिहास, महारिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय बने

मेलबर्न 28 दिसंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नीतीश कुमार रेड्डी ने इतिहास रच दिया। दरअसल, नीतीश इस सीरीज में सबसे ज्यादा छक्का लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में किसी मेहमान बल्लेबाज द्वारा संयुक्त रूप से सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इसका पूरा श्रेय नितीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को जाता है। 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर नितीश कुमार रेड्डी टीम इंडिया को मिला। वह तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के रूप में खेल रहे हैं लेकिन रन बनाकर भारत को मुश्किलों से उबारा है।

इस सीरीज में रेड्डी ने अबतक 8 छक्के लगाए हैं। बता दें कि, रेड्डी से पहले माइकल वॉन ने 2002-2003 के एशेज सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए 8 छक्के लगाए थेरेड्डी ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट सीरीज के दौरान 8 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। अब एक छक्का लगाते ही रेड्डी ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्का लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। इस पूरे सीरीज में नीतीश ने अपनी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया है। रेड्डी ने 41, 38, 42, 42, 16 और शतक जमाकर रेड्डी ने बड़ा कारनामा कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट में नंबर 8 पर बैटिंग करते हुए शतक लगाने वाले रेड्डी भारत के इकलौते बल्लेबाज भी बन गए हैं।वहीं बता दें कि, नीतीश कुमार रेड्डी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक भी जड़ा है। खराब रोशनी के कारण जब खेल रूका तो रेड्डी 176 गेंद पर 105 रन बनाकर नाबाद हैं। अपनी पारी में उन्होंने 10 चौके और एक छक्का लगाया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में जब कभी भी भारतीय टीम मुश्किल में रही है, उस समय नीतीश कुमार रेड्डी ने अहम पारियां खेलकर टीम को मुश्किल से उबारा है। अब एक बार फिर रेड्डी ने मेलबर्न टेस्ट में भारतीय टीम के लिए एक ऐसी पारी खेली है जिसने भारत को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने का काम किया है। इस सीरीज में नीतीश ने 200 से ज्यादा रन बना लिए हैं।

## नीतीश का परिवार उनसे मिलने पहुंचा

मेलबर्न, 28 दिसंबर। नीतीश की बहन ने शतक पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम सब लोग बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं हम लोग बहुत खुश हैं हम लोग ये टेस्ट देखने आए और उन्होंने शतक बना दिया। हमारे खुशी का ठिकाना नहीं रहा। हमें पूरा भरोसा था कि वह अच्छी बल्लेबाजी करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जब वह 99 रनों पर बल्लेबाजी कर रहा था तो हम लोग चिंतित थे, क्योंकि दूसरी तरफ बल्लेबाज आउट हो रहे थे, लेकिन हम आश्वस्त थे कि वह अपना शतक पूरा कर लेगा। वहीं नीतीश के पिता ने कहा कि, नीतीश ने आज बहुत अच्छा खेला। मुझे उस पर बहुत गर्व है, हमने बहुत संघर्ष किया। हम टीम इंडिया के बहुत शुक्रगुजार हैं।

## आंध्र के सीएम ने शतक के लिए नीतीश को दी बधाई

विजयवाड़ा, 28 दिसंबर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मेलबर्न में युवा बल्लेबाज नीतीश कुमार रेड्डी को उनके शतक के लिए बधाई दी। शनिवार को यहां एक संदेश में मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार रेड्डी को कम उम्र में मेलबर्न में बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट में शतक बनाने के लिए बधाई दी। उन्होने कहा कामना है कि वह आने वाले दिनों में शतक लगाएं और देश का नाम रोशन करें। इस बीच, आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीसी) ने और विजयवाड़ा के सांसद और एसीसी अध्यक्ष केशिनेनी शिवनाथ ने मेलबर्न क्रिकेट टेस्ट में शतक लगाने के लिए नीतीश कुमार को 25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू क्रिकेटर के यहां आने पर प्रोत्साहन चेक नीतीश कुमार को सौंपेंगे। इसके अलावा एसीसी आंध्र के लिए आईपीएल खेलने के लिए एक टीम बनाने पर विचार कर रही है। उन्होने घोषणा की कि राजधानी अमरावती में एक आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

## हमने सोच लिया था, चाहे कुछ भी हो हम लड़ेंगे: सुंदर

मेलबर्न 28 दिसंबर आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में जुझारु प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि संकट में घिरने के बावजूद उन्होने अपने जोड़ीदार नीतीश कुमार रेड्डी के साथ पूरी दृढ़ता के साथ बल्लेबाजी करने का संकल्प लिया था।

अपनी अर्धशतकीय पारी के बाद कहा हमने सोच लिया था कि स्थितियां चाहे जो भी हों,हमे लड़ना है। जिस तरह से चीजें हुईं वह वास्तव में सुखद थीं। हमारे लिए खुद को अच्छी स्थिति में बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था। मैं और नितीश एक-दूसरे से कहते रहे कि चाहे कुछ भी हो हम लड़ेंगे। जिस तरह से नीतीश ने बल्लेबाजी की, वह दूसरे छोर से देखने लायक था। हमें बस खेलना था समय कोई मायने नहीं रखता। क्योंकि रन आ रहे थे और साथ ही वे काफी थक भी रहे थे। इसलिए हमारे लिए बीच में काफी समय बिताना जरूरी था।

उन्होने कहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेलते रहना वास्तव में अच्छा था और मैं अपने आप से बहुत खुश हूँ, जिस तरह से मैंने अपने खेल को अपनाया। मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर के मार्गदर्शन को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा गौती भाई ने मेरी बहुत मदद की है। उन्हें मुझ पर बहुत भरोसा है। वह मुझे बताते रहे हैं कि मेरी बल्लेबाजी कौशल टीम के लिए कितनी महत्वपूर्ण होगी। बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने भी मेरे लिए बहुत काम किया है।

## मिचेल स्टार्क की इंजरी को लेकर स्कॉट बोलैंड ने दिया अपडेट

मेलबर्न, 28 दिसंबर। मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारतीय पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टीम की टेंशन बढ़ा दी। गेंदबाजी के दौरान मिचेल स्टार्क दर्द में दिखे लेकिन गेंदबाजी जारी रखी। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद स्कॉट बोलैंड ने उनकी इंजरी को लेकर अपडेट दी है। बोलैंड का मानना है कि स्टार्क ठीक हैं। तीसरे मैच में स्टार्क को सफलता नहीं मिली। मिचेल स्टार्क मेलबर्न में खेले जा रहे मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी के दौरान अपनी पीठ पकड़े हुए दिखे। जिसके बाद टीम के फिजियोथेरेपिस्ट निक जोन्स ने उनका इलाज किया।

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप

## जयपुर की समायरा व अनुष्का बने महिला युगल चैंपियन

जयपुर, 28 दिसंबर। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष ललित सिंह के अनुसार आज मॉडर्न स्कूल जयपुर में चल रही राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के चौथे दिन महिला युगल में समायरा शर्मा व अनुष्का ने प्रियांशी शर्मा व दिव्या ठाकुर कोटा को पराजित कर जयपुर का परचम लहराया। इन्होंने यह जीत 3-0 से एक तरफा मुकाबले में दर्ज की। विदित रहे की समायरा तथा अनुष्का ने सेमीफाइनल में जयपुर की ही आरु तथा राधिका को परास्त कर फाइनल में जगह बनाई थी वही प्रियांशी तथा दिव्या ने बीकानेर की सुहानी तथा प्रांशी मिश्रा को हराकर फाइनल में स्थान बनायी।पुरुष वर्ग में कोटा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य तोषनीवाल व यथार्थ बारथूनिया ने जयपुर के शुभम ओझा तथा विवेक भार्गव की चुनौती समाप्त कर उन्हें तीन शून्य से पराजित किया। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य तथा यथार्थ ने अनुक्रम तथा हर्ष जयपुर को तीन एक से परास्त किया वहीं शुभम तथा विवेक ने प्रियांशु तथा विश्वास बीकानेर को तीन दो से परास्त कर फाइनल में जगह बनाई ।

मिश्रित युगल मुकाबले में भी आकर्षक खेल का प्रदर्शन रहा जिसमें बीकानेर के प्रियांशु सिंह भाटी व अंजली सिंह ने जयपुर की समायरा शर्मा तथा अरिंजय कुछल को 3-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल मुकाबले में प्रियांश व अंजलि ने शुभम तथा मनीषा जयपुर को तीन शून्य से पराजित कर फाइनल में स्थान बनाया था वहीं समायरा तथा अरिंजय ने जयपुर के ही विवेक तथा अरू को तीन एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई । मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान राज्य टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष मुकुल गुप्ता वा सचिव संजय गहलोत रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मॉडर्न स्कूल के हनुमान सिंह शेखावत और फिनोवा कैपिटल के राहुल साहनी ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

खेलो इंडिया अभियान

## मंडी में इंडोर स्टेडियम बनाने का प्रयास

मंडी, 28 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर के पड्डल मैदान में केंद्र सरकार के खेलो इंडिया अभियान के तहत इंडोर स्टेडियम बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस स्टेडियम का डिजाइन तैयार कर लिया गया है और जल्द ही इसकी डीपीआर बनाकर मंजूरी के लिए प्रदेश सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। यह बात मंडी सदर से भारतीय जनता पार्टी विधायक अनिल शर्मा ने मंडी में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया अभियान 2025-26 में संपन्न होने जा रहा है और इस स्टेडियम को इसी प्रोजेक्ट के तहत बनवाने के चलते ही इस कार्य को तेज गति के साथ किया जा रहा है। शर्मा ने बताया कि इस इंडोर स्टेडियम का अनुमानित बजट 28 से 30 करोड़ होगा जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 20 से 22 करोड़ की मदद मिल सकती है, बाकी पैसा प्रदेश सरकार के माध्यम से मंजूर करवाने का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश के माध्यम से डीपीआर भिजवाने के बाद वे केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करके इसके लिए जल्द से जल्द बजट प्रावधान करवाने का प्रयास करेंगे। शर्मा ने बताया कि स्टेडियम निर्माण के लिए जमीन का खेल विभाग के नाम करवा दिया गया है और इसकी स्वाइल टेस्टिंग का कार्य भी हो चुका है।

# सैम कोंस्टास ने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ आक्रामक रवैये अख्तियार किया

मेलबर्न, 28 दिसंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। अभी तक दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं जिसमें दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। वहीं मौजूदा समय में दोनों टीमों के बीच मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए डेब्यू करने वाले 19 वर्षीय सैम कोंस्टास की चर्चा हो रही है। सैम कोंस्टास ने अपने डेब्यू में धमाकेदारी पारी खेली। इस युवा बल्लेबाज ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए। साथ ही जसप्रीत बुमराह का डटकर सामना भी किया। सैम कोंस्टास ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर 2 छक्के भी जड़े। वहीं अब बुमराह ने सैम कोंस्टास को लेकर बड़ा बयान दिया है।दरअसल, सैम कोंस्टास इंग्लैंड के जोस बटलर के बाद टेस्ट फॉर्मेट में जसप्रीत बुमराह को एक पारी में 2 छक्के जड़ने के मामले में दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सोशल मीडिया पर सैम कोंस्टास की बल्लेबाजी लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं।

वहीं, अब जसप्रीत बुमराह ने सैम कोंस्टास पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बुमराह ने कहा कि मैंने ऐसा बहुत अनुभव किया है। मैंने बहुत टी20 क्रिकेट खेला है, 12 साल से भी ज्यादा टी20 क्रिकेट खेला है। वह दिलचस्प बल्लेबाज हैं, मुझे हमेशा लग रहा था कि मैं खेल में हूं। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं विकेट से दूर हूं। शुरुआत में मुझे लगा कि मैं उसे पहले दो ओवरों में 6-7 बार आउट कर सकता हूं। लेकिन क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मुझे अलग-अलग चुनौतियां पसंद हैं और एक नई चुनौती का इंतजार है।

बता दें कि, सैम कोंस्टास ने पहले दिन 65 गेंदों में 60 रनों की पारी खेली। उन्होंने कहा कि अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। खासकर, इस बल्लेबाज ने भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ आक्रामक रवैये अख्तियार किया। जसप्रीत बुमराह के पहले ओवर में आक्रामक रवैया ने 14 रन बनाए। जबकि बुमराह के दूसरे ओवर में सैम ने 18 रन बटोरे। बुमराह के टेस्ट करियर का सबसे मंहगा ओवर था।

## पटना पाइरेट्स और हरियाणा स्टीलर्स के बीच खिताबी मुकाबला

पुणे, 28 दिसंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें संस्करण में खिताबी मुकाबला रविवार को यहां पटना पाइरेट्स और हरियाणा स्टीलर्स के बीच खेला जायेगा। बालेवाड़ी में श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फाइनल मैच रविवार रात आठ बजे शुरु होगा। पटना पाइरेट्स की नज़र रिकॉर्ड चौथे पीकेएल खिताब पर है जिन्होंने लगातार सीजन तीन, चार और पांच में खिताब हासिल किया था, वे साल 2017 के बाद से अपना पहला खिताब जीतना चाहेंगे। वे सीजन आठ के फाइनल मुकाबले में भी थे, लेकिन दबंग दिल्ली से एक अंक से हार गए थे। देवांक दलाल, जो 24 कबड्डी मैचों में 296 अंकों के साथ पीकेएल 2024 के शीर्ष रेडर रहे हैं, इस सीजन मे पाइरेट्स के फाइनल तक पहुंचने के पीछे अहम भूमिका निभाई है। पाइरेट्स ने अपनी टीम में अंकित जगलान को शामिल किया है, जो प्रो कबड्डी 2024 में सबसे अधिक टैकल प्वाइंट के मामले में स्टीलर्स के मोहम्मदरेज़ा शादलोई और तमिल थलाइवाज के नीतेश कुमार की बराबरी पर हैं। एलिमिनेटर और सेमीफाइनल में क्रमशः यू मुंबा और दबंग दिल्ली, दोनों पूर्व चैंपियन को हराने से पहले पटना पाइरेट्स ग्रुप स्टेज में चौथे स्थान पर रही। इस बीच, हरियाणा स्टीलर्स ने सेमीफाइनल में यूपी योद्धा को हराकर लगातार दूसरे फाइनल में जगह बनाने से पहले ग्रुप स्टैंडिंग में बड़ी आसानी से शीर्ष स्थान हासिल किया।

# ओ.एन. दीक्षित बैडमिन्टन में आराध्या ढींगरा व ओजस्विता दुबे ने जीते दोहरे युगल खिताब

## // 75 वर्ष से बड़े बुजुर्ग खिलाड़ी सम्मानित //

जयपुर, 28 दिसंबर। ओ एन दीक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता के मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम पर खेले गए आज का मुख्य आकर्षण 75 वर्ष से ऊपर के चार खिलाड़ी जितेंद्र राजवंशी, आर एस सोनी, एम सी यादव , एन एल मिढ़ा रहे साथ ही 72 वर्षीय नवीन चौधरी का आज के मुख्य अतिथि सतर्कता उपायुक्त नगर निगम हेरिटेज पुष्पेंद्र सिंह संयुक्त सचिव जय क्लब राजीव नागोरी, आयकर अधिकारी पंकज दीक्षित व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने सभी बुजुर्ग खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसार आज सात वर्गो के फाइनल खेले गए जिसमें अंडर 13 आयु लड़कों के फाइनल में मानविक भारद्वाज ने सिद्धांत को 21 -19 ,21 -18 से हराया तथा अंडर13 लड़कियों के फाइनल में पदमजा नेअपेक्षा को तीन गेमों में 21 -18, 13 -21, 21 -11 से हराया वही लड़कों के अंडर 15 एकल फाइनल में देवाशीष प्रजापत ने विनय प्रताप सिंह को एक लंबे संघर्ष के बाद 21- 18 ,19 4-21 ,22- 20 से परास्त किया।

युगल मैच में लड़कों के अंडर 11 डबल्स में बदरुद्दीन हसन व नैतिक बंसल की जोडी ने 21- 17, 21 -16 से किसंग व लक्षित रेवाड को हराया। गर्ल्स अंडर 13 डबल्स के फाइनल में आराध्य ढींगरा व ओजस्वीता दुबे की जोड़ी ने रिद्धि बत्रा व रिद्धि सेठिया की जोड़ी को 21 -16, 21- 11 से परास्त किया वहीं गर्ल्स डबल्स अंडर 17 फाइनल में हिमांशी सैनी और प्रियांशी सैनी ने अद्रिका अग्रवाल व गरिमा यादव की जोड़ी को 14- 21 ,23 -21, 21- 11 से परास्त कर फाइनल जीता।

देर शाम तक खेले गए अंडर 15 लड़कियों के युगल फाइनल में ओजस्विता दुबे व आराध्या ढींगरा की जोड़ी ने मिराया फागेरिया वे दिव्यांशी फागेरिया को 21- 14 ,19 -21 ,21 -13 से हारा अंडर 15 लड़कियों का युगल खिताब भी जीता। इससे पहले सुबह अंडर 13 युगल खिताब भी ओजस्विता दुबे व आराध्या ढींगरा की जोड़ी ने जीता।

अतुल गुप्ता के अनुसार कल शाम 3:00 बजे से शेष बचे फाइनल खेले जाएंगे। पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ मुख्य अतिथि, मुख्य निदेशक अन्वेषण आयकर अवधेश कुमार व रचना गोड विशिष्ट अतिथि होंगे तथा 5:00 बजे से मुख्य अतिथि द्वारा परितोषित वितरण किया जाएगा। सेमीफाइनल खेले खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिए जाएंगे।

# विजय हजारे ट्रॉफी में राजस्थान ने मेघालय को 6 विकेट से हराया

## राजस्थान के दीपक हुड्डा की नाबाद अर्धशतकीय पारी

जयपुर 28 दिसम्बर। मुंबई में खेली जा रही बीसीसीआई एक दिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी में आज राजस्थान ने मेघालय को 6 विकेट से हराया।

मेघालय पारी 166 आल आउट, टीम के लिए किशन 27 व अर्पित 26 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज राहुल चाहर 34 /3 , कमलेश नागरकोठी 52 /3 , मानव सुथार 28 /2 व अजय सिंह कुकना 34 /2 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पारी 168 /4, लक्ष्य को राजस्थान टीम ने दीपक हुड्डा की नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाते हुए मैच में जीत दर्ज की। दीपक हुड्डा नाबाद 60, महिपाल लोमरोर 38, राम मोहन 17, अभिजीत तोमर 15, कार्तिक शर्मा 15 व राजवीर सिंह राठौर नाबाद 13 रनो का योगदान देते हुए टीम को जीत दिलाई।

**विजय मर्चेंट अंडर 16 ट्रॉफी - राजस्थान - कर्नाटक मैच** के पहले दिन का स्कोर , विजयवाड़ा ( मंगलगिरि ) में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान- कर्णाटक मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कर्णाटक टीम को पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

कर्णाटक पारी 239 आल आउट, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कर्णाटक टीम राजस्थान के गेंदबाजों के शानदार गेंदबाजी के सामने अपनी पहली पारी में मात्र 239 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए अन्वय द्रविड़ 90 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान के गेंदबाज रजत बघेल 33 /3 , सुजल परमार 28 /2 , हर्ष सिंह 62 /2 , पुरु डेवाढवाल 51/2 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी 22 /1, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 1 विकेट के नुकसान पर 22 रन बना लिए थे। टीम के लिए एकांश शर्मा नाबाद 4 व शिफॉन नाबाद 6 रन बनाकर खेल रहे हैं।

**बीसीसीआई की सीनियर एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में** राजस्थान की वीमेन खिलाडी कौशल्या चौधरी का चयन बीसीसीआई वीमेन चयन समिति ने किया है। आगामी 5 से 15 जनवरी 2025 के दौरान चेन्नई में खेली जाने वाली बीसीसीआई की सीनियर वीमेन एक दिवसीय ट्रॉफी हेतु बीसीसीआई वीमेन चयन समिति ने राजस्थान की कौशल्या चौधरी का चयन टीम में किया है।

# पश्चिम बंगाल,सर्विसेज,केरल और मणिपुर के बीच होगी रोमांचक जंग

हैदराबाद, 28 दिसंबर। देश के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट संतोष ट्राफी के खिताबी दौर से एक कदम दूर पश्चिम बंगाल, सर्विसेज, केरल और मणिपुर के बीच रविवार से शुरु होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में रोमांच चरम पर होगा। पहला सेमीफाइनल रविवार को गाचीबोवली स्टेडियम पर पश्चिम बंगाल और सर्विसेज के बीच रविवार को दोपहर ढाई बजे से होगा। उसके बाद शाम साढ़े सात बजे केरल और मणिपुर की टीमे फाइनल में प्रवेश के लिये भिड़ेंगी।

पश्चिम बंगाल और सर्विसेज के बीच पहली भिड़ंत 1951 में हुई थी जिसके बाद 31 बार दोनो टीमे एक दूसरे का सामना कर चुकी है जिनमें 1960 में सर्विसेज़ ने बंगाल को हरा कर पहले ख़िताब पर कब्जा किया था। बंगाल ने नौ साल तक इसका बदला नौगोंग में सर्विसेज को फाइनल में 6-1से रौंद कर लिया था। दोनो टीमों के बीच अब तक खेले गये 32 मैचों में पश्चिम बंगाल के पक्ष में 21 बार जीत मिली जबकि छह में सर्विसेज के हाथों उसे हार का सामना करना पड़ा। पांच में हार जीत का फैसला नहीं हो सका।

# गहलोत के बनाये नौ जिले, 3 संभाग निरस्त

## कैबिनेट ने माना, पूर्ववर्ती सरकार ने केवल राजनीतिक लाभ के लिये निर्णय लिया था

- **आचार संहिता लगने से ठीक पहले तीन जिले और बनाने का कांग्रेस सरकार का निर्णय भी निरस्त किया।**
- **अब प्रदेश में 7 संभाग और 41 जिले होंगे। परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों का भी पुनर्गठन किया जायेगा।**

जयपुर, 28 दिसम्बर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भजनलाल सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय बनाये गये नये जिलों में से नौ जिलों एवं तीन नये संभागों को निरस्त करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकारों को इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने पिछली सरकार के समय में गठित जिलों और संभागों का पुनः निर्धारण किया है, जिसके बाद अब प्रदेश में कुल सात संभाग और 41 जिले होंगे।

पटेल ने बताया कि गत सरकार के इस अविवेकपूर्ण निर्णय की समीक्षा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक मंत्रिमण्डलीय उप-समिति और इसके सहयोग के लिए सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. ललित के. पंवार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। विशेषज्ञ समिति द्वारा नवगठित जिलों एवं संभागों के पुनर्निर्धारण के संबंध में तैयार की गई रिपोर्ट एवं सिफारिशें मंत्रिमण्डलीय उप-समिति के समक्ष प्रस्तुत की गईं।

समिति द्वारा प्रस्तुत सिफारिशों पर विचार करते हुए, नए सृजित जिलों में नौ जिले, अनूपगढ़, दूदू, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीम का थाना, सांचौर एवं शाहपुरा तथा नवसृजित तीन संभागों बांसवाड़ा, पाली, सीकर को नहीं रखने का निर्णय मंत्रिमण्डल द्वारा लिया गया है।

उन्होंने बताया कि बैठक में आचार संहिता से ठीक पहले घोषित तीन नए जिलों, मालपुरा, सुजानगढ़ और कुचामन सिटी को भी निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

पटेल ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले एवं 3 नवीन संभाग बनाने का निर्णय लिया था, तथा राजस्व विभाग द्वारा पांच अगस्त 2023 को अधिसूचना जारी कर जिलों एवं संभागों का सृजन किया गया था। तीन नए जिलों की घोषणा विधानसभा चुनाव-2023 की आचार संहिता से एक दिन पहले की गई, जिनकी अधिसूचना भी जारी नहीं हो सकी थी।

उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार ने नवीन जिलों एवं संभागों का गठन पूरी तरह से राजनीतिक लाभ लेने के लिए किया। इसमें वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, प्रशासनिक आवश्यकता, कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक सामंजस्य आदि किसी भी महत्वपूर्ण बिन्दु को ध्यान में नहीं रखा गया। नए जिलों के लिए पिछली सरकार ने कार्यालयों में न तो आवश्यक पद सृजित किए और न ही कार्यालय भवन बनवाए। बजट एवं अन्य सुविधायें भी उपलब्ध नहीं कराई गईं।

उन्होंने बताया कि मंत्रिमण्डल द्वारा यथावत् रखे गए आठ नए जिलों, फलौदी, बालोतरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन और सलूम्बर में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए राज्य सरकार सभी जरूरी वित्तीय संसाधन एवं अन्य सुविधाएं मुहैया कराएगी। इससे इन नए जिलों में रहने वाले आमजन को इन जिलों के गठन का लाभ वास्तविक रूप में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अब जिला परिषदों, पंचायत समिति और ग्राम पंचायतों का भी पुनर्गठन किया जाएगा।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा संभाग के विधायकों के साथ पिछले बजट की घोषणाओं के क्रियान्वयन व आगामी बजट की तैयारी बैठक ली। उन्होंने प्रत्येक विधायक से उनके विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।*

# 'विधायक बजट घोषणा के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने कोटा संभाग के विधायकों को जनता के भरोसे पर खरा उतरने को कहा

- **मुख्यमंत्री ने विधायकों से आग्रह किया कि अपने क्षेत्र के जनहित के कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची बनाकर भेजें ताकि उन कार्यों को बजट में शामिल किया जा सके।**

जयपुर, 28 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास और प्रदेशवासियों का कल्याण ही राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस ध्येय की पूर्ति में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विधायक की अहम भूमिका है इसलिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में विधायकों को समर्पण भाव के साथ जनहित के कार्यों के लिए तत्पर रहना चाहिए।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा संभाग के विधायकों के साथ पिछले बजट की घोषणाओं के क्रियान्वयन और आगामी बजट की तैयारियों से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक विधायक को उसके विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत आकांक्षाओं और उम्मीदों के साथ चुनकर भेजती है, ऐसे में जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता के भरोसे पर खरा उतरे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रत्येक विधायक से उनके विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले बजट में राज्य के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को ढेरों सौगातें दी हैं और यह आवश्यक है कि आगामी बजट से पूर्व पिछले बजट में की गई घोषणाओं का धरातल पर उतरना सुनिश्चित हो। शर्मा ने कहा कि विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विधायकों के साथ समन्वय बनाकर आधारभूत विकास के कार्यों में वित्तीय स्वीकृति से लेकर जमीन आवंटन, डीपीआर तैयार होने और निर्माण कार्य प्रारंभ होने तक प्रत्येक चरण पर समयबद्ध रूप से कार्यों की क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दूरगामी सोच के साथ पिछला बजट प्रस्तुत किया था, जिसकी हर तरफ सराहना हुई। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को भी राज्य की जनता के लिए सार्थक और समावेशी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची बनाकर भेजें, ताकि उन कार्यों को आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, संदीप शर्मा, कालूराम, कंवरलाल, राधेश्याम बैरवा, ललित मीणा, कल्पना देवी, गोविंद प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# दक्षिण तिब्बत पर प्रस्तावित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की योजना है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारत की पूर्व स्वीकृत अधिकारों को स्थापित करने और क्षेत्रीय दावों को मजबूत करने के प्रयासों की रणनीति को दिखाता है।

भारत और चीन के सम्बंध पहले से ही नाज़ुक मोड़ पर है, इस समय बांध निर्माण को मंजूरी दी गई है। दोनों देशों के नेताओं की मीटिंग में 2020 के सीमा संघर्ष से उपजे तनाव को कम करने की उम्मीद जगी थी। यह मैगाडैम परियोजनाएं इन कूटनीतिक प्रयासों को कमज़ोर कर सकती हैं।

चीन के सुरक्षा विश्लेषक नीलैक्सियॉग ने कहा, बीजिंग इस बांध को घरेलू पहल मानता है, पर नई दिल्ली पर इसके प्रभाव की अनदेखी नहीं की जा सकती है। यह प्रोजेक्ट चीन की जिओ पॉलिटिकल ताकत को बढ़ा सकता है। इस प्रोजेक्ट के जरिए भारत से निपटने में चीन जलीय मुद्दों को हथियार बना कता है। इस समय बांग्लादेश से भी भारत के सम्बंध तनावपूर्ण है और बांग्लादेश भी अपनी जरुरतों के लिए ब्रह्मपुत्र के पानी पर आश्रित है। दोनों देशो ने बांध निर्माण पर चिंता जताई और कहा कि इससे नदी का प्रवाह बाधित हो सकता है और आम जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

जलविद्युत क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित करने की चीन की कोशिश उसकी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके जरिए वह अपनी तकनीकी क्षमता और आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता है। पर इसकी कीमत उसे क्षेत्रीय भरोसे से चुकानी पड़ सकती है।

युनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट आफ पीस ने 2022 में एक रिपोर्ट में कहा था कि ब्रह्मपुत्र पर जल विवाद बढ़ रहे हैं, जो भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धाओं को प्रभावित कर रहे है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और भारत दोनों ही बांध निर्माण का हिमालय सीमा पर अपना दावा मजबूत करने का जरिया मानते है।

यह बांध भारत और चीन के बीच भरोसे की कमी को दर्शाता है। चीनी विशेषज्ञ लियू जोन्गयी ने कहा दोनों देश आपस में विश्वास नहीं करते, यह जगजाहिर है। यह प्रोजैक्ट दरार को और बढ़ाएगा या सहयोग के रास्ते खोलेगा, यह तो भविष्य ही बताएगा, पर इतना तय है कि इससे पर्यावरण प्रभावित होगा।

# डल्लेवाल पर पंजाब के जवाब से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर एक माह से अधिक समय से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल की चिकित्सा संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के जबाव से असंतुष्टि व्यक्त करते हुए शनिवार को उसे फिर कड़ी फटकार लगाई तथा जवाब के लिए एक और मौका दिया। पीठ ने दल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने में विफल रहने पर पंजाब सरकार को फिर कड़ी फटकार लगाई।

# राज्यपाल ने केजरीवाल की महिला सम्मान योजना पर जांच के आदेश दिये

- **आप पार्टी ने घोषणा की थी कि दिल्ली की हर महिला को 1000 रुपये प्रति माह दिये जायेंगे, जो 2025 में जीतने के बाद 2100 रुपये कर दिये जायेंगे।**

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की महिला सम्मान योजना विवादों में फंस गई है। कांग्रेस और भाजपा ने इस योजना पर पहले ही सवाल खड़े किए थे। वहीं, दिल्ली के अफसरों ने भी अखबार में विज्ञापन देकर कहा था कि दिल्ली सरकार ऐसी कोई योजना नहीं चला रही है। अब दिल्ली के गर्वनर वीके सक्सेना ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। आम आदमी पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि इस योजना के तहत 18 साल से ऊपर की पात्र महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये दिए जाएंगे। अगर 2025 विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत मिलती है तो यह रकम 1000 से बढ़ कर 2100 कर दी जाएगी।

दिल्ली के एलजी के प्रधान सचिव ने दिल्ली के मुख्य सचिव और दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। इस पत्र में आम आदमी पार्टी की उपरोक्त घोषणाओं के बारे में बताया गया है।

अरविंद केजरीवाल ने जांच के आदेश जारी होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी पर आरोप लगाए और अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई दी। उन्होंने कहा "कुछ दिन पहले हमने ऐलान किया था कि महिला सम्मान योजना में 2100 रुपये हर महीने देंगे। कैबिनेट ने 1000 देने की योजना पास की थी। दूसरी योजना बुजुर्गों को फ्री में इलाज देने की थी। इन दोनों योजनाओं से भाजपा की नींद उड़ गई। उनको लग गया कि चुनाव हार गए। पहले गुंडे भेजकर कैम्प हटाने की कोशिश की और अब जांच के आदेश देंगे। किस बात की जांच करेंगे।आज इन लोगों ने अपने इस कदम से बता दिया कि बीजेपी के चुनाव लड़ने का एक ही मकसद है। महिला सम्मान योजना, बुजुर्गों की स्वास्थ्य योजना, फ्री बिजली-पानी सब बंदकरना चाहते हैं।आज बीजेपी ने एक हिंट दिया कि वो अगर जीत गए तो सारी योजना बंद करा देंगे।

पत्र में कहा गया है कि एलजी ने मुख्य सचिव से गैर-सरकारी लोगों द्वारा व्यक्तिगत विवरण और फॉर्म एकत्र करने के मामले में संभागीय आयुक्त के माध्यम से जांच कराने को कहा है। इसके अलावा, पुलिस आयुक्त फील्ड अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें,जो लाभ देने की आड़ में भोले-भाले नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करके उनकी गोपनीयता का उल्लंघन कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो महिला सम्मान योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वाले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

# सोमवार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का 'टारगेट' (लक्ष्य) होगा। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को यहां बताया कि इसरो का 30 दिसंबर को निर्धारित वर्ष के अंत का मिशन ऐतिहासिक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मिशन में अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को डॉक करने या विलय करने या एक साथ जोड़ने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने की कोशिश की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पाडेक्स) नाम दिया गया है। अब तक इस काम में केवल अमेरिका, रूस और चीन को महारत प्राप्त है।

# रुसी हवाई क्षेत्र में प्लेन क्रैश पर पुतिन ने माफी मांगी

- **अजरबैजानी विमान कजाकिस्तान में क्रैश हो गया था जिसमें 38 लोग मारे गये थे तथा 29 घायल हुए थे।**

मॉस्को, 28 दिसंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कज़ाकिस्तान में हुए प्लेन क्रैश मामले को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने अजरबैजानी विमान हादसे की त्रासदपूर्ण घटना के लिए अजरबैजान के राष्ट्रपति से माफी मांगी। दरअसल, इस विमान ने बुधवार को अजरबैजान की राजधानी बाकू से चेचन्या की राजधानी ग्रोजनी के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद इसका मार्ग परिवर्तित कर दिया गया और कज़ाकिस्तान में उतरने का प्रयास करते हुए विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हो गए।

शनिवार को एक आधिकारिक बयान में रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' ने कहा कि बुधवार को यूक्रेनी ड्रोन हमले के कारण ग्रोज्नी के निकट वायु रक्षा प्रणालियों ने गोलीबारी की। हालांकि यह कहने से परहेज किया कि विमान रूसी वायु रक्षा प्रणाली की गोलीबारी का निशाना बना। क्रेमलिन ने रूस के राष्ट्रपति और अजरबैजान के राष्ट्रपति के बीच फोन पर हुई वार्ता के विवरण का हवाला देते हुए बताया कि पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से "इस तथ्य के लिए माफी मांगी कि यह दुखद घटना रूसी हवाई क्षेत्र में हुई।"

बता दें कि कजाकिस्तान में अजरबैजान का प्लैन क्रैश हो गया था, जिसमें 67 यात्री सवार थे। प्लैन क्रैश होने के बाद उसमें आग लग गई। इस हादसे में 38 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई। अजरबैजान के अभियोजक जनरल के कार्यालय ने एक बयान में बताया कि देश के जांचकर्ता दुर्घटना की जांच के हिस्से के रूप में ग्रोजनी में काम में जुटे हैं। दुर्घटना की आधिकारिक जांच शुरू होने पर कुछ विमानन विशेषज्ञों ने बताया कि विमान के पिछले हिस्से में देखे गए छेदों से पता चलता है कि यह यूक्रेनी ड्रोन हमले से बचने के लिए रूसी वायु रक्षा प्रणाली के जवाबी हमले का शिकार हुआ होगा।

# जैसलमेर : अचानक जमीन फटने पर वेग से पानी निकला

## पानी के साथ गैस और कीचड़ आने लगा तो कर्मचारी व ग्रामीण दूर भाग गये

- **मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में ट्यूबवैल की खुदाई के समय जमीन धंसने से 22 टन वजनी मशीन लगा ट्रक 850 फीट गहरे गड्ढे में फंस गया।**
- **ओ.एन.जी.सी. के अधिकारियों की टीम मौके का निरीक्षण करने आयेगी। अभी घटना स्थल से 500 मीटर की परिधि में पशुधन व आमजन का आना-जाना बंद करवा दिया गया है।**

जैसलमेर, 28 दिसम्बर (निसं), जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में ट्यूबवेल की खुदाई के दौरान अचानक एक ट्रक 850 फीट गहरे गड्ढे में धंस गया, जिस पर 22 टन की ड्रिलिंग मशीन फिट थी। ट्रक धंसने के साथ ही गड्ढे से ऊँचे फव्वारे की तरह पानी बाहर आने लगा। पानी के साथ गैस और कीचड़ भी बाहर आने लगा, जिसे देख कर दहशत में आए ट्यूबवेल की खुदाई कर रहे कर्मचारी और ग्रामीण वहां से दूर भाग गए।

जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार को चक 27 बीडी के तीन जोरा माइनर के पास विक्रमसिंह के खेत में ट्यूबवेल की खुदाई के दौरान सुबह 10 बजे हुआ। लोगों ने भूजल विभाग को इसकी जानकारी दी। भूजल वैज्ञानिक एनडी इनखिया, पुलिस तथा प्रशासन अपनी-अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे।

एनडी इनखिया ने बताया कि विक्रम सिंह के खेत में दो दिन से ट्यूबवेल की खुदाई चल रही थी, जिसके दौरान गड्ढे में ट्रक धंस जाने पर करीब 850 फीट की गहराई से पानी निकलने लगा। पानी का वेग इतना तेज था कि वहां गड्ढा हो गया और तेज गति से पानी जमीन से बाहर आने लगा। इस दौरान खुदाई की मशीन ट्रक समेत जमीन में धंस गई।

उप तहसीदार ललित चारण का कहना है, गड्ढे से गैस निकली है, जिसकी वजह से पानी उछल रहा है। अगर ट्रक को हटाया गया तो गैस का रिसाव और ज्यादा बढ़ जाएगा। फिलहाल आम सूचना जारी कर स्थान को खाली करवाकर वहाँ अस्थायी पुलिस चौकी लगाई जा रही है। तेल गैस कम्पनी ओएनजीसी के अधिकारियों से बातचीत की जा रही है, ताकि उनकी टीम मौके पर आए तो कुछ पता चले और समस्या का कुछ समाधान निकले। जानकारी के अनुसार, मौके पर गैस की बदबू आ रही है। गड्ढे में ट्रक फंसा है और गड्ढे से कीचड़, पानी और गैस निकल रही है। घटनास्थल से 500 मीटर की परिधि में पशुधन एवं आमजन का आना-जाना बंद करवा दिया गया है।

# तालिबान ने हमला कर 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे

- **अफगानिस्तान ने कहा गत सप्ताह उन पर हुए घातक हवाई हमलों का जवाब दिया है।**

काबुल, 28 दिसंबर । बीते मंगलवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक की थी। इस एयर स्ट्राइक के बाद अब अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान पर पलटवार किया है। तालिबानी रक्षा मंत्रालय की ओर से इस पलटवार के बारे में जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि इस हमले में 19 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई है, जबकि तीन अफगान नागिरकों के भी मारे जाने की सूचना है। अफगानिस्तान ने ये हमला पाकिस्तान के कई इलाकों में किया है।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसके बलों ने पिछले हफ्ते देश पर हुए घातक हवाई हमलों के जवाब में पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर हमला किया। मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान के हवाई हमलों में कई लोग मारे गए।

# 'सरकार ने डॉ. मनमोहन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने माँग की थी कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर कराया जाये, जहाँ उनका स्मारक बनाया जा सके।

जयराम रमेश ने शुक्रवार को "एक्स" पर पोस्ट किया, "आज सुबह, कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अन्त्येष्टि ऐसे स्थान पर की जाये, जहाँ उनका स्मारक बन सके और लोग उनकी विरासत का सम्मान कर सकें। हमारे देश के लोग इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि भारत सरकार को उनके अंतिम संस्कार तथा स्मारक के लिये आखिर कोई ऐसी जगह क्यों नहीं मिल सकी, जो उनके वैश्विक कद, विशिष्ट उपलब्धियों के रिकॉर्ड तथा दशकों तक की गई देश की अनुकरणीय सेवा के अनुरूप एवं उपयुक्त हो।

यह और कुछ नहीं, भारत के प्रथम सिख प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जानबूझ कर किया गया अपमान है।

शुक्रवार को हुई मंत्रिमंडल की मीटिंग के बाद, गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा सिंह के परिवार को सूचित किया था कि सरकार स्मारक के लिये बाद में स्थान आवंटित करेगी।

बढ़ती उम्र और उससे जुड़ी बीमारियों के कारण डॉ. सिंह लम्बे समय तक अवस्थ थे। 92 वर्ष की उम्र में गुरुवार रात दिल्ली के एम्स में उन्होंने अंतिम साँस ली।

आज निगम बोध घाट पर उनकी अन्त्येष्टि पूरे सैन्य सम्मान एवं राजकीय सम्मान के साथ की गई।

# ग्राम विकास...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर निर्माण कार्यों, सिंगल फेज ट्यूबवेल एवं हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव पारित किया था। सभी निर्माण कार्य वार्षिक योजना के अनुसार ही करवाए हैं।

इन कामों की प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति पंचायत समिति पावटा एवं जिला परिषद जयपुर ने जारी की है। इसमें याचिकाकर्ता की कोई भूमिका नहीं है और यह निर्माण कार्य जनहित में करवाए हैं।

इसलिए याचिकाकर्ता से की जाने वाली रिकवरी को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने रिकवरी पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

# पूर्ण सैन्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित, कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रृद्धांजलि दी। डॉ. सिंह की पत्नी, गुरशरण कौर तथा उनकी एक बेटी ने डॉ. सिंह की देह पर पुष्पचक्र अर्पित करके श्रृद्धांजलि दी। कांग्रेस, जिसने अंतिम संस्कार ऐसी जगह करने की माँग की थी, जहाँ डॉ. सिंह का स्मारक बनवाया जा सके, ने इसे "भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझ कर किया गया अपमान" बताया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने, मंत्रिमंडल की मीटिंग के तुरन्त बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित कर दिया था कि सरकार स्मारक के लिये स्थान आवंटित करेगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में, पूरे देश में सात दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा तथा इस अवधि में, पूरे देश में राष्ट्रध्वज आधा झुका रहेगा।

# अजित पवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छतरपुर से नरेन्द्र तंवर, लक्ष्मी नगर से नमहा, गोकुलपुरी से जगदीश भगत, मंगोलपुरी से खेम चंद, सीमापुरी से राजेश लोहिया और संगम विहार से कमर अहमद को प्रत्याशी बनाया है।

# 'डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्वीट में सरकार के घटिया इंतजामों का विवरण दिया है।

उन्होंने "एक्स" पर लिखाः

डॉ. मनमोहन सिंह का स्टेट फ्यूनरल असम्मान एवं कुपबंधन का घटिया प्रदर्शन था।

- दिल्ली दूरदर्शन के अलावा, अन्य किसी समाचार एजेंसी को वहाँ आने की अनुमति नहीं थी, डी.डी. का फोकस मोदी और शाह पर रहा तथा यदा-कदा डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को कवर किया गया।
- डॉ. सिंह के परिवार के लिये पहली पंक्ति में केवल 3 कुर्सिया रखी हुई थीं। कांग्रेस नेताओं को उनकी पुत्रियों तथा अन्य परिजनों के लिये सीटों के लिये जोर देना पड़ा।
- जब राष्ट्र ध्वज स्व. प्रधानमंत्री की विधवा को दिया गया तथा जब तोपों की सलामी दी जा रही थी, तब प्रधानमंत्री तथा मंत्रीगण खड़े तक नहीं हुये।
- चिता के चारों तरफ सिंह के परिवार को यथेष्ट जगह नहीं दी गई थी, क्योंकि एक तरफ की जगह सैनिकों से घिरी हुई थी।
- जनता को बाहर ही रोक दिया गया था, वह बाहर से ही अंत्येष्टि के स्थान को देख पा रही थी।
- अमित शाह के मोटर काफिला से शव-यात्रा अवरुद्ध हो गई थी, सिंह के परिजनों की कारें बाहर ही रहीं। द्वार बंद कर दिया गया था, सिंह के परिजनों को ढूढ़ना पड़ा तथा अंदर लाना पड़ा।
- सिंह के अंतिम संस्कार को सम्पन्न करने वाले उनके नाती-नातिनों को चिता तक पहुँचने के लिये धक्का-मुक्की सहनी पड़ी।
- राजनयिकों को और कहीं बिठाया गया था तथा वे दिखाई नहीं दे रहे थे। यह बात आघात पहुँचाने वाली थी कि प्रधानमंत्री उस समय भी खड़े नहीं हुये, जब भूटान नरेश खड़े हुये थे।
- पूरा श्मशान बहुत तंग था तथा व्यवस्था बहुत खराब थी, बहुत से लोगों को शवयात्रा में जगह ही नहीं मिली।

इतने महान राजनेता के प्रति ऐसा लज्जाजनक तौर तरीका सरकार की प्राथमिकताओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसके सम्मान के अभाव को दर्शाता है। डॉ. सिंह गरिमा के हकदार थे, ऐसे शर्मनाक प्रदर्शन के नहीं।

अधिकांश मीडिया को बाहर ही रखा गया तथा सारे टी.वी. चैनलों ने दूरदर्शन से ही सामग्री ली, जिसका पूरा फोकस नरेन्द्र मोदी पर था। कई राजनेता, जो अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने फूल और मालाएं लेकर आये थे, बाहर ही रोक दिये गये, उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया। दोनों पार्टियों के बीच तू-तू, मैं-मैं चलती रहने की आशा की जा रही है। डॉ. सिंह की अंत्येष्टि वाले दिन हुई सुधांशु त्रिवेदी की प्रैस कॉन्फ्रैंस को बहुत ही कुरुचिपूर्ण एवं निम्नस्तर की माना जा रहा है।

# सरकार ने कांग्रेस के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मनमोहन सिंह के अन्तर्राष्ट्रीय कद, उनकी महान उपलब्धियों को देखते हुए भारत सरकार को उनके अंतिम संस्कार के लिए एक उपयुक्त स्थान क्यों नहीं मिला। यह और कुछ नहीं बल्कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अपमान है।" शिरोमणि अकाली दल, सपा और आम आदमी पार्टी ने भी यही बात कही।

लोकसभा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर डॉ. सिंह का परिवार ऐसा चाहता था तो बात अलग है वरना उनका अंतिम संस्कार वहां किया जाना चाहिए था जहां अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों का हुआ है।

सोशल मीडिया पोस्ट में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि, "चौंकाने वाला और अविश्वसनीय। यह अत्यंत निंदनीय है कि केन्द्र सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है वे अत्यंत प्रतिष्ठित नेता का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करे जहां राष्ट्र के लिए उनकी अभूतपूर्व सेवाओं की याद में एक उपयुक्त और एतिहासिक स्मारक बनाया जा सके। यह स्थान राजघाट होना चाहिए और यह अतीत में अपनाई गई स्थापित प्रथा के अनुरुप होगा।" उन्होंने कहा, "यह समझ में नहीं आ रहा है कि सरकार उस महान नेता का ऐसा अनादर क्यों कर रही है। डॉ. सिंह सिख समुदाय के एकमात्र नेता है जो प्रधानमंत्री बने।

अभी तक यह तय हुआ है कि अंतिम संस्कार आम जनता के लिए बने निगमबोध श्मशान घाट में होगा। मुझे समझ नहीं आ रहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के अन्तर्राष्ट्रीय कद के प्रति भाजपा इतनी ज्यादा पक्षपाती क्यों है कि उनका असम्मान करने पर उतर आई है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908